जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

अजमेर

Rashtradoot

फोनः- 2627612, 2427249 फैक्सः- 0145-2624665 वर्षः 28 संख्याः 277 प्रभात अजमेर, मंगलवार 7 मई, 2024 आर.जे./ए.जे./73/2015-2017 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

ऑस्ट्रेलिया में मिलने वाले नाइट पैरट किसी अजूबे से कम नहीं हैं। जमीन पर विचरण करने वाले ये पक्षी उड़ने में भी सक्षम हैं। रात होने पर ही इनकी आवाज सुनाई देती है। करीब सौ वर्षों तक इन्हें विलुप्त माना जा रहा था। नाइट पैरट विश्व के सबसे रहस्यमय पक्षियों में एक हैं। सबसे पहले 1845 में रिकॉर्ड किए गए इन पक्षियों का अंतिम जीवित नमूना वैस्ट ऑस्ट्रेलिया में 1912 में संग्रहित किया गया था। उसके बाद ये गायब हो गए और 1912 से 1979 के बीच इनकी कोई पुष्टी नहीं हुई। फिर, सन् 2013 में वाइल्ड -लाइफ फोटोग्राफर जॉन युंग ने वैस्टर्न क्वीन्सलैंड में एक पैरट के कई फोटो लिए और कुछ सैकेण्ड का वीडियो फुटेज भी रिकॉर्ड किया। कई वर्षों की मेहनत व खोज के बाद अंततः जॉन को बहुत करीब से एक नाइट पैरट देखने को मिला। इस खोज को लेकर विश्वभर में इतनी उत्सुकता पैदा हो गई कि, सुरक्षा के मद्देनज़र इनकी वास्तविक लोकेशन को उजागर नहीं किया गया। अब पिछले कई वर्षों में परभक्षी बिल्लियों और जंगल में आग लगने की घटनाओं के कारण इनका प्राकृतिक आवास घट गया है और माना जाता है कि, अब ये गंभीर रुप से संकटग्रस्त हैं। हाल ही में गिब्सन डैज़र्ट के एक दूरस्थ क्षेत्र में किवाकरा रेंजर टीम ने इनकी आवाज़ें रिकॉर्ड की हैं। यह पांचवी टीम है जिसने इन पक्षियों की आवाज़ें रिकॉर्ड करने में सफलता पाई है। इनकी कॉल्स की रिकॉर्डिंग संरक्षण की दृष्टि से काफी महत्वपूर्ण है, जिससे इनका वर्तमान आवास क्षेत्र चिन्हित किया जा सकता है। एक बार जब वहां से पर्याप्त रिकॉर्डिंग प्राप्त हो जाएंगी तो नाइट पैरट का अध्ययन कर रहे वैज्ञानिक संरक्षण के लिए विशिष्ट स्थानों को चिन्हित कर पाएंगे। इस वर्ष किवाकरा रेंजर्स ने 5 अलग -अलग क्षेत्रों में साउण्ड रिकॉर्डिंग स्टेशन बनाए और रात में रिकॉर्ड की हुई आवाज़ें नाइट पैरट विशेषज्ञ डॉ. निक लीज़बर्ग को भेजीं। इस पक्षी की आवाज़ एकदम अलग है इसलिए इसे पहचानना कोई मुश्किल काम नहीं है। डॉ. लीज़बर्ग ने कहा, जैसे ही हमें नक्शे पर नया बिंदू नज़र आता तो इसका अर्थ होता कि, नाइट पैरट की रेंज में कुछ और विस्तार हो गया है। यह जानकारी काफी महत्वपूर्ण है।

पूर्व मु.मंत्रियों को रायबरेली व अमेठी में पर्यवेक्षक बनाया गया है?

कांग्रेस को उम्मीद है कि, भूपेश बघेल व गहलोत अपनी अंटियां खोलेंगे इन दोनों प्रतिष्ठित सीटों के चुनाव को फाइनैंस करने के लिए

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- अशोक गहलोत द्वारा अपने पुत्र वैभव के चुनाव के लिये सौ करोड़ रूपये का बजट रखने की चर्चाओं ने, गहलोत को दिलवाया अमेठी के पर्यवेक्षक का चार्ज।
- गहलोत, राहुल गांधी के चुनाव पर्चा भरने के कार्यक्रम में आमंत्रित नहीं थे, पर, प्रियंका गांधी के हैलिकॉप्टर पर किसी तरह चढ़ कर रायबरेली पहुँच ही गये। यह ''तथ्य'' उनकी प्रचार टीम के लिये पर्याप्त था, यह बात फैलाने के लिये कि, वे अभी भी गांधी परिवार के विश्वासपात्र व नज़दीकी हैं तथा अन्य जगहों पर उनकी क्या स्थिति है, उसका फर्क नहीं पड़ता।
- पर विचारणीय बात यह है कि, माना कि, कांग्रेस पार्टी में पैसों की भारी कमी है, पर, वी.आई.पी. सीटों के लिये पैसे का जुगाड़ क्यों किया गया है, बाकी साधारण सीटों को उम्मीदवारों के भाग्य पर क्यों छोड़ दिया गया है।
- उदाहरण के लिये, उड़ीसा में कांग्रेस उम्मीदवार सुचरिता मोहंती का प्रकरण है। श्रीमती मोहंती ने अपनी उम्मीदवारी वापस ले ली क्योंकि ए.आई.सी.सी. के प्रतिनिधि अजय कुमार ने उनसे साफ कह दिया कि, ए.आई.सी.सी. उनकी कुछ भी आर्थिक मदद नहीं कर सकती चुनाव में। श्रीमती मोहंती व उनके पति पत्रकार हैं, अतः चुनाव में अपने स्रोतों से खर्चा वहन करना उनकी बस की बात नहीं है, अतः उन्होंने अपनी उम्मीदवारी वापस लेने की घोषणा की।

नई दिल्ली, 6 मई। अशोक गहलोत को अमेठी लोकसभा सीट तथा भूपेश बघेल को रायबरेली लोकसभा सीट के लिए पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है। दोनों पूर्व मुख्य मंत्रियों से अपेक्षित है कि, वो आर्थिक संकट से जूझ रही कांग्रेस पार्टी को इन दोनों सीटों के लिए फाइनैंस मुहैया कराने में अपनी अंटियां खोलेंगे। फण्ड मुहैया करवाएंगे।

कांग्रेस के लिए अमेठी और रायबरेली, दोनों ही प्रतिष्ठित सीटें हैं, जहाँ गाँधी परिवार को स्थापित करना है कि, अभी भी ये दोनों सीटें उनके प्रभाव की सीटें हैं।

रोचक बात यह है कि, बाकी 15 सीटों के लिए पर्यवेक्षक नियुक्त क्यों नहीं किए गए हैं, जिन पर उत्तर प्रदेश में पार्टी चुनाव लड़ रही है। कांग्रेस, समाजवादी पार्टी के साथ गठबंधन में कुल मिलाकर 17 सीटों से चुनाव लड़ रही है। सूत्रों का कहना है कि, अशोक गहलोत राहुल गाँधी के नामांकन कार्यक्रम में शामिल होने के लिए प्रियंका गाँधी के हैलिकॉप्टर में उनके साथ रायबरेली पहुँचे। कहा जा रहा है कि, इस अवसर पर उन्हें आमंत्रित नहीं किया गया था, वो जबरदस्ती वहाँ पहुँचे।

अब अशोक गहलोत के मित्रों ने यह कहना शुरु कर दिया है कि, गहलोत अभी भी गाँधी परिवार के नज़दीकी और विश्वास पात्र आदमी हैं और पार्टी में

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'नीट पेपर लीक, 23 लाख विद्यार्थियों के साथ धोखा'

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 6 मई। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने रविवार को हुए नीट पेपर लीक की कड़ी आलोचना की और इसे 23 लाख बच्चों व उनके परिवार के साथ विश्वासघात बताया।

उन्होंने ट्वीट किया कि मोदी

- राहुल गांधी ने कहा कि, नीट पेपर लीक होने से 23 लाख विद्यार्थियों व उनके परिजनों के साथ धोखा हुआ है, इंडिया गठबंधन की सरकार आई तो पेपर लीक पर कड़े कानून बनाए जाएगे।

सरकार उन युवाओं के लिए अभिशाप बन गई है जो 12वीं कक्षा पास करने के बाद मैडिकल कॉलेज में प्रवेश का सपना देख रहे थे या सरकारी नौकरी के लिए संघर्ष कर रहे थे।

राहुल ने कहा, भाजपा सरकार गत दस साल से सरकार चला रही है और

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'मैं आरक्षण के लिये सुप्रीम कोर्ट द्वारा लगायी गयी 50 प्रतिशत की सीमा हटवा दूंगा'

राहुल गांधी ने रतलाम में आयोजित आमसभा में यह ऐलान किया

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- राहुल गांधी ने कहा, दलित, बैकवर्ड व ट्राइबल समुदाय को उतना आरक्षण दिया जायेगा, जितनी उसको आवश्यकता है
- गुजरात में बनास कांठा में आयोजित आम सभा में प्र.मंत्री मोदी ने राहुल के ऐलान पर पलटवार करते हुए कहा, ''कांग्रेस आरक्षण से छेड़-छाड़ इसलिए कर रही है, क्योंकि वह धर्म के नाम पर मुसलमानों को आरक्षण देना चाहती है।''
- मोदी ने इसी लय में आगे यह भी कहा कि, राहुल गांधी व उनके समर्थक घोषणा करें कि, वे संविधान में तब्दीली नहीं लायेंगे तथा धर्म क नाम पर आरक्षण नहीं देंगे।

नई दिल्ली, 6 मई। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने आज एक बड़ी घोषणा करते हुए वादा किया कि उनकी पार्टी और गठबंधन जातिगत आरक्षण पर सुप्रीम कोर्ट द्वारा निर्धारित 50 प्रतिशत सीमा को हटाने तथा दलित, पिछड़ों और आदिवासी समुदायों का आरक्षण कोटा बढ़ाने की दिशा में काम करेंगे।

मध्यप्रदेश के रतलाम में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए गांधी ने कहा कि, ''यह चुनाव संविधान बचाने की खातिर लड़ा जा रहा है। भाजपा और आर.एस.एस. संविधान को बदलना, समाप्त करना चाहते हैं, लेकिन कांग्रेस और इण्डिया गठबंधन इसे सुरक्षित रखना चाहते हैं। राहुल ने संविधान की एक प्रति दिखाते हुए कहा कि ''इस संविधान ने आपको जल, जंगल और ज़मीन के अधिकार दिए हैं। नरेन्द्र मोदी इन अधिकारों को समाप्त करना चाहते हैं। वे पूरी सत्ता अपने हाथ में रखना चाहते हैं।''

उन्होंने कहा कि भाजपा नेताओं ने घोषणा की है कि यदि वे जीते तो संविधान को बदल देंगे। इसीलिए इन्होंने ''400 सीटों'' का नारा दिया, लेकिन 4 सौ तो छोड़िए, इन लोगों को 150 सीटें भी नहीं मिल रही हैं। ये कहते हैं कि ये आरक्षण खत्म कर देंगे। मैं आपको अभी से यह बताना चाहता हूँ कि हम आरक्षण को 50 प्रतिशत की सीमा आगे बढ़ाएंगे। उन्होंने कहा कि गरीबों, पिछड़ों दलितों और आदिवासियों को जितने आरक्षण

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

रायबरेली से राहुल गांधी के नामांकन को चुनौती

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 6 मई। चुनाव आयोग ने रायबरेली में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गाँधी के नामांकन को लेकर दो शिकायतें स्वीकार की हैं, एक तो उनकी ब्रिटिश नागरिकता और हाल ही में मानहानि के केस में उन पर सिद्ध हुए

- यह चुनौती किसी अनिरूद्ध प्रताप सिंह ने दो आधारों पर दी है, एक तो राहुल की ब्रिटिश नागरिकता, दूसरे हाल ही में मानहानि केस में उनका दोषी साबित होना।

आरोप को लेकर।

शिकायतकर्ता अनिरूद्ध प्रताप सिंह ने एडवोकेट अशोक पाण्डे के माध्यम से शिकायत दर्ज कराई है। पाण्डे ने रायबरेली के रिटर्निंग ऑफिसर के पास शिकायत दर्ज करवाकर राहुल के नामांकन को रद्द करने की मांग की है।

एडवोकेट पाण्डे ने कहा, ''पहले तो, राहुल गाँधी को दो साल की सजा मिली है, जिसके कारण वो चुनाव लड़ने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जे.पी. नड्डा व मीडिया इंचार्ज अमित मालविया के खिलाफ एफ.आई.आर. दर्ज करायी कांग्रेस ने

कर्नाटक में दर्ज इस एफ.आई.आर. में भाजपा पर आरोप लगाया गया है कि, सोशल मीडिया पोस्ट के मार्फत कर्नाटक के विभिन्न समुदायों में वैमनस्य फैलाने की चेष्टा की गयी है

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- सोशल पोस्ट में दिखाया गया है कि, कांग्रेस एक डब्बे में चार अण्डे रख रही है, जिन पर मुसलमान, एस.टी., एस.सी, ओ.बी.सी. लिखा है।
- जब इन अण्डों से चूज़े निकलते हैं, तब राहुल गांधी केवल उस चूज़े को आहार दे रहे हैं जिस पर मुस्लिम लिखा है तथा मुस्लिम चूज़ा अन्य चूज़ों को धक्के मार कर बाहर निकाल देता है।

नई दिल्ली, 6 मई। एक सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर भाजपा अध्यक्ष जे.पी. नड्डा, पार्टी के मीडिया प्रभारी अमित मालवीय और कर्नाटक के प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बी.वाय. विजेन्द्र के खिलाफ एफ.आई.आर. दर्ज की गई है। आरोप है कि इस सोशल मीडिया पोस्ट में एस.सी. और एस.टी. समुदायों के वोटर्स को कथित रूप से भयभीत किया गया है।

कांग्रेस को एक धर्म विशेष का पक्ष लेने वाली पार्टी के रूप में चित्रित करने वाले एक एनीमेटेड वीडियो के जारी होने के बाद कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस ने इसकी शिकायत दर्ज करायी थी। सोशल मीडिया साइट ''एक्स'' भाजपा की कर्नाटक इकाई के ऑफीशियल हैंडल पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में राहुल गांधी और मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के कैरिकेचर के साथ एक घोंसला दिखाया गया है जिसमें चार अण्डे रखे हैं। एक अण्डे पर ''मुसलमान'' लिखा है, जबकि अन्य पर एस.सी. एस.टी. और ओ.बी.सी। वीडियों में राहुल गांधी के अगले कैरिकेचर में उन्हें उसी चूज़े को ''फण्ड्स'' रूपी भोजन देते बताया गया है जो ''मुस्लिम'' अण्डे से निकला है।

वीडियो का कैप्शन है ''सावधान, सावधान, सावधान।'' वीडियो में दिखाया गया है कि मुस्लिम अण्डे से निकला चूज़ा अन्य तीन अण्डों से निकले चूज़ों को धक्का देकर अलग करता है। उसके बाद हंसी की आवाज आती है।

कांग्रेस की शिकायत में कहा है कि वीडियो में पिछड़े समुदायों को अंडे के रूप में प्रदर्शित कर उनका अपमान किया

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'जेल का जवाब वोट से देंगे'

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 6 मई। चुनाव आयोग ने आम आदमी पार्टी (आप) के चुनाव प्रचार गीत ''जेल का जवाब वोट से'' को मंजूरी दे दी है, वो भी बिना किसी परिवर्तन के।

आप के वरिष्ठ नेता दिलीप पांडे ने

- आप पार्टी के इस चुनाव प्रचार गीत को चुनाव आयोग से मंजूरी मिलने के बाद आप नेता दिलीप पांडे ने कहा कि, हम आयोग के निर्देशों के आगे नहीं झुके।

सोमवार को बताया कि वे किस तरह से अपने पक्ष के लिए लड़े। उन्होंने कहा हम भाजपा के घटिया प्रयासों के आगे नहीं झुकेंगे।

पार्टी ने कहा कि हम मुख्यमंत्री केजरीवाल की गिरफ्तारी का जवाब वोट से देंगे। पार्टी ने गुंडागर्दी के खिलाफ वोट देने की अपील भी की है।

चंद्रबाबू नायडू ने भी अफलातूनी प्रचार अभियान चलाया कि, सरकार परिवार की विवादित भूमि अधिग्रहित कर लेगी

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- चंद्रबाबू नायडू का तर्क है कि, सरकार ने सितम्बर 2022 को ''लैण्ड टाइटलिंग एक्ट'' पारित किया था, जिसके तहत, परिवारों की विरासत में मिली भूमि को, जिस पर उत्तराधिकारियों में विवाद है, सरकार अपने कब्जे में ले लेगी।
- सरकार इन ज़मीनों के रिकॉर्ड को ''डिजिटाइज़'' करने के लिये, प्रापर्टी के कागज़ात परिवार वालों से मांग रही है। पर, जनता द्वारा इस कागज़ातों को वापस लेने की प्रक्रिया को इतना जटिल बना दिया गया है कि, प्रापर्टी के ऑरिज़नल कागज़ात सरकार से प्राप्त करना अत्यन्त जटिल व लम्बा काम हो जाएगा, प्रापर्टी सरकार के कब्जे में ही चली जायेगी।
- चंद्रबाबू नायडू का प्रचार ग्रामीण क्षेत्रों में काफी असर डाल रहा है, तथा दहशत भी फैल गयी है।

नई दिल्ली, 6 मई। भाजपा जिस प्रकार से कांग्रेस के खिलाफ प्रचार कर रही है कि यह लोगों के मंगलसूत्र और पैसा छीन कर गरीब मुसलमानों को दे देगी। अब भाजपा की सहयोगी तेलुगूदेसम पार्टी ने जगन मोहन रेड्डी सरकार पर आरोप लगाया है। लैंड टाइटलिंग एक्ट के जरिए यह सरकार आम जनता की ज़मीन-जायदाद हथिया लेगी। पता चला है कि इस मुद्दे पर चल रहे टैलिफोनिक अभियान के पीछे तेलुगूदेसम है। इनमें फोन करने वाला व्यक्ति बताता हैं कि लैंड टाइटलिंग एक्ट कुछ ही दिनों में लागू हो जाएगा और इसके बाद आपकी सारी ज़मीन सरकार हथिया लेगी। सत्तारूढ़ पार्टी वाय.एस.आर.सी.पी. ने इसके खिलाफ चुनाव आयोग में शिकायत दर्ज की है और साइबर सैल से एक्शन लेने को कहा है।

लेकिन गाँवों और कस्बों में लोगों में डर सा व्याप्त होने लगा है कि सरकार उन लोगों की ज़मीन व घर छीन लेगी जो उन्हें विरासत में मिली है। डर यह है कि कागज़ी कार्यवाही बेहद भ्रामक है कि कुछ लोग तो अपनी खानदानी जायदाद से वंचित हो जाएंगे। असल में सरकार लैंड रिकॉर्ड को ''डिजाटलाइज़'' करने जा रही है कानून के मार्फत, इसलिए लोगों से कागज़ात मांग रही है, पर इन कागज़ातों की वापसी की प्रक्रिया बेहद जटिल है। इसलिए जनता के डर बढ़ गया है। आंध्र प्रदेश में 13 मई को लोकसभा और विधानसभा चुनाव के लिए मतदान होगा।

तेलुगूदेसम के प्रमुख चंद्रबाबू नायडू सितम्बर 2022 में आंध्र विधानसभा पारित लैंड टाइटलिंग एक्ट को अपने प्रचार अभियान में लैंड ग्रैबिंग (कब्जा) एक्ट बता रहे हैं। जन सेना के प्रमुख पवन कल्याण भी फोन कॉल में कही गई बात दोहराते हुए कहते हैं कि जगन मोहन रेड्डी फिर से सत्ता में आए तो कानून का दुरुपयोग कर जनता की ज़मीन जायदाद छीन लेंगे। उन्होंने कहा कि अगर तेलुगूदेसम और जन सेना की सरकार सत्ता में आई तो वे इस कानून को खत्म कर देंगे।

आम जनता में डर है कि जिस ज़मीन के वे कानूनन हकदार है उसे सरकार किसी ना किसी बहाने से छीन लेगी। इस सबके पीछे तेलुगूदेसम है नायडू ने जगन मोहन रेड्डी पर आरोप लगाया कि रिकॉर्ड डिज़ीटल करने के नाम पर वे जनता की ज़मीन छीन लेंगे। तेलुगूदेसम ने बड़ी ही सफलता से लोगों के दिलों-दिमाग में यह डर घुसा दिया है। ऐसा डर है कि ऐसी ज़मीनें जिन पर कानूनी विवाद है या खानदानी झगड़ा है और जिनके पूरे कागज़ात नहीं हैं, उन ज़मीनों को सरकार ले लेगी। दूसरे जन्म, मृत्यु, स्थानीय निवास और अन्य दस्तावेज़ों, जो राजस्व विभाग जारी करता है, उन पर मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी का फोटो लगा है। विपक्ष लोगों से कह रहा है कि ये दस्तावेज़ संकेत हैं कि ज़मीन पूरी तरह से आपकी नहीं हैं कागज़ों पर जगन की तस्वीर की मौजूदगी को भी मुद्दा बनाया जा रहा है। नायडू जन सभाओं में ये कागज़ दिखा कर जनता को और डरा रहे हैं।

नायडू जो कह रहे हैं वह तेलंगाना विधानसभा चुनावों में कांग्रेस के प्रचार से अलग नहीं है। कांग्रेस ने भी आरोप लगाया था कि बी.आर.एस. सरकार के लैंड रिकॉर्ड पोर्टल में ज़मीनों की सुरक्षा संदिग्ध है।

लैंड टाइटलिंग विधेयक नीति आयोग के मॉडल ड्राफ्ट पेपर पर आधारित है। आयोग ने मकान व भूखंडों पर आम लोगों को ज़मीन का हक देने के लिए ऐसा कानून बनाने को कहा था, जिससे ज़मीन विवादों की संख्या में कमी आएगी और इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रोजैक्ट्स के अधिग्रहण के लिए पारदर्शी व्यवस्था बनेगी।

वाय.एस.आर.सी.पी. को बहुत बाद में जाकर यह अहसास हुआ है कि लैण्ड टाइटलिंग एक्ट से जनमानस में नकारात्मक भावना निर्मित हो रही है, इसलिए जगन ने अब अपनी प्रत्येक

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अमेठी और रायबरेली का प्रभार दो पूर्व मु.मंत्रियों को

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 6 मई। सोमवार को कांग्रेस ने दो पूर्व मुख्यमंत्रियों को वी.आई.पी. निर्वाचन क्षेत्र, रायबरेली व अमेठी के लिए पर्यवेक्षक नियुक्त किया है।

ए.आई.सी.सी. महासचिव के.सी.

- राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत अमेठी और छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री बघेल रायबरेली की चुनाव व्यवस्था संभालेंगे।

वेणुगोपाल द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को अमेठी लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र की जिम्मेवारी दी गई है तथा छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल राहुल गाँधी की लोकसभा सीट रायबरेली का काम देखेंगे।

विचार बिन्दु

क्रोध में मनुष्य अपने मन की बात नहीं कहता, वह केवल दूसरों का दिल दुखाना चाहता है। –प्रेमचंद

चुनाव न केवल निष्पक्ष और पारदर्शी होने चाहिएं, बल्कि ऐसा दिखना भी चाहिए

स्वस्थ लोकतंत्र की स्थापना के लिए सबसे महत्वपूर्ण और आवश्यक शर्त है कि चुनाव निष्पक्ष, स्वतंत्र और पारदर्शी हो। यही सुनिश्चित करने के लिए भारतीय संविधान में स्वतंत्र एवं निष्पक्ष निर्वाचन आयोग की अवधारणा को रखा गया। स्वतंत्रता के बाद पहले चुनाव 1952 में हुए और प्रारंभिक कई वर्षों तक तो चुनाव आयोग लगभग सरकार के विभाग की तरह ही काम करता दिखाई दिया क्योंकि विपक्ष मजबूत नहीं था। लोगों को यह पता भी नहीं रहता था कि चुनाव आयोग में मुख्य निर्वाचन आयुक्त की तरह कौन व्यक्ति पद स्थापित है ।

सातवें, आठवें दशक में आते-आते, चुनाव प्रक्रिया में कई प्रकार की विकृतियां आने लगीं। कुछ राज्यों में 'बूथ कैपचरिंग' आम बात थी। मतदाताओं को आतंकित और प्रभावित करने के लिए बल और बाहुबल का बहुत प्रयोग होने लगा। चुनावों में, विशेषकर बिहार, उत्तरप्रदेश और अन्य कई स्थानों पर हिंसा की अनेक घटनाएं होने लगीं। अधिकांश चुनावों में चुनाव आयोग की भूमिका लगभग मूक दर्शक की ही रही। जो भी सरकार, राज्य में शासन में होती उसका दखल भी कम नहीं था । ऐसे समय जब निर्वाचन आयोग की पहचान एक दंत विहीन, प्रभावहीन आयोग की बन गई थी, टीएन शेषन 1990 में चुनाव आयुक्त बने। वे इस पद पर 1996 तक रहे। उन्होंने अपने कार्यकाल में चुनाव आयोग की छवि को पूरी तरह बदल दिया। उन्होंने बिना किसी दबाव और भय के अपने सारे निर्णय बिना भेदभाव के लागू किए। आदर्श आचार संहिता का पालन कराने हेतु उन्होंने कई कड़े कदम उठाए। शेषन की सख्ती से परेशान होकर सरकार ने दो और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति करते हुए चुनाव आयोग को बहु सदस्यीय बनाया। शेषन के द्वारा स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए उठाए गए कदम इतिहास में दर्ज हो गए हैं। उनके कठोर कदमों के कारण चुनावी हिंसा में बहुत कमी आई है। शेषन के बाद कई वर्षों तक चुनाव आयोग की छवि बरकरार रही। हाल के कुछ वर्षों में चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर संदेह के बादल मंडराने लगे हैं। इसके दो कारण प्रमुख हैं। पहला तो यह कि, आदर्श आचार संहिता का पालन निष्पक्ष रूप से, सत्ता और विपक्ष के नेताओं पर समान रूप से नहीं किया जा रहा है।

यह सर्व विदित है कि भाषा की मर्यादा एवं गरिमा, प्रत्येक चुनाव में गिरती गई है। वर्तमान लोक सभा चुनाव में तो इसने पतन की सारी सीमाएं पार कर ली है ।धर्म एवं जाति के आधार पर वोट मांगने के लिए लोगों को उकसाने वाले भाषण दिये जा रहे हैं। ऐसा करने में प्रधानमंत्री भी पीछे नहीं रहे। उन्होंने बहु संख्यक लोगों को यह कह कर डराने का प्रयास किया कि यदि विपक्ष सत्ता में आ गया तो उनकी सम्पत्ति, यहाँ तक कि महिलाओं का मंगल सूत्र तक छीन कर घुसपैठियों और अधिक बच्चे पैदा करने वालों में बांट दिये जायेंगे। स्पष्ट रूप से उनका इशारा अल्पसंख्यक समाज की ओर था।

ऐसे भड़काऊ बयानों के बावजूद चुनाव आयोग द्वारा सीधे प्रधानमंत्री से जवाब मांगने के बजाय भाजपा के अध्यक्ष को नोटिस दिया गया। इसी प्रकार राहुल गांधी के बयानों के लिए भी नोटिस कॉंग्रेस अध्यक्ष को दिया गया । चुनाव आयोग यह हिम्मत भी नहीं जुटा पाया कि प्रधानमंत्री को आदर्श चुनाव संहिता के उल्लंघन के लिए सीधे एक बार नोटिस भी भेज सके, कारवाई तो दूर की बात है । जब सत्ता पक्ष और विपक्ष के बारे में समान प्रकार का दृष्टिकोण नहीं अपनाया जाता है तब चुनाव आयोग की स्वतंत्रता और निष्पक्षता पर प्रश्न उठना स्वाभाविक है।

चुनाव आयोग में सब कुछ ठीक नहीं है, यह इससे भी स्पष्ट हुआ कि हाल ही में नियुक्त चुनाव आयुक्त अरुण गोयल ने पद संभालने के साढ़े तीन महीने बाद ही अपने पद से त्यागपत्र दे दिया जब कि उनका कार्यकाल 2027 तक था। यह उल्लेखनीय है कि उच्चतम न्यायालय ने अपने निर्णय द्वारा चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति हेतु प्रधानमंत्री, उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश और विपक्षी दल के नेता की समिति बनाई थी, किंतु सरकार ने संबंधित कानून में ही संशोधन करके चुनाव आयुक्तों के चयन हेतु, नई समिति का गठन कर लिया। इसमें प्रधानमंत्री, विपक्षी दल के नेता एवं कानून मंत्री सम्मिलित हैं । यहां यह भी लिखना उपयुक्त होगा कि अब तक सदैव सरकार की अनुशंसा पर राष्ट्रपति चुनाव आयुक्त की नियुक्ति करते रहे हैं। एक बार चुनाव आयुक्त नियुक्त हो जाते हैं, उसके बाद उनके ऊपर कोई दबाव नहीं है कि वह सरकार के अनुकूल ही काम करें, किंतु देखा यह जा रहा है कि सरकार की इच्छा के विपरीत चुनाव आयोग निर्णय लेने में संकोच करता रहा है । सात चरणों में चुनाव भी शायद इसीलिए कराए जा रहे हैं ताकि प्रधानमंत्री सभी चरणों में, अपना पूरा समय देकर, चुनाव प्रचार कर सकें । सत्ताधारी दल के लिए यह महत्वपूर्ण है क्योंकि उसका अपने पूरा प्रचार प्रधानमंत्री – केंद्रित है। यहाँ तक कि भाजपा का घोषणा पत्र भी 'मोदी की गारंटी' के नाम से ही प्रचारित – प्रसारित किया गया।

देखा यह जा रहा है कि सरकार की इच्छा के विपरीत चुनाव आयोग निर्णय लेने में संकोच करता रहा है । सात चरणों में चुनाव भी शायद इसीलिए कराए जा रहे हैं ताकि प्रधानमंत्री सभी चरणों में, अपना पूरा समय देकर, चुनाव प्रचार कर सकें । सत्ताधारी दल के लिए यह महत्वपूर्ण है क्योंकि उसका अपने पूरा प्रचार प्रधानमंत्री - केंद्रित है। यहाँ तक कि भाजपा का घोषणा पत्र भी 'मोदी की गारंटी' के नाम से ही प्रचारित - प्रसारित किया गया।

हाल ही में चुनाव आयोग द्वारा पहले दो चरणों के मतदान के आंकड़े जारी करने में जो अत्यधिक विलंब हुआ हुआ है, उससे निष्पक्षता पर सवाल तो उठ ही रहा है।

मतदान केंद्रों से मतदान संबंधी सूचना और आंकडे मतदान के दिन या अधिकतम अगले दिन प्राप्त हो जाते हैं। पाठकों को यह जानना चाहिए कि एक संसदीय क्षेत्र में औसतन 1500 से 2000 मतदान केंद्र होते हैं। अगले दिन यह आंकड़े प्राप्त हो जाते हैं कि कितने मतदाताओं ने अलग-अलग मतदान केंद्रों में मतदान किया। इनका संकलन करके चुनाव आयोग पूरे आंकड़े सामान्यतया मतदान के दिन या अगले एक-दो दिन में जारी कर दिया करता है । इस बार चुनाव आयोग ने पहले एवं दूसरे चरण के मतदान जो कि 19 अप्रैल और 26 अप्रैल को हुआ, दोनों के आंकड़े एक साथ 30 अप्रैल को जारी किए । न केवल यह, अभी तो जो आंकड़े जारी किए गए, उनमें भी पूरे संसदीय क्षेत्र के मतदान का, केवल प्रतिशत बताया गया है। मतदाताओं की संख्या, जिन्होंने बूथ वार मत का प्रयोग किया, यह सार्वजनिक नहीं किया गया है । साथ ही यह भी सार्वजनिक रूप से इलेक्शन कमिशन की वेबसाइट पर उपलब्ध नहीं किया है किस मतदान केंद्र पर कितने मतदाताओं ने मतदान किया? चुनाव आयोग द्वारा प्रारंभ में जो अनुमानित आंकडे जारी किए गए थे उनकी तुलना में अंतिम आँकडों में मतदान का प्रतिशत चार से छह प्रतिशत अधिक हो गया है। प्रारंभ में जहां 60-62 के लगभग मतदान बताया जा रहा था, वहां अब पहले चरण के लिए 66.14 एवं दूसरे चरण के लिए 66.71 बताया गया है। विपक्षी दलों द्वारा इतने विलंब से अंतिम आंकड़े जारी करने पर धांधली के आरोप लगाए जा रहे हैं। यह समझ से परे है कि चुनाव आयोग ने केवल प्रतिशत क्यों बताया, मतदाताओं की संख्या क्यों नहीं बताई? इसी प्रकार मतदान केंद्र वार आंकड़े क्यों जारी नहीं किए? इसका कोई स्पष्टीकरण भी आयोग द्वारा नहीं दिया गया है। सामान्य विवेक वाला व्यक्ति भी जानता है कि कुल मतदाताओं की संख्या एवं मत करने वाले लोगों की संख्या के आधार पर ही प्रतिशत ज्ञात किया जाता है। यह सही है कि फॉर्म 17 C, जिसमें मतदाता संबंधित विवरण होता है, उसकी पीठासीन अधिकारी द्वारा हस्ताक्षिरत एक प्रति मतदान केंद्र पर उम्मीदवारों के पोलिंग एजेंट को दी जाती है। इनके आधार पर राजनैतिक दल और उम्मीदवार आँकडों का मिलान अपने स्तर पर कर सकते हैं। केंद्र पर काम ली गई ई वी एम के नंबर भी फॉर्म 17C में अंकित होते हैं। मतगणना के दिन, मतगणना एजेंट यदि सतर्क हों तो इस पर निगरानी रख सकते हैं। अत: धांधली की आशंका तो निर्मूल है, किंतु विलंब अपने आप में संदेह तो उत्पन्न करता ही है। संदेह को और बल मिलता है जब आयोग की अन्य कार्यवाही भी निष्पक्ष नहीं दिखाई देती हो। यह भी आश्चर्यजनक है कि दूसरे चरण का मतदान जो 26 अप्रैल को हुआ, उसके आंकड़े भी 30 अप्रैल को यानि चार दिन में जारी कर दिए गए तो फिर 19 अप्रैल के मतदान के आंकड़े जारी करने में 12 दिन क्यों लगे? इसका कोई संतोषजनक उत्तर चुनाव आयोग ने अब तक नहीं दिया है।

सब जानते हैं कि किसी भी काम में विलंब होने पर नीयत पर शंका उत्पन्न होना स्वाभाविक है। उदाहरण के लिए किसी सरकारी कार्यालय जैसे जेडीए, नगर निगम या अन्य किसी कार्यालय में यदि आपके प्रार्थना पत्र का निस्तारण लंबे समय तक न हो तो फिर संबंधित नागरिक के मन में है यह संदेह होना स्वाभाविक है कि किसी कार्मिक को 'सुविधा शुल्क (रिश्वत)' की आवश्यकता है। विलंब अपने आप में भ्रष्टाचार को पनपने का अच्छा अवसर देता है।

मतदान के आंकडे जारी करने में अत्यधिक विलंब और उसके बाद भी पूरे संसदीय क्षेत्र के केवल प्रतिशत के आंकड़े जारी करने के कारण, विपक्षी राजनीतिक दलों को चुनाव आयोग की नीयत पर संदेह उत्पन्न करने के लिए पर्याप्त आधार प्रदान कर दिया है। मैंने स्वयं ने कई चुनावों में निर्वाचन आयोग के पर्यवेक्षक, निर्वाचन अधिकारी और सहायक निर्वाचन अधिकारी के रूप में देश के कई राज्यों में भूमिका निभाई है, किंतु मतदान के आंकडे जारी करने में इतना विलंब कभी नहीं देखा । यदि निर्वाचन आयोग की नियत में किसी प्रकार की खोट नहीं है या उन पर सरकार का कोई दबाव नहीं है तो उन्हें मत दान आंकड़े तत्काल प्रभाव से जारी कर देने चाहिए थे। नैसर्गिक न्याय का सिद्धांत है कि न्याय न केवल होना चाहिए अपितु दिखाई भी देना चाहिए । जब भी किसी मामले में विलंब होगा तो वह नीयत पर संदेह उत्पन्न करेगा। न्यायालय द्वारा भी लंबे समय तक निर्णयों को सुरक्षित रखने को मुख्य न्यायाधीश तक ने सही नहीं माना है।

चुनाव आयोग द्वारा मतदान संबंधित विस्तृत आंकड़े तत्काल जारी कर दिए जाना चाहिए थे। ऐसा नहीं करके या तो निर्वाचन आयोग ने केवल अपनी अकर्मण्यता को सिद्ध किया है अथवा यह संकेत दिया है कि वह किसी के दबाव में काम कर रहे हैं।

अभी भी पांच चरण और शेष हैं । अपेक्षा यही है कि आगामी चरणों में निर्वाचन आयोग, मतदान के दिन से अधिकतम एक या दो दिन के अंदर, मत देने वाले व्यक्तियों की संख्या, बूथ वार, सार्वजनिक कर देगा, ताकि पिछले दो चरणों के सम्बन्ध में जो संदेह व्यक्त किया जा रहा है, वैसी कोई स्थिति उत्पन्न न हो ।

अंत में, हम यही कह सकते हैं कि चुनाव आयोग के लिए निष्पक्ष और स्वतंत्र होना ही पर्याप्त नहीं है अपितु नागरिकों को ऐसा दीखना भी चाहिए।

–अतिथि सम्पादक,
राजेन्द्र भाणावत
(पूर्व आई.ए.एस. अधिकारी)

संसद के लिए चुनाव प्रचार में राजनीतिक दल अपने कार्यों, वादों, घोषणा पत्रों का प्रचार कम और विरोधियों पर कटाक्षों, प्रतिक्रियाओं के जरिए जनता का मनोरंजन ज्यादा कर रहे हैं

महावीर सिंह

आज कल बहुत से लोगों ने मनोरंजन के लिए टीवी सीरियल्स देखने के स्थान पर विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं के उलूल-जुलुल बयान सुन कर ज्यादा मनोरंजित होते है। अभी कुछ दिन पहले विपक्षी दलों में से एक प्रमुख दल के प्रमुख नेता नें एक बयान दिया जिस पर दूसरी ओर के दल के बड़े नेताओं सप्ताह भर से उसकी व्याख्यता करके ही जनता का मनोरंजन कर रहे है।

विपक्षी दलों के एक तथाकथित बड़े नेता ने कहा कि अगर उनका दल सत्ता में आया तो जातीय जनगणना करवाएगा, संख्या के आधार पर सबके साथ न्याय किया जाएगा, हिस्सेदारी दी जाएगी। यहां तक तो उनकी बात सभी के अच्छी तरह समझ आयी। इस पर कोई उनको दांए-बांए भी नहीं लिया जा सकता क्योंकि किसी भी राजनीतिक दल में यह हिम्मत नही कि वे जातीय जनगण से सीधे-सीधे इनकार कर दें। उनका कहना था कि सत्ता में आने पर पूरे देश में फाइनेंसियल व इंस्टिट्यूशनल सर्वे कराकर यह पता लगाया जाएगा कि किन लोगों के पास में कितनी सम्पति, क्या संसाधन है और इसके आधार रिडिस्ट्रिब्यूसन किया जाएगा।

बयान आम आदमी के तो कम समझ में आया ही किंतु जो कहा वह तो अच्छे-अच्छो के भी समझ नहीं आया।

शायद, वो यह कहना चाहते होंगे कि सरकार की आय में बढ़ोतरी की जाएगी और गरीबों, महिलाओं, युवाओं, श्रमिकों आदि के कल्याणार्थ योजनाओं में तथा छोटे व माध्यम दर्जे के उद्योगों में ज्यादा निवेश किया जाएगा। उस नेता नें जो कहा उस से दूसरे पक्ष के तथाकथित बड़े नेताओं को भी जनता का मनोरंजन करने का भरपूर मसाला व मौका मिल गया।

शायद उस नेता को यह नहीं समझाया गया कि जनगणना में भी हर परिवार के शैक्षणिक व वित्तिय स्तर से सम्बंधित सूचनाएं एकत्र की जाती है। यह बात अलग है कि किन्ही अज्ञात डरों के कारण वर्तमान सरकार जनगणना टालती आ रही है। अभी भी 2011 की जनगणना के आंकड़ों को काम में लिए जा रहे है। इस से अलग बीपीएल परिवारों की अलग से पहचान की जाती है। इसमें प्रमुखता से परिवारों के पास कितने कच्चे-पक्के घर है, वाहन है या नही, शैक्षणिक स्थिति, नोकरियों, आय के साधनों की जानकारी एकत्र की जाती है। इन सब के आधार पर विभिन्न सरकारी योजनाओं में लाभ प्राप्त कर सकने वालों की सूची तैयार होती है। इसे ही बीपीएल सूची कहते है और इसी के आधार पर इनको विभिन्न योजनाओं का लाभ दिया जाता है।

वैसे भी 80 करोड़ जनता तो सरकार द्वारा दिए जाने वाले फ्री राशन पर निर्भर है तो जनगणना, बीपीएल सर्वे से अतिरिक्त इनका तथाकथित फाइनेंसियल व इंस्टिट्यूशनल सर्वे करके करना भी क्या और क्या मिलना है??

रही बात बीपीएल या जनगणना के आंकड़ों से भिन्न सूचनाओं के लिए फाइनेंसियल/इंस्टिट्यूशनल सर्वे (ये जो कुछ भी हैं) की तो जिनके पास अच्छी इनकम है, वे अपने इनकम टैक्स रिटर्न में सारी काम की सूचनाएं देते है। किस व्यक्ति के पास क्या आय है, कितने मकानात है, कितनी संचित सम्पति (वेल्थ) है, कितनी विभिन्न श्रेणियों की जमीनें हैं, बिजिनेस-कम्पनियों में क्या हिस्सेदारी-शेयर्स है, लॉकर्स की पूरी सूचना इत्यादि सब जानकारियां, सरकार के पास है तो फिर तथाकथित फाइनेंसियल-इंस्टीट्यूसनल सर्वे का मतलब क्या है। बयान देने वाली पार्टी से कोई स्पष्टीकरण नहीं।

तो अस्पष्ट बयान है तो भुगतें, सामने वाले क्यों रहम करें? विपक्षियों नें इसे लपका किन्तु उन्होंनें भी अपनी बयान बाजी से ज्यादा ही मनोरंजन कर दिया। उनका कहना था आपकी हर सम्पति, धनदौलत का एक्स रे किया जाएगा। माताओं, बहिनों का मंगल सूत्र छीन लेंगे, एक से अधिक मकान है तो उसे भी छीन लेंगे। जमीन जायदाद छीन लेंगे। आभूषण छीन लेंगे। और छीन कर उनको देंगे जो ज्यादा बच्चे पैदा करते है, जो घुसपैठिया हैं ! खैर हर पार्टी को अपनी बात कहने का अधिकार है, सो जैसा उन्हें मुफीद लगती वैसी व्याख्या कर देते हैं। किन्तु 400 पार के नारे से व हाइवेज, नई नई ट्रेन्स, हवाई अड्डों आदि की गिनती आदि से चुनाव मैदान में उतरने वाली पार्टी द्वारा जनता का ऐसा निम्न स्तरीय मनोरंजन उसकी थोड़ी बहुत कमजोरी की ओर इशारा तो नहीं?

इसके अलावा भी चुनाव प्रचार विकास की पटरी से उतर कर, निम्नलिखित सारहीन मुद्दों पर सिमटता जा रहा है। शाहजादे/शहजादे बनाम असली शहंसाह जो महलों से निकल कर किसानों, बेरोजगारों, अग्निवीर योजना से त्रस्त नोजवानों की न सुनने वाला, न मिलने वाला,

शहजादे बनाम पीरजादे---शहंसाह बनाम पैदल 4000 किलोमीटर की पैदल यात्रा कर जनता की समस्यों की जानकारी लेने वाले सामने वाले भ्रष्टतमों का जमावड़ा बनाम सबसे बड़े भ्रष्टों को छांट-छांट कर उन्होनें अपने दल में मिला लिए।

80 बनाम 20---राम जी बनाम शिव जी,

डरो मत-भागो मत बनाम गुजरात से क्यों भागे-दायित्वों से क्यों भागे व न जाने ओर क्या क्या बोलते है लोग सोसल मीडिया पर जो यहां लिखना उचित नही, संविधान को सिर पर रख कर नाचने वाले बनाम 370 हटाकर संविधान की गरिमा बढ़ाने वाले, ट्रीपल तलाक खत्म करने वाले, शाही परिवारों से ही पीएम, सीएम बनाम क्या शास्त्रीजी, मोरारजी, चरणसिंह, नरसिम्हा राव, अटल बिहारी, मनमोहन सिंह व अनेकानेक सीएम शाही परिवारों से थे। बिना बच्चों वाले इसलिए खप रहे कि आपके बच्चे पीएम सीएम बने बनाम--बहुत हुआ, यह पद ही नि:सन्तानों के लिए आरक्षित कर दो, सारे झंझट-झगड़े खत्म महिलाओं पर अत्याचारियों-व्यभिचारियों को टिकट तथा सह देने वाले बनाम तुम लोगों ने भी अपने शासन काल में अनेकानेक ऐसे लोगों को बचाया, सह दी,

ED, CBI, IT का डर दिखा कर लोकतंत्र की हत्या करने वाले बनाम एजेंसियां पूर्णत: स्वतंत्र है, सरकार का कोई दखल नही, तुम्हारे बनाए कानून के अनुसार ही काम कर रही है--आदि आदि----

अर्थात जैसे हम वैसे ही तुम थे, जो हम कर रहे है वैसा ही तुम कर रहे थे।

400 पार-अगली सरकार फिर मोदी सरकार बनाम नोटबन्दी से त्रस्त आम आदमी, से त्रस्त छोटे व्यापारी, अचानक लोकडावन से त्रस्त श्रमिक, दुखी किसान-बेरोजगार युवा, अग्निवीर योजना से दुखी ग्रामीण भारत के युवा अगला पीएम चुनेंगे। ओर अब तो पाकिस्तान में यहां के एक नेता विशेष के लिए पीएम बनने के लिए दुवाएँ मांगी जाने की बात भी आ गई, मुस्लिम लीग वाली बात तो आकर पुरानी भी हो गई। इसके विपरीत आवाजें आती है कि पाकिस्तान की क्या औकात जो हिंदुस्तान का पीएम चुने? हिंदुस्तान का पीएम यहां का 140 करोड़ अवाम चुनेगा जिसमें हिन्दू, मुस्लिम, सिख, ईसाई व दूसरे पन्थो के सब लोग शामिल।

किन्तु कुछ तथाकथित बड़े नेताओं के मुंह से यह सुनकर आश्चर्य भी होता है कि हिन्दू-मुसलमान का तो मुद्दा है ही क्योंकि हिंदुस्तान का विभाजन इसी आधार पर हुआ था--आपके कुछ समझ आया ऐसे नेता आखिर कहना क्या चाहते हैं? एक तरफ के पहलवान अपने सारे अस्त्र-शस्त्र फेंक रहे हैं, दाव पेच लगा रहे है--जिन पर फेंके जाते है, वे तक बखूबी अपना बचाव कर रहे है---अंत में जनता जाने विजयश्री की तालियां किस के लिए बजाए। अब बताओ इन सब के आगे तूँ-तूँ, मैं-मैं वाले टीवी सीरियल्स भी मात खाते हैं या नही? नेताओं की ऐसी कॉमेडी के आगे पुराने जमाने के जोनी वाकर, मुकरी, महमूद, असरानी आदि की कॉमेडी क्या कॉमेडी?

आम आदमी तो यह सुनने का इन्तजार ही करता रह जाएगा कि कोई कुछ उसके लिए महत्वपूर्ण महगाई-बेरोजगारी-अग्निवीर-किसानों पर बढ़ता कर्ज-माताओं, बहनों की सुरक्षा-अच्छी शिक्षा-स्वास्थ्य आदि मुद्दों पर भी कोई विस्तार से बोले गाक्या????

–महावीर सिंह,
पूर्व आईएएस

मस्टरोल में फर्जी उपस्थिति दर्ज कर बिना कार्य लाखों रुपए का भुगतान उठाने का आरोप

- **मामला ब्यावर जिले की मसूदा पंचायत समिति क्षेत्र की रामगढ़ ग्राम पंचायत में मनरेगा कार्यो में फर्जीवाड़ा करने से जुड़ा हुआ है**
- **इस मामले में पूर्व में भी दो अप्रेल को विकास अधिकारी को दी थी शिकायत, पर नहीं हुई कोई कार्रवाई**

मसूदा, (निसं)। सरकार ग्रामीणों को रोजगार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से महात्मा गांधी रोजगार योजना के अंतर्गत कार्य स्वीकृत कर लोगों को रोजगार उपलब्ध करने में तत्पर है। वहीं दूसरी और कर्मचारियों अधिकारियों की अनदेखी एवं अपेक्षित रवैया के चलते कुछ लोग इस योजना में लोगों को रोजगार उपलब्ध कराने के बजाय फर्जीवाड़ा से सरकारी राशि का दुरुपयोग कर रहे हैं।

मामला ब्यावर जिले की मसूदा पंचायत समिति क्षेत्र की रामगढ़ ग्राम पंचायत में मनरेगा कार्यों में फर्जीवाड़ा करनें से जुडा हुआ है। इस मामले की पंचायत समिति के विकास अधिकारी से लेकर जिला कलेक्टर तक की गई शिकायत में दर्शाए गए बिंदुओं के अनुसार पंचायत रामगढ़ में मनरेगा मार्ग श्मशान घाट के पारा नाड़ी डीसील्टिंग कार्य में 7 मार्च से 22 मार्च तक के मस्टररोल नंबर 33986, 33987, 33988, 33989, 33990, 33991 में फर्जी उपस्थिति और फर्जी फोटो अपलोड कर फर्जीवाड़ा किया जाना बताया गया है।

इस मामले महत्वपूर्ण बिन्दु यह कि मस्टरोल में अंकित श्रमिक 7 मार्च से 22 मार्च तक की समयावधि में काम पर गए ही नहीं, इसके बावजूद किसी तकनीकी माध्यम से फर्जी फोटो को अपलोड किया जाकर अपलोड ग्रुप फोटो अपलोड कर फर्जी हाजिरी दर्शा दी गई। जबकि फोटो किसी अन्य की लगाई तो उपस्थिति किसी अन्य की दर्शाई गई, जबकि मौके पर काम कुछ भी नहीं होने के बावजूद बिना कार्य के लाखों रुपए का भुगतान उठा लिया।

जब इस मामले की 2 अप्रेल को भी मसूदा विकास अधिकारी के समक्ष उपस्थित होकर शिकायत की गई थी फिर भी सम्बन्धित मामले की जांच नहीं की गई। हाल ही में रजिस्टर्ड डाक से भेजी गई शिकायत को लेकर पंचायत समिति के विकास अधिकारी ने पंचायत प्रसार अधिकारी को जांच करने के आदेश दिए। शिकायत कर्ताओं द्वारा एक बार पुन: विकास अधिकारी मसूदा, जिला कलेक्टर ब्यावर, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी, जिला परिषद अजमेर उपखंड अधिकारी मसूदा एवं पुलिस अधीक्षक ब्यावर को भेजी शिकायत में दोषियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करके दंडित करने की मांग करने के साथ ही अन्यथा ग्रामवासियों को राजकीय राशि का गबन करने के मामले में न्यायालय की शरण लेने तक का उल्लेख किया है। जानकारी के अनुसार इस मामले की जांच अतिरिक्त विकास अधिकारी देवकीनंदन शर्मा को सौंपी गई है।

जांच अधिकारी अतिरिक्त विकास अधिकारी देवकीनंदन शर्मा का कहना है कि इस मामले से सम्बंधित तथ्य एवं ग्राम पंचायत से 11 मई तक रिकॉर्ड तलब किया है। सम्बन्धित रिकॉर्ड उपलब्ध होते ही मामले की जांच की जाकर जांच रिपोर्ट तैयार की जाएगी।

अवैध खनन के जुर्माने के 15 करोड़ रुपए नहीं वसूल पाया विभाग

बीकानेर, (निसं)। अवैध खनन को विभाग के अधिकारियों की ढिलाई से बढ़ावा मिलता है। अवैध खनन के मामलों में विभाग की ओर से पैनल्टी लगाई जाती है। माफिया एक बार मौके पर पैनल्टी भुगतान के लिए समय ले लेता है, लेकिन बाद में ठेंगा दिखा देते हैं। खनन विभाग के अकेले बीकानेर जिले कोलायत क्षेत्र में खनन कारोबारियों से पैनल्टी पेटे वसूली के 15 लाख रुपए बकाया पड़े हैं। रसूख के दबाव में खनन माफिया ने विभाग में ऐसे मामलों में आगे की कार्रवाई रुकवा रखी है।

आचार संहिता लगने के बाद क्षेत्र में अवैध खनन बढ़ गया है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर पुलिस-प्रशासन व खनिज विभाग खनन माफिया पर कार्रवाई नहीं रहे हैं। कोलायत क्षेत्र के गजनेर थाने के गंगापुरा और शरह किशनायत मोटावता में अवैध खनन पर विभाग ने पैनल्टी लगाई थी। पैनल्टी का भुगतान नहीं किया गया और खनन कार्य भी नहीं रोका गया है। कुछ समय तक इनका पिटमैजरमेंट तक नहीं किया जा सका था। यहां अवैध खनन करने से ओरण और सरकारी भूमि को छलनी कर रखा है। जागरूक ग्रामीण दलीप सिंह ने आरटीआई के तहत सूचना मांगी तो खनिज अभियंता ने जवाबी पत्र में कहा कि अवैध खनन की जांच कराई गई है। खनन माफिया को नोटिस देने के बाद अवैध खनन की गणना कर राशि वसूली के लिए लिखा गया है। जबकि हकीकत में राशि वसूली एक रुपया भी नहीं की गई है। पिछले तीन साल में खनिज विभाग की ओर से जिन अवैध माइंस पर पैनल्टी लगाई, उनकी दोबारा जांच व पिटमैजरमेंट व ड्रोन से जांच कराने की मांग निदेशालय के पास पहुंची थी। शिकायत में आरोप लगया गया कि जिन अवैध खनन क्षेत्र पर खनन विभाग ने पैनल्टी लगाई, उन्हीं पर फिर से अवैध खनन हुआ है। पिछले साल श्रीकोलायत एसडीएम व खनिज अभियंता ने निरीक्षण किया तो अवैध खनन की पुष्टि भी हुई। जिला कलेक्टर व पुलिस अधीक्षक के निरीक्षण में भी अवैध खनन होना पाया। इसके बाद भी खनन विभाग ने खनन माफिया से जुर्माने राशि तक वसूल नहीं की। इससे अवैध खनन को बढ़ावा मिल रहा है।

राशिफल मंगलवार 7 मई, 2024

पंडित अनिल शर्मा

वैशाख मास, कृष्ण पक्ष, चतुरदशी तिथि, मंगलवार, विक्रम संवत 2081, अश्विनी नक्षत्र दिन 3:32 तक, आयुष्मान योग रात्रि 8:59 तक, शकुनि करण दिन 11:41 तक, चन्द्रमा आज मेष राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मेष, चन्द्रमा-मेष, मंगल-मीन, बुध-मीन, गुरू-वृष, शुक्र-मेष, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज सर्वार्थ सिद्धि योग और अमृत सिद्धि योग सूर्योदय से दिन 3:32 तक है। आज पितृकार्य अमावस्या है और श्री रविन्द्रनाथ टैगोर जयन्ती है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर 9:06 से 10:44 तक, लाभ-अमृत 10:44 से 2:02 तक, शुभ 3:41 से 5:20 तक।

राहूकाल: 3:00 से 4:30 तक। सूर्योदय 5:48, सूर्यास्त 6:59

मेष
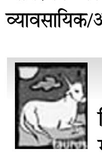
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। पारिवारिक परेशानियों से राहत मिलेगी। मन:स्थिति में सुधार होगा। आवश्यक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

सिंह

धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। शुभ कार्य के लिए यात्रा संभव है। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक संदेश प्राप्त होंगे। पारिवारिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी।

धनु

परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में चल रहे आपसी मतभेद समाप्त होंगे। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है।

वृष
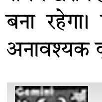
मित्रों/रिश्तेदारों से आपसी मतभेद बढ़ सकते हैं और समय खराब हो सकता है। मन में असंतोष बना रहेगा। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि होगी।

कन्या
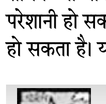
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। आर्थिक मामलों में परेशानी हो सकती है। धन प्राप्ति में विलम्ब हो सकता है। यात्रा टालना ठीक रहेगा।

मकर
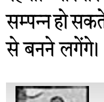
घर-परिवार में अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक कार्य सुगमता से बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मिथुन
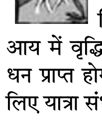
आर्थिक/वित्तिय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्य के लिए यात्रा संभव है।

तुला
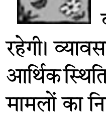
व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त होंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। आज विवादित मामलों का निपटारा हो सकता है।

कुंभ
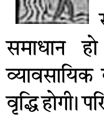
व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है। अटके हुए व्यावसायिक कार्य बनने लगेंगे। आय में वृद्धि होगी। परिवार में शुभ संदेश प्राप्त होंगे।

कर्क

व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। नौकरीपेशा व्यक्तियों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती है।

वृश्चिक

स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। मन का भय दूर होगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मीन

व्यावसायिक कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। नवीन कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। अटके हुए व्यावसायिक कार्य बनने लगेंगे। आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा।

जॉली एलएलबी-3 के विरुद्ध अदालत में वाद दायर

जिला बार एसोसिएशन की अर्जी पर न्यायालय में मंगलवार को होगी सुनवाई

■ वकील और जजों का मजाक बनाना बंद करने के लिए नोटिस जारी करने को लेकर वाद दायर किया है

अजमेर, (कासं)। अजमेर जिला बार एसोसिएशन ने सिविल न्यायाधीश अजमेर उत्तर की अदालत में बॉलीवुड फिल्म जॉली एलएलबी-3 की शूटिंग को रोकने, निर्माता, निर्देशक, अभिनेताओं को वकील और जजों का मजाक बनाना बंद करने के लिए नोटिस जारी करने को लेकर वाद दायर किया है। मामले में सुनवाई मंगलवार को होना बताई जा रही है। जिला बार एसोसिएशन के अध्यक्ष चंद्रभान सिंह राठौड़ ने सोमवार को मीडिया कर्मियों को बयान देकर बताया कि जॉली एलएलबी-वन, टू मूवी को देखकर ऐसा प्रतीत होता है कि फिल्म निर्माता और निर्देशक सहित स्वयं अभिनेता और सह कलाकार भी देश के संविधान के प्रमुख स्तंभ न्यायपालिका की गरिमा और प्रतिष्ठा का तनिक भी सम्मान नहीं करते।

राठौड़ ने कहा कि वर्तमान में अजमेर के डीआरएम ऑफिस सहित आस पास के गांवों और क्षेत्रों में जॉली एलएलबी- थ्री की शूटिंग चल रही है जो कि आगामी 13 मई तक जारी रहने वाली है। इस फिल्म की शूटिंग के दौरान भी निर्माता निर्देशक वकीलों और जजों सहित माननीय न्यायपालिका की छवि, प्रतिष्ठा, गरिमा के प्रति तनिक भी गंभीर नजर नहीं आ रहे है। उन्होंने कहा कि अभिनेता समाज के लिए आइडल होते है उनके कृत्य को समाज ज्यों का त्यों स्वीकार करता है यहां तक कि अपना विचार भी उन फिल्मों को देखकर उनके किरदारों में स्वयं को कहीं खोजने लगता है। बार अध्यक्ष ने बताया कि फिल्मांकन के दौरान वकीलों को और जजों को इस तरह से प्रस्तुत किया जा रहा है जो समाजिक अनुक्रम में कभी होता ही नहीं। ऐसा मजाकिया ही नहीं बल्कि अशोभनीय और न्यायपालिका की प्रतिष्ठा, जज व वकीलों की गरिमा और छवि को धूमिल करने वाला है।

जॉली एलएलबी- थ्री में वकील के लात मारना, उसके पीछे लकड़ी लेकर भागना, जज का गुटखा खाना, रुपयों के लेनदेन को लेकर फिल्माया जा रहे दृश्य किसी भी दृष्टि से न्यायालय, न्यायपालिका और वकीलों व जज के मान, मर्यादा और प्रतिष्ठा के अनुकूल नहीं है। उन्होंने कहा कि व वकील होने के नाते भी बड़े से बड़े अपराधी को अथवा गवाह को अदालत में न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करते हुए बहुत सी बातों का ध्यान रखते हैं जिससे जज और न्यायालय की गरिमा बनी रहे।

बार अध्यक्ष ने कहा कि वाद के माध्यम से उनकी मांग रहेगी कि फिल्म के फिल्मांकन में इस बात का ध्यान रखने के लिए सभी पक्षकारों को नोटिस जारी हो और उन्हें पाबंद किया जाए। अन्यथा वकील समुदाय में व्याप्त असंतोष और नाराजगी फिल्म के निर्माता, निर्देशक और अभिनेताओं के खिलाफ आन्दोलन का रूप ले लेगी।

अजमेर में जॉली एलएलबी -थ्री की शूटिंग के दौरान पुष्कर के रिजॉर्ट में ठहरे अक्षय कुमार ने सोमवार को सुबह सूर्य देव के साथ काफी समय बिताया। विटामिन -डी की अपने शरीर में पूर्ति के लिए, अक्षय ने सुबह बहुत देर तक धूप सेकी। इस दौरान व उघाड़े बदन कुर्सी पर बैठे और धूम सेकते कैमरे में कैद किए गए।

डीआरएम ऑफिस में जारी है फिल्म की शूटिंग:- जॉली एलएलबी-थ्री की शूटिंग अभी अजमेर के मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय परिसर में जारी है। इस फिल्म के लिए रेलवे प्रबंधक कार्यालय को दिल्ली हाईकोर्ट के रूप में सेट तैयार किया गया है। सोमवार को यहां अदालत में सुनवाई के दौरान नजदीक गांव देव नगर के ग्रामीणों के जत्थे को अदालत में पहुंचने का दृश्य फिल्माया जाना बताया जा रहा है। वर्तमान में यहां अरशद वारसी और अक्षय कुमार के संबंधित कोर्ट परिसर के दृश्य फिल्माए जा रहे हैं। रेलवे कार्यालय की पार्किंग स्थल को कोर्ट परिसर के रूप में बनाया गया है। जहां वकीलों की कुर्सियां, गहमागहमी और लोगों को अपने कामकाज के सिलसिले में आना जाना भी है।

सिंधी बाल संस्कार शिविर 18 मई से

अजमेर, (कासं)। ग्रीष्मकालीन अवकाश में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी विद्यार्थियों को सिंधी भाषा गीत संगीत व संस्कारों का ज्ञान कराने के लिए सिंधी बाल संस्कार शिविर का आयोजन 18 मई से कियाजाएगा। आयोजन को लेकर सोमवार को झूलेलाल मन्दिर परिसर में बैठक आयोजित कर निर्णय लिया गया। शिविर 18 से 27 मई तक चलेगा।

श्री झूलेलाल मंदिर वैशाली नगर में श्री झूलेलाल सेवा मंडली वैशाली नगर एवं भारतीय सिंधु सभा वैशाली नगर इकाई के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित किया जाएगा। मंदिर अध्यक्ष प्रकाश जेठरा ने बताया कि इस शिविर में 5 वर्ष 75 वर्ष तक का विद्यार्थी पुरुष महिला भाग ले सकते हैं। शिविर में प्रशिक्षित सिंधी शिक्षकों भारती दरयानी, ईशा सोनी, पूनम गीतांजलि, ज्ञानी मोटवानी, हरि चांदवानी, मीरा टकियानी, गौरी छतवानी, योगाचार्य दौलतराम थदानी, होतचंद मोरयानी द्वारा विद्यार्थियों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। बैठक में हरीश वरियाणी, ईश्वरदास जेसवानी, जयप्रकाश मंघाणी, रमेश रायसिंघानी, गोविंद कोडवानी, किशन केवलानी, मोहन तुलसियानी, भेरूमल शिवनानी, अशोक वरिंदानी, ओमप्रकाश शर्मा, पुरुषोत्तम जगवानी पदाधिकारी मौजूद रहे।

'सती चरित्र श्रवण मात्र से ही प्राणी कल्याण हो जाता है'

अजमेर, (कासं)। स्वामी ग्वालानंद आश्रम खारी खुई में चल रही श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान महायज्ञ में तीसरे दिन सोमवार को कथा वाचक पंडित दिनेश गुरु ने कथा में भगवान शिव और सती का चरित्र पर विस्तार से बताया और कहा कि सती चरित्र श्रवण करने मात्र से प्राणी का कल्याण हो जाता है। सती चरित्र से हमें यह शिक्षा मिलती है कि हमें बिना बुलावे या बिना निमंत्रण के कहीं पर भी नहीं जाना चाहिए। कथावाचक दिनेश गुरू ने बताया कि जिस प्रकार माता सती अपने पिता के घर बिना निमंत्रण के ही चली गई थी और उसको वहां अपमानित होना पड़ा, अंत में माता सती ने अपने प्राणों की आहुति दक्ष के यज्ञ कुंड में दे दी।

श्रीराम सेवा समिति के मीडिया प्रभारी रमेश लालवानी ने बताया कि कथावाचक पंडित दिनेश गुरु ने कथा के दौरान ध्रुव का चरित्र का भी विस्तार से वर्णन सुनाया। श्री कृष्ण जन्मोत्सव मनाया गया। भगवान के भजनों पर भक्तों ने नृत्य भी किया। कथा के मुख्य यजमान भगवान बच्चानी परिवार द्वारा व्यास पीठ का पूजन किया तत्पश्चात श्रद्धालुओं में प्रसाद का वितरण किया गया। कथा प्रतिदिन 4 से 7 बजे आयोजित की जा रही है।

सार-समाचार

मॉर्निंग वॉक पर निकली किशोरी लापता

भीलवाड़ा, (निसं)। शाहपुरा में मॉर्निंग वॉक पर निकली किशोरी लापता हो गई। वह कपड़े, पैसे और सोने की चैन भी साथ ले गई। किशोरी के अपहरण की रिपोर्ट उसके मामा ने शाहपुरा थाने में दर्ज करवाई है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, एक व्यक्ति ने रिपोर्ट दी कि उसकी भांजी जन्म से ही उसके पास रह रही है, जो अभी 16 वर्ष 9 माह की है। वह चार मई को वह सुबह साढ़े पांच बजे मॉर्निंग वॉक पर जाने की कहकर घर से निकली थी, जो नहीं लौटी। परिवादी ने रिपोर्ट में बताया कि उसके फोन पर मैसेज कर कहा कि एक लेटर किताब में रखकर जा रही हूं। वह घर से कुछ पैसे, कपड़े व सोने की चेन भी साथ ले गई। पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरु कर दी। पुलिस इस सिलसिले में तलाश में जुटी है।

बोरियां चुराने का आरोपी गिरफ्तार

मकराना, (निसं)। बड़ीखाटू थाना क्षेत्र के कालवी गांव के जंगल के एक किसान के खेत में सौंफ की बोरियां चोरी करने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार अनुसार प्रार्थी छोटूराम पुत्र नारायणराम जाट निवासी कालवी ने गत 28 अप्रैल को उसके खेत में से 10 सौंफ की बोरियां चोरी होने का मामला दर्ज कराया था। पुलिस ने जांच पड़ताल करते हुए एक आरोपी प्रेमाराम पुत्र रामप्रकाश बावरी, निवासी बावरियों का मोहल्ला सांजू को गिरफ्तार कर बड़ीखाटू थाने लाया गया व उसके पास से एक लाख की लागत की चोरी की गई दस सौंफ की बोरियाँ बरामद की। पुलिस टीम में थाना प्रभारी रामप्रकाश ने बताया कि ये आदतन चोर है इससे और भी चोरियों का खुलासा होने कि संभावना है।

प्रतिभा खोज परीक्षा 12 मई को

अजमेर, (कासं)। राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की राज्य स्तरीय प्रतिभा खोज परीक्षा 12 मई को आयोजित प्रदेश भर में 60 परीक्षा केन्द्रों सैकंडरी और सीनियर सैकंडरी स्तर के करीब 11 हजार 414 विद्यार्थी परीक्षा देंगे। बोर्ड प्रशासक एवं संभागीय आयुक्त महेश चन्द्र शर्मा ने बताया कि राज्य प्रतिभा खोज परीक्षा 2024 2 मई को प्रदेश भर में बनाए गए 60 केंद्रों पर आयोजित होगी। परीक्षा कौसभी तैयारियां पूरी कर ली गई है। उन्होंने बताया कि परीक्षा में कुल 11 हजार 414 विद्यार्थी पंजीकृत हुए है, जिनमें से दसवीं कक्षा वर्ग के 7 हजार 646 तथा बारहवीं कक्षा वर्ग के 3 हजार 768 विद्यार्थी हैं, 12वीं कला वर्ग से 1 हजार 634, वाणिज्य वर्ग से 172 तथा विज्ञान वर्ग से 1 हजार 962 विद्यार्थी परीक्षा देंगे।

जन आधार सीडिंग जल्द करने के निर्देश

ब्यावर, (निसं)। डीएसओ ने जिले के उचित मूल्य दुकानदारो को जन आधार सीडिंग से शेष रहे पात्र लाभार्थियों की सीडिंग जल्द करने के दिए निर्देश। जिला रसद अधिकारी हरि प्रसाद बलाई ने सोमवार को जिले के समस्त उचित मूल्य दुकानदारों को रसोई गैस सिलेंडर सब्सिडी योजना के अंतर्गत जनआधार सीडिंग से शेष रहे पात्र लाभार्थियों की सीडिंग जल्द से जल्द करने के निर्देश दिए उन्होंने बताया कि विभाग द्वारा रसोई गैस सिलेंडर सब्सिडी योजना के जनाधार सीडिंग का विकल्प उचित मूल्य की दुकानों की पोस मशीन में उपलब्ध करवा दिया गया है।

माहेश्वरी समाज की बैठक में तैयारियों पर चर्चा

■ 15 जून को महेश नवमी महोत्सव उल्लास के साथ मनाने का निर्णय लिया गया

मदनगंज-किशनगढ़, (निसं)। माहेश्वरी पंचायत संस्था मदनगंज की बैठक में महेश नवमी महोत्सव की तैयारियों को अंतिम रूप दिया गया। उपाध्यक्ष राधामोहन सारडा की सदारत में आयोजित बैठक के दौरान आगामी 15 जून को महेश नवमी महोत्सव उल्लास के साथ मनाने का निर्णय लिया गया। शोभायात्रा, नयनभिराम झांकिया, खेलकूद प्रतियोगिता आकर्षण का केंद्र रहेगी। प्रवक्ता सुरेश सारदा व मंत्री मधुसूदन बियानी के अनुसार इसके लिये सर्वसम्मति से राधामोहन सारडा व विजय सारडा को संयोजक की जिम्मेदारी सौंपी गई, सहसंयोजक के पद पर जगदीश लोया व भगवान बाहेती पदीय दायित्व सौपा गया। बैठक में पंचायत उपाध्यक्ष राधामोहन सारडा, विजय सारडा, सह मंत्री सर्वेश्वर मंत्री, किशन बंग, भवन प्रबंधक विष्णुचरण हेड़ा, राजकुमार बांगड़, मुकुटबिहारी मालपानी, शिवचरण ईनाणी, गोपाललाल काबरा, जुगलकिशोर जेथलिया, जगदीश लोया, अनिल बियानी, ओमप्रकाश तोषनीवाल, रमेशनारायण चंडक, सीए धर्मेंद्र कांकाणी, राकेश ईनाणी, रमेश राठी, अजय काबरा, जुगलकिशोर बंग, महेश काबरा, कन्हैया तोषनीवाल, मनमोहन पोरवाल, अमित सोमानी, दीपक मोदानी सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे।

मुनि श्री सम प्रतिष्ठित सागर जी महाराज की हुई भव्य समाधि

अजमेर, (कासं)। आचार्य सुनील सागर जी महाराज की परम शिष्य मुनि श्री 108 प्रतिष्ठित सागर जी महाराज की समाधि आज मध्यान 11:15 बजे छोटे धड़े की नसिया में हो गई विदित है कि मुनिश्री की सल्लेखना पिछले डेढ़ माह की अधिक समय से चल रही थी।

आचार्य सुनील सागर जी महाराज के परम शिष्य मुनिश्री सम प्रतिष्ठित सागर जी महाराज ने अन्न जल सबका त्याग कर दिया था, णमोकार महामंत्र का जाप करते हुए आज समाधि पूर्ण हुई समाधि के पश्चात डोल यात्रा से पूर्व आचार्य सुनील सागर जी महाराज ने संपूर्ण जीवन वृतांत को समझाया की किस तरह समाधि हुई डोल यात्रा के चार कंधों पर अजय दोषी रितेश जैन सुनील गंगवाल पारस जैन में अपना योगदान दिया घी लेपन की बोली श्री पारस रितेश कुमार जैन परिवार को प्राप्त हुई अग्नि संस्कार की बोली कुंती लाल बजेरिया परिवार के सभी परिवार जनों को प्राप्त हुई अंत्येष्टि स्थल पर चार कलश अर्पित किए, गए जिसमें कमल गंगवाल पंकज गंगवाल लोकेंद्र पांडे रितेश जैन महावीर चंद लोहारिया परिवार को सौभाग्य प्राप्त हुआ।

मुनिश्री सम प्रतिष्ठित सागर जी महाराज की समाधि पूर्ण हुई।

संदीप बोहरा ने बताया कि डोल यात्रा छोटे-बड़े की नसिया से प्रारंभ हुई और विद्यासागर तपोवन पहुंची जगह-जगह जयकारा नारे लगाए गए हवा में गुलाल फेंकी गई और मुनि श्री के जयकारे से शोभायात्रा गूंज उठी प्रदीप पाटनी सुकांत ब्रह्मचारी मनीष, अनिल गदिया, दिनेश पाटनी, मनीष सेठी, सुनील होकरा, सुनील पालीवाल, कोशिनीक जैन, पुखराज पहाड़िया, मनीष अजमेरा आदि उपस्थित थे।

कलारिपयट्टू का दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर

ब्यावर, (निसं)। ब्यावर तथा अजमेर कलारिपयट्टू एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कलारिपयट्टू का दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर 4-5 मई को पुष्कर के केंट्री साइड रिसॉर्ट में संपन्न हुआ। कलारिपयट्टू विश्व की सबसे प्राचीन युद्ध कला मानी गई है। इस कला को भगवान श्री परशुराम ने अपने शिष्य ऋषि अगस्त को सिखाया था तथा उनके शिष्य रहे बोधी धरमन ने सम्पूर्ण विश्व में इस प्राचीन युद्ध कला का प्रचार किया।

ब्यावर कलारिपयट्टू एसोसिएशन के सचिव अतुल भाटी ने बताया कि इस शिविर में राजस्थान कलारिपयट्टू के संयुक्त सचिव कोच श्री साहिल जो राष्ट्रीय स्तर पर पदक प्राप्त कर चुके हैं, द्वारा प्रशिक्षण दिया गया। इस शिविर में ब्यावर तथा अजमेर के लगभग 50 खिलाड़ियों ने अजमेर कलारिपयट्टू एसोसिएशन के सचिव श्री प्रदीप वर्मा के नेतृत्व में हिस्सा लिया। शिविर में क्रिप्सट्ट् की लाठी, फाइट, हाई किक व काता का प्रशिक्षण प्राप्त किया। शिविर में उत्तम प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागी 11 मई को इन्टर - स्कूल कलारिपयट्टूजयपुर में कोआयोजित होने जा रही प्रतियोगिता में भाग लेंगे।

NAME CHANGE

I, POONAM YADAV, is Spouse of Army No. JC 345156H Rank :NB/SUB, Name: RAM PRAKASH YADAV, Residing At Vill. & Post BELAWON, Teh:KERAKAT Dist-JAUNPUR, State U.P. Pin-222170 have change my Name from PUNAM to POONAM YADAV vide Affidavit No.BU 150495 Dated 06/05/2024 before Court campas Nasirabad.

आम सूचना

मेरी माता तीजी पत्नि रूपा जाति जाट निवासी कटसूरा की मृत्यु दिनांक 10-1-2011 को मेरे निवास स्थान कटसूरा में हो गई थी। जिसका पूर्व में इन्द्राज ग्राम पंचायत कटसूरा में नहीं करवाया था। अब मैं मेरी माता तीजी का मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने के लिए आरांई तहसील कार्यालय में आवेदन किया है। मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने के लिए जिस किसी व्यक्ति को आपत्ति हो तो 7 दिन में मय दस्तावेज के साथ आरांई तहसीलदार के समक्ष स्वयं उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। बाद मियाद कोई भी आपत्ति स्वीकार नहीं होगी।

प्रार्थी- विश्राम पुत्र रूपा जाति जाट निवासी कटसूरा तहसील आरांई (अजमेर)

आम सूचना

मेरे पिताजी सुजा पुत्र लादू जाति भील निवासी आरांई की मृत्यु दिनांक 15-4-2017 को मेरे निवास स्थान आरांई में हो गई थी। जिसका पूर्व में इन्द्राज ग्राम पंचायत आरांई में नहीं करवाया था। अब मैं मेरे पिताजी सुजा का मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने के लिए आरांई तहसील कार्यालय में आवेदन किया है। मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने के लिए जिस किसी व्यक्ति को आपत्ति हो तो 7 दिन में मय दस्तावेज के साथ आरांई तहसीलदार के समक्ष स्वयं उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। बाद मियाद कोई भी आपत्ति स्वीकार नहीं होगी।

प्रार्थी- नन्दा भील पुत्र सुजा जाति भील निवासी आरांई तहसील आरांई (अजमेर)

विश्व अस्थमा दिवस आज

■ छोटी सी लापरवाही बीमारी को भयावह स्वरूप ले सकती है : डॉ. दाधीच

अजमेर, (कासं)। 7 मई को विश्व अस्थमा दिवस मनाया जाता है। अस्थमा एक सामान्य श्वास रोग है, लेकिन छोटी सी लापरवाही बीमारी भयावह स्वरूप ले सकती है। यदि प्रारंभिक स्तर पर ही इसकी जांच और इलाज कराया जाए तो इस पर काबू पाया जा सकता है। यह कहना रहा अस्थमा रोग के विशेष डॉ. प्रमोद दाधीच का।

विश्व अस्थमा दिवस पर रोग अस्थमा रोग के विशेषज्ञ डॉक्टर प्रमोद दाधीच ने एक भेंट वार्ता में रोग की विस्तृत जानकारी व इलाज के बारे में आम जनता को जागृत करने और समय रहते इसका सही इलाज लेने के बारे में बताया। डॉ. दाधीच ने बताया कि बताया कि दुनिया में करीब 260 मिलियन लोग अस्थमा रोग से प्रभावित है, जिसका निदान करना और भविष्य में इस पर रोक लगाना अति आवश्यक है। उन्होंने कहा कि भारत में यह संख्या 38 मिलियन है।

फेफड़ों की क्रॉनिक बीमारी:- डॉ. प्रमोद दाधीच ने बताया कि अस्थमा या दमा फेफड़ों की क्रॉनिक बीमारी है। ऐसी बीमारी जो जड़ से तो नहीं जाती है लेकिन समय पर सही इलाज से नियंत्रित करना संभव है। सांस की नली में सूजन से सांस लेने में परेशानी होती है तथा इस सूजन से मांसपेशियों में सिकुड़ने तथा नाली जाम होने से हवा के बहाव में कमी होने लगती है। उन्होंने बताया कि अस्थमा बीमारी का वास्तविक कारण कोई नहीं जानता है फिर भी माता-पिता के इस बीमारी से ग्रसित होने वाले बच्चों में 40 से 80 प्रतिशत संभावना होती है।

वातावरण में कई प्रकार के एलर्जन का होना:- डॉ. दाधीच ने बताया कि वातावरण में कई प्रकार के एलर्जन मौजूद रहते हैं जिसमें प्रमुख रूप से मिट्टी का उड़ना, जानवरों के एलर्जन, धूम्रपान एवं अनेक कारण इस बीमारी के कारण बनते हैं। कभी-कभी कठोर परिश्रम करते हुए भी अस्थमा का अटैक हो सकता है इसमें अत्यधिक व्यायाम भी कारण हैं। भोजन नली के निचले हिस्से में एसिड भरना और उससे नसों का प्रभावित होना बीमारी के कारण बनते हैं। आमतौर पर जुकाम एवं छींक को लोग बहुत हल्के में लेते हैं लेकिन इससे भी इस बीमारी की शुरुआत हो सकती है।

बिना सलाह के दवाइयों का प्रयोग नहीं करें:- डॉक्टर दाधीच ने बताया कि अक्सर व्यक्ति सामान्य रोगों सर दर्द या बुखार में स्वयं डॉक्टर बनकर दवाइयां बेखौफ होकर लेते हैं जो आगे चलकर इस बीमारी के कारण बन जाते हैं, इसलिए डॉक्टरों की सलाह पर ही किसी दवा का सेवन किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि अधिक मोटापा भी स्वास्थ्य के लिए हानिकारक होता है, इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को अपने स्वास्थ्य के प्रति सजग रहना चाहिए जिससे वह बीमारियों से दूर रह सकता है।

विद्युत विभाग ने बनाए व्हाट्सएप ग्रुप

अजमेर, (कासं)। अजमेर विद्युत वितरण निगम ने समस्याओं के निस्तारण के लिए जिलेभर में व्हाट्सएप ग्रुप बनाने के निर्देश जारी किए हैं।

अधीक्षण अभियंता दिनेश सिंह ने बताया कि सभी सहायक अभियन्ताओं को निर्देश दिए गए हैं कि भीषण गर्मी को देखते हुए विद्युत सप्लाई सुचारू एवं सुरक्षित रखने के लिए एक व्हाट्सएप ग्रुप बनाएंगे। इसमें अपने उपखण्ड के अन्तर्गत आने वाले सहायक अभियन्ता, तहसीलदार, कनिष्ठ अभियन्ता, नायक तहसीलदार, फीडर ईन्चार्ज, सचिव, पटवारी, ठाम सेवक के साथ-साथ सरपंच एवं अन्य जनप्रतिनिधि को शामिल करेंगे। इन व्हाट्सएप ग्रुप का उद्देश्य भीषण गर्मी के दौरान ढीले तारों, हाई रिस्क पॉइंट की सूचना प्राप्त होने, विद्युत सप्लाई सुचारू रखने, ट्रीपिंग की समस्याएं एवं विद्युत लाईनों से होने वाली दुर्घटना सहित अन्य समस्याएं प्राप्त होने पर त्वरित गति से कार्यवाही करते हुए आमजन को सुरक्षित एवं सुचारू विद्युत सप्लाई प्राप्त हो।

श्री सर्वेश्वर मित्र मंडल की मासिक बैठक संपन्न

अजमेर, (कासं)। श्री सर्वेश्वर मित्र मंडल, अजमेर की मासिक बैठक संस्था अध्यक्ष पूर्व पार्षद शैलेंद्र अग्रवाल की अध्यक्षता में श्री गौड़ ब्राह्मण सभा भवन, डी आर एम ऑफिस के पास, अजमेर में आयोजित की गयी जिसमें संस्था के भावी कार्यक्रमों सहित कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गये।

संस्था अध्यक्ष शैलेंद्र अग्रवाल व महासचिव प्रवीण अग्रवाल ने यह जानकारी देते हुए बताया कि बैठक का शुभारंभ ईश वंदना के साथ हुआ, इसके पश्चात महासचिव प्रवीण अग्रवाल द्वारा गत मासिक बैठक का कार्यवाही विवरण प्रस्तुत किया जिसका उपस्थित सभी सदस्यों ने अनुमोदन किया, इस अवसर पर संस्था के जिन सदस्यों का इस माह जन्मदिन आता है उनमें के जे ज्ञानी, अनिल कुमार अग्रवाल, रमेश चंद गोयल, अशोक गोयल, जगदीश एरण, अशोक शर्मा, घनश्याम अग्रवाल, एस के अग्रवाल व जनार्दन शर्मा का माल्यार्पण कर व शुभकामना कार्ड देकर अभिनंदन किया गया तथा उनके दीर्घायु व स्वस्थ जीवन की कामना की गई तथा संस्था के नये सदस्यों सुरेश चंद मंगल, सुशील मित्तल, चंद्र प्रकाश गुप्ता, अनिल कुमार, अनिल कुमार गोयल, गोविंद प्रसाद गर्ग, आनंद प्रकाश गोयल व मंगल चंद मित्तल का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया तथा उनका परिचय कराया गया।

संस्था अध्यक्ष शैलेंद्र अग्रवाल ने संस्था के इतिहास व गतिविधियों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि इस संस्था की स्थापना 5 दिसंबर 1976 को हुई थी संस्था द्वारा नियमित रूप से मासिक बैठक व सांस्कृतिक कार्यक्रम तथा वर्ष में 2 बार आमसभा व अन्य गतिविधियों के साथ गौशाला, कबूतर शाला सहित अन्य जरूरत मंद स्थानों पर विभिन्न सेवा कार्य भी किये जाते हैं, अग्रवाल ने बताया कि संस्था में अधिकतम 100 सदस्य ही बनाये जाते हैं वर्तमान में संस्था में 96 सदस्य है।

कार्यालय आवासीय अभियन्ता राजस्थान आवासन मण्डल: अजमेर

क्रमांक: 230 दिनांक: 06-5-24

जाहिर आम सूचना

राजस्थान आवासन मण्डल आवास संख्या 1-च-10 प्रोलामाटा अजमेर योजना में श्री जेठानन्द खबर पुत्र श्री निहाल सिंह खबर को आवंटित कर दिनांक-09.12.1978 को मकान का भौतिक कब्जा सौंपा गया था। श्री जेठानन्द खबर पुत्र श्री निहाल सिंह खबर द्वारा दिनांक 27.08.1990 को उप पंजीयक कार्यालय द्वारा पंजीयन करा लिया गया है। श्री जेठानन्द खबर की मृत्यु दिनांक 09.07.1999 को हो जाने के कारण उनकी पुत्रवधू श्रीमती सावित्री खबरानी पत्नी स्व. श्री कुमार खबरानी द्वारा वसीयतनामा अन्तिम इच्छा पत्र प्रस्तुत कर मृत्यु पश्चात आवास हस्तान्तरण हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। श्रीमती सावित्री खबरानी पत्नी स्व. श्री कुमार खबरानी के पक्ष में श्री राजेश खबर एवं मंजू परवानी द्वारा घोषणा पत्र प्रस्तुत किया गया है। अब श्रीमती सावित्री खबरानी पत्नी स्व. श्री कुमार खबरानी ने उक्त आवास से संबंधित मृत्यु हस्तान्तरण प्रपत्र प्रस्तुत कर आवास का आवंटन स्वयं के नाम हस्तांतरण करने हेतु प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया है। श्रीमती सावित्री खबरानी पत्नी स्व. श्री कुमार खबरानी का नाम मण्डल रिकार्ड में प्रतिस्थापन की कार्यवाही विचाराधीन है। अतः उक्त कार्यवाही से किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो इस जाहिर आम सूचना की प्रकाशन के 10 दिवस में अपनी उजरदारी / आपत्ति मय सबूत एवं पहचान के दस्तावेज के साथ इस कार्यालय में प्रस्तुत कर सकते है बाद मियाद गुजरने पश्चात कोई आपत्ति स्वीकार नहीं होगी, नाम प्रतिस्थापन की अग्रिम कार्यवाही सम्पादित कर दी जावेगी।

आवासीय अभियंता, राजस्थान आवासन मण्डल, खण्ड अजमेर

आमजन को मिले बेहतरीन व सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं : नमित मेहता

जिला कलक्टर मेहता ने किया महात्मा गांधी जिला चिकित्सालय का आकस्मिक निरीक्षण, दिए निर्देश

भीलवाड़ा, (निसं)। जिला कलक्टर नमित मेहता ने सोमवार को महात्मा गांधी जिला चिकित्सालय का आकस्मिक निरीक्षण कर वहां की व्यवस्थाएं देखीं। इस दौरान सीएमएचओ डॉ सीपी गोस्वामी भी साथ मौजूद रहे।

निरीक्षण के दौरान जिला कलक्टर ने कहा कि आमजन को बेहतरीन व सुलभ स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिले। लोगों को दवाओं एवं जांच आदि के लिए अनावश्यक परेशान न होना पड़े। अस्पताल में आने वाले मरीजों को निःशुल्क जांच, निःशुल्क दवा सहित चिकित्सकीय सलाह नियमित व सुचारू रूप से मुहैया हो। जिला कलक्टर ने इमरजेंसी कक्ष तथा ट्रोमा वार्ड में चिकित्सक नहीं मिलने पर नाराजगी जताई। वार्ड में सफाई व्यवस्था को और दुरुस्त करने को कहा। उन्होंने हेल्पडेस्क पर मरीज व उनके परिजनों को दी जा रही जानकारी के संबंध में जानकारी ली।

उन्होंने हेल्पडेस्क पर दस्तावेजों को सही तरीके से संधारित करने को कहा। इससे पूर्व उन्होंने स्वास्थ्य मार्गदर्शक से मरीजों के उपचार संबंधी जानकारियां भी ली। जिला कलक्टर ने वार्ड के निरीक्षण के दौरान कहा कि महिला वार्ड में पुरुष अटेंडेंट नहीं हो यह सुनिश्चित करें। जिला कलक्टर ने गहन चिकित्सा इकाई, डे केयर डाईलेसिस यूनिट, कुपोषण उपचार केंद्र, अस्थि एवं जोड़ बहिरंग विभाग आदि का भी जायजा लिया। जिला कलक्टर मेहता ने अस्पताल की सफाई व्यवस्था का अवलोकन कर कहा कि अस्पताल परिसर में स्वच्छता का विशेष ख्याल रखा जाए, उन्होंने हॉस्पिटल के टॉयलेट्स में साफ सफाई व्यवस्था का जायजा लिया तथा आने वाले मरीजों व आमजन को भी साफ-सफाई के प्रति जागरूक करते हुए अस्पताल को स्वच्छ रखने के लिए प्रेरित करने की बात कही। उन्होंने अस्पताल अधीक्षक डॉ अरुण गौड़ से कहा कि आमजन को स्वास्थ्य सेवाओं का समुचित व बेहतरीन लाभ दिया जाना सुनिश्चित करें।

जिला कलक्टर ने गहन चिकित्सा इकाई, डे केयर डाईलेसिस यूनिट, कुपोषण उपचार केंद्र, अस्थि एवं जोड़ बहिरंग विभाग आदि का भी जायजा लिया।

जिला कलक्टर ने चिकित्सा अधिकारी को मौसमी बीमारियों के चलते अस्पताल में भीड़ होने पर उनके उपचार के लिए अतिरिक्त काउंटर लगाने तथा उनकी बैठक व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने महिला वार्ड सहित विभिन्न वार्डों, चिकित्सक कक्ष, दवा वितरण व जांच आदि का अवलोकन किया तथा मरीज व उनके परिजनों से संवाद किया तथा उनकी कुशलक्षेम पूछी।

उपस्थित मरीजों ने बताया कि दवा, जांच व चिकित्सकीय परामर्श नियमित व समयबद्ध ढंग से मिल रहा है। अस्पताल अधीक्षक डॉ अरुण गौड़ ने अस्पताल व्यवस्थाओं की जानकारी दी तथा जिला कलक्टर के निर्देशानुसार आमजन को बेहतरीन स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करवाने की बात कही।

चोरों ने पटवारी के मकान में चोरी की

मसूदा, (निसं)। राजस्व विभाग के एक पटवारी के मसूदा रामगढ़ रोड पर स्थित रेबारियों में ढाणी में स्थित मकान को निशाना बनाकर घर में रखे दो लाख रुपये पर हाथ साफ कर लिया। मसूदा तहसील के शेरगढ़ पटवार हल्का के पटवारी शंकर लाल नायक के रेबारियों ढाणी (मसूदा) में स्थित किराए के मकान में की चोरी की वारदात को लेकर मुस्तगीस पटवारी शंकर लाल नायक द्वारा पुलिस को दी।

लॉयंस क्लब ने कुर्सियां भेंट की

परबतसर, (निसं)। लॉयंस क्लब परबतसर के सचिव छोटूनाथ पंवार के सौजन्य से स्थानीय स्काउट संघ कार्यालय के लिए लॉयंस क्लब परबतसर द्वारा संघ सचिव दीनदयाल ओझा तथा स्काउट प्रशिक्षक मुस्तकिन खान को प्लास्टिक कुर्सियां भेंट की गई। इस मौके पर प्रशासक राजेंद्र कुमार सोनी, अध्यक्ष इकबाल मोहम्मद छीपा ने आभार व्यक्त किया। इस दौरान पर चार्टर अध्यक्ष रमेश चंद्र बोहरा, नरेंद्र जयपाल, गोरधन लाल जांगिड़, जहूर खान, निजामुद्दीन काजी, घनश्याम भांगड़िया, जीतमल जांगिड़, अजीज खान परिहार, राजेंद्र वैष्णव, कुंदन मेघवाल, कोषाध्यक्ष दिनेश मालाकार, मुकेश सोनी आदि उपस्थित थे।

AU SMALL FINANCE BANK

Registered Office : 19-A Dhuleshwar Garden, Jaipur, Rajasthan, India, 302001. www.aubank.in

LOAN AGAINST GOLD - AUCTION NOTICE ON "AS IS WHERE IS" BASIS

The below mentioned borrower/s have been issued notices to pay their outstanding amounts towards the loan against gold facilities availed from AU Small Finance Bank Limited ("Bank"). Since the borrower/s has/have failed to repay his/their dues, we are constrained to conduct an auction of pledged gold items/articles on **13 May 2024 between 11:00 AM - 3:00 PM (Time)** at below mentioned branches according to the mode specified therein. In the case of deceased borrowers, all conditions will be applicable to legal heirs. Please note that in the event of failure of the above auction, the bank reserves its right to conduct another auction without prior intimation.

E-Auction Branch Details (E-auction will be conducted by using Weblink https://gold.samil.in)

BANSWARA - 23660001827226 | **CHITTORGARH** - 23660001833164 23660001926950 23660001930482 | **JAIPUR** - 23660001480467 23660001813203 23660001892362 24660000195523 | **JAIPUR-TRIVENI NAGAR** - 23660001273037 | **JHALAWAR** - 23660002129583 | **JODHPUR ITI CIRCLE** - 23660001325261 23660002265405 | **KOTA - GHODE WALE BABA CROSS ROAD** - 23660001339964 23660001703340 23660001988402 23660002244655 | **LAXMANGARH** - 23660001343406 23660002107234 | **NOKHA** - 23660002229024 | **SAGWARA** - 23660001703348 23660002317547 23660002350625 | **UDAIPUR - MADHUBAN BANK STREET** - 23660001227785 23660001677767 |

Note: The auction is subject to certain terms and conditions mentioned in the bid form, which is made available before the commencement of auction.

Sd/- Manager AU Small Finance Bank Limited

सड़क हादसे में सेना के जवान सहित पांच जनों की मौत

सिंघाना के पास बाइक को टक्कर मारकर बस में घुस गई थी स्कार्पियो गाड़ी

हादसे में स्कार्पियो गाड़ी चकनाचूर हो गई।

सिंघाना थाना क्षेत्र के थली के पास हुये सड़क हादसे में मृतक।

खेतड़ी, (निसं)। सिंघाना थाना क्षेत्र के थली के पास सोमवार सुबह एक दर्दनाक हादसे में सेना के जवान सहित पांच जनों की मौत हो गई। हादसे में बस में सवार 22 लोग घायल हो गए, जहां आठ जनों की हालत गंभीर होने पर झुंझुनूं रैफर किया गया है। इस दौरान चीख पुखार मचने पर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे तथा बस में सवार घायलों को निजी वाहनों से सिंघाना के राजकीय अस्पताल में पहुंचाया। इसके बाद सूचना पर सिंघाना पुलिस मौके पर पहुंची तथा जेसीबी व क्रेन की सहायता से घायलों को निकाला व आसपास की एंबुलेस बुलाकर उपचार के लिए अस्पताल भिजवाया गया।

मृतक करणवीर भारतीय सेना की सिग्नल कौर मे लांस हवलदार के पद पर मे तैनात था। वह रविवार रात को ही एक माह की छुट्टी लेकर घर आया था। एक महिने पहले ही दस दिन की छुट्टी आने पर स्कार्पियों गाड़ी निकलवाई थी। सुबह अपने भाई के बेटे का स्कूल में एडमिशन करवाने के बाद उन्हें घर छोड़कर सिंघाना के लिए अपने दोस्त रिंकु व भांजे साहिल के साथ गाड़ी में सवार होकर जा रहा था। गांव से कुछ दूर पहुंचने की बाद ही हादसे का शिकार हो गए। क्षेत्र में बड़ा हादसा होने पर सीएमएचओ डॉ. राजकुमार डांगी ने घायलों के उपचार के लिए बुहाना, उपजिला अस्पताल खेतड़ी से अतिरिक्त स्टाफ मौके पर भेजा। सूचना पर जिला कलेक्टर चिन्मयी गोपाल, बुहाना एसडीएम हेमंत कुमार, डीएसपी नोपाराम भाकर, नायब तहसीलदार बजरंग जाखड़, बुहाना बीसीएमओ डॉ. जयवीर भगासरा, खेतड़ी बीसीएमओ डॉ. हरीश यादव, आरआरटी प्रभारी डॉ. महेंद्र सैनी, एएसआई सूबेसिंह यादव, एएसआई धूड़सिंह, गाडाखेड़ा चौकी प्रभारी इंद्राज सिंह भी मौके पर पहुंचे तथा घटना की जानकारी ली।

इस दौरान हादसे में हमीरवास निवासी करणवीर (29) पुत्र शीशराम गुर्जर, रोहित उर्फ रिंकू (22) पुत्र बलवीर गुर्जर, नारेडी निजामपुर निवासी साहिल उर्फ राहुल (20) पुत्र शीशराम, बाइक सवार चोबारा की ढाणी तन सेफरागुवार निवासी सुरेश कुमार (39) पुत्र प्रभूदयाल यादव, बस चालक हनुमान प्रसाद उर्फ भानी (36) पुत्र नत्थूराम यादव की मौत हो गई। हादसे में रोशनी पत्नी लीलाराम निवासी माकड़ो, हिमांशु निवासी माकड़ो, राजबाला पत्नी सुबे सिंह निवासी सागाा, कैलाश पुत्र प्रहलाद निवासी थली, पवन निवासी थली, ढाणी हुक्मा निवासी मनीषा, सोनू कुमारी, सोनू जांगिड़, अनिता, सुमन, सिंघाना निवासी भोमसिंह, संतलाल, चिरानी निवासी बलवंत, सुल्ताना अहिरान निवासी राजकी, कार्तिक, मेहाड़ा निवासी मोहित, बनवास निवासी सीमा घायल हो गए। इनमें सागा निवासी राजबाला, माकड़ो निवासी हिंमाशु, पताशी देवी, अमरपुरा निवासी रूकेश, राजपाल, शकुंतला, अनिता, सुखराम की हालत गंभीर होने पर रैफर कर दिया।

- **बस में सवार 22 जने घायल, आठ लोग गंभीर हालत में जिला अस्पताल में रैफर**
- **हादसे का शिकार सेना का जवान रविवार रात को ही एक महीने की छुट्टी लेकर आया था**

बाइक सवार सेफरागुवार से जा रहा था सूरजगढ़ :-हादसे का शिकार हुआ बाइक सवार अपने गांव सेफरागुवार से सूरजगढ़ जा रहा था। मृतक के भाई मुकेश यादव ने बताया कि उसका भाई सुरेश यादव सुबह बाइक पर सवार होकर सूरजगढ़ गया था। इस दौरान जब वह थली के पास पंहुचा तो सामने से आ रही स्कार्पियों गाड़ी ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी, जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस द्वारा सूचना करने पर वह मौके पर पहुंचे। मृतक सुरेश के एक बेटा पीयुष (13) तथा छोटा बेटा लक्की (10) का है। सुरेश यादव टीचर बनने की तैयारी कर रहा था।

हादसे का शिकार हुआ सेना का जवान रविवार रात को ही एक महीने की छुट्टी लेकर घर आया था। जवान करणवीर वर्ष 2015 में भारतीय सेना में भर्ती हुआ था। इनके पिता शीशराम भी सेना से सेवानिवृत है। करणवीर दो भाईयों में छोटा था बड़ा भाई विकास घर पर ही रहता है। करणवीर का विवाह 2016 में कोटपूतली के बिंजाहेडा निवासी मीरा के साथ हुआ था। इनके एक चार साल की बेटी पबीना है।

जन शिक्षण संस्थान की निदेशक बीस हजार की रिश्वत लेते गिरफ्तार

कर्मचारी से बढ़ी हुई सैलेरी देने की एवज में 40 हजार की घूस मांगी थी

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो अजमेर ने रिश्वत के आरोप में जन शिक्षण संस्थान की निदेशक श्वेता आनंद को गिरफ्तार किया।

अजमेर, (कासं)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो अजमेर ने सोमवार को कार्रवाई करते हुए जन शिक्षण संस्थान की निदेशक को 20 हजार की रिश्वत लेत हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। निदेशक के द्वारा संस्थान के कर्मचारी को उसकी बढ़ी हुई सैलेरी को देने की बदले में साल के 40 हजार रुपए रिश्वत डिमांड कर परेशान किया जा रहा था। कर्मचारी के द्वारा भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो अजमेर को इसकी शिकायत दी गई जिसके बाद इस कार्रवाई को अंजाम दिया। एसीपी के द्वारा संस्थान की निदेशक के आवास और कार्यालय पर भी सर्च किया जा रहा है।

जन शिक्षण संस्थान के पीड़ित कर्मचारी राजीव कॉलोनी अजमेर निवासी शैलेंद्र कुमार ने बताया कि 1993 से वह जन शिक्षण संस्थान में कार्यरत हैं। 2021 में उसे प्रोग्राम ऑफिसर के पद का एडिशनल चार्ज दिया गया था। एडिशनल चार्ज मिलने के बाद उसकी सैलरी 14,000 से 26,000 की गई थी। वेतन बढ़ोतरी के बाद संस्थान की निदेशक श्वेता आनंद के द्वारा सैलेरी बढ़ाकर देने की एवज में 4 हजार रुपए हर महीने देने साल के करीब साल के 40 हजार रुपए की रिश्वत मांग कर परेशान किया जा रहा था। उस समय उसने निदेशक को रिश्वत देने से मना कर दिया था। लेकिन उसे लगातार परेशान किया गया और उसकी बढ़ी हुई सैलरी भी नहीं दी गई। पीड़ित ने बताया कि इसके बाद उसने कुछ दिनों पहले परेशान होकर एसीबी से इसकी शिकायत की थी।

एसीबी अजमेर की मीणा बेनीवाल ने बताया कि शैलेंद्र कुमार की शिकायत पर सत्यापन किया गया। इसके बाद सोमवार को एसीबी टीम ने जन शिक्षण संस्थान के निर्देशक श्वेता आनंद को 20 हजार की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफतार किया है, यह पूरी कार्रवाई एडिशनल एसपी भागचंद मीणा के नेतृत्व में की गई है। एसीबी के द्वारा इस मामले में अन्य कर्मचारियों की भूमिका को ध्यान में रखते हुए भी निर्देशक से पूछताछ की जा रही है।

झांसा देकर 6.40 लाख की ठगी

परबतसर, (निसं)। यूएसडीटी ऑनलाइन व्यापार का झांसा देकर एक युवक से छह लाख चालीस हजार की धोखाधड़ी का मामला पुलिस थाना मे दर्ज हुआ है।

पुलिस के अनुसार हरिराम पुत्र डोलाराम जाट ने रिपोर्ट दर्ज करवाई की राहुल पादड़ा पुत्र बालुराम जाट निवासी पादड़ों की ढाणी मोरेड ने प्रार्थी को यूएसडीटी ऑनलाइन व्यापार करने का झांसा दिया। ऑनलाईन रुपए लगाकर एक दिन में 10-20 हजार रुपए कमाने की बात कही। इसके बाद राहुल ने प्रार्थी को परबतसर बुलाया। बाद में राहुल पादड़ा वहां आया प्रार्थी से 6.40 लाख रुपए लेकर आईडी लॉगिन करने की बता कही। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मंगेतर ने शादी का झांसा देकर दुष्कर्म किया

अजमेर, (कासं)। अलवर गेट थाने क्षेत्र में रहने वाली एक युवती ने अपने मंगेतर पर शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने और गला दबाकर जान से मारने की कोशिश करने का आरोप लगाते हुए पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई है।

थाना प्रभारी व जांच अधिकारी श्याम सिंह ने बताया कि थाना क्षेत्र में रहने वाली पीड़ित युवती ने थाने में अपने मंगेतर के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। दर्ज रिपोर्ट में युवती ने 2023 में उसकी शादी एक युवक से तय हुई थी। आरोपी के परिवार वालों ने बेटे के द्वारा कोई नशा नहीं करने की बात कही थी, इसके बाद से हम दोनों का मिलना-जुलना होने लगा। पीड़िता ने आरोप लगाया कि एक दिन आरोपी उसके घर आया और फिजिकल रिलेशन बनाने के लिए जोर जबरदस्ती करने लग गया, तो उसने मना किया था। युवती ने बताया कि आरोपी ने उसे शादी करने का झांसा देकर दुष्कर्म किया। बाद में आरोपी से बांसवाड़ा में रोका हो गया था। दोनों परिवारों के बीच बातचीत के बाद शादी भी तय हो गई थी। इसके बाद से ही मंगेतर उसके साथ झांसा देकर दुष्कर्म करता रहा। पीड़िता ने पुलिस को शिकायत देकर आरोप लगाया कि अप्रेल 2024 में मंगेतर नशे की हालत में घर आया और उसे शादी करने से मना कर दिया और गला दबाकर जान से मारने की कोशिश भी की गई। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

ट्रक से टकराई कार, दो की मौत, तीन युवक घायल

टोंक के सदर थाना क्षेत्र में हुये सड़क हादसे में मृतकों के फाइल फोटो।

टोंक, (निसं)। सदर थाना क्षेत्र में रविवार देर रात को जयपुर से आ रही कार डिवाइडर क्रॉस करके रोंग साइड में सामने से आ रहे ट्रक से टकरा गई। इसके बाद कार और ट्रक भी सड़क के नीचे पलट गए।

इस हादसे में कार सवार कोटा जिले के दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन युवक गंभीर रुप से घायल हो गए। घटना की सूचना मिलने के बाद सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और सभी को सआदत अस्पताल लाया गया, जहां घायलों को भर्ती किया गया। वहीं मृतकों के शवों को मोर्चरी में रखा गया। देर रात को घायलों को कोटा रेफर कर दिया, जबकि मृतकों का सोमवार सुबह पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों के सुपुर्द कर दिया।

- **जयपुर से कोटा की ओर जा रही थी कार, मृतक और घायल कोटा जिले के बताये हैं**
- **घायल भी ठीक से बोल नहीं पा रहे थे, उनके पास मिले आधार कार्ड समेत अन्य कागजात से उनकी पहचान की गई**
- **हादसे के बाद बलेनो कार क्षतिग्रस्त हो गई**

सदर थाना प्रभारी बृज मोहन कविया ने बताया कि रात करीब 9.30 बजे एक बोलेनो कार जयपुर से कोटा की ओर जा रही थी। इस दौरान सदर थाना क्षेत्र में जयपुर कोटा नेशनल हाइवे 52 पर धर्म कांटे के पास बोलेनो कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर कूद कर दूसरी साइड में आ गई और सामने से जयपुर की ओर से आ रहे ट्रक से टकरा गई। उसके बाद चीख पुकार मच गई। इस हादसे में कार सवार दो युवकों की मौत हो गई, जबकि तीन कार सवार घायल हो गए। मृतक और घायल कोटा जिले के हैं। थाना प्रभारी ने स्टॉफ के साथ कार में बुरी तरह फंसे घायलों और मृतकों को बाहर निकाला, फिर सभी को सआदत अस्पताल भेजा। जहां दो युवकों को औपचरिक रूप से मृत घोषित कर दिया, जबकि तीन घायलों को अस्पताल में भर्ती कर इलाज शुरु किया गया।

पुलिस के अनुसार घायल भी ठीक से बोल नहीं पा रहे थे। ऐसे में उनके पास मिले आधार कार्ड समेत अन्य कागजात से उनकी पहचान की गई। बाद में पुलिस ने उनके परिजनों से संपर्क कर उन्हे घटनाक्रम की जानकारी देकर बुलाया, परिजन रविवार मध्य रात बाद टोंक आ गए। तीन घायलों को कोटा रेफर कर दिया। मृतकों में कोटा (ग्रामीण) जिले के प्रदुमन (20) पुत्र ब्रजबिहारी मीणा निवासी सीमलिया कल्याणपुरा तथा आयुष (20) पुत्र ग्यारसीलाल मीणा निवासी दीगोद थाना क्षेत्र मूंडला निवासी की मौके पर ही मौत हो गई तथा घायलों में राजकुमार पुत्र काशीलाल मेघवाल, रूद्रेश पुत्र धनराज मीणा, सुरेंद्र उर्फ कालू पुत्र अमर लाल मीणा जो घायल हो गये।

डंपर चालक का पुलिस पर हमला, चेतक को मारी टक्कर

जोधपुर, (कासं)। निकटवर्मी डांगियावास के कोकुण्डा गांव की सरहद में शनिवार-रविवार की मध्य रात पुलिस की चेतक जीप को डंपर चालक ने जान से मारने की मारने की नीयत से गाड़ी को टक्कर मार दी। इसमें दो पुलिसकर्मी चोटिल हो गए। अज्ञात डंपर चालक के खिलाफ हत्या प्रयास एवं राजकार्य में बाधा का केस दर्ज किया गया है। पुलिस डंपर के नंबर के आधार पर चालक का पता लगाने का प्रयास कर रही है।

डांगियावास पुलिस थाने के हैड कांस्टेबल लक्ष्मणराम ने मामला दर्ज करवाया है। इसमें उसने बताया कि शनिवार की रात को उसकी ड्यूटी थाना क्षेत्र में लगी हुई थी। साथ में कांस्टेबल हिम्मतसिंह था। हम लोग चेतक वाहन में गश्त कर रहे थे। तब डयूटी ऑफिसर जस्साराम की सूचना आई कि पालासनी गांव में एक डंपर का पीछा किया गया है जोकि रेत में धंस गया है। जिसे पकड़ा गया है। इस पर वे डंपर को जब्ती की कार्रवाई के लिए जालेली नायला से रवना हुए। मगर देर रात सवा एक बजे चेतक लेकर कोकुण्डा गांव की सरहद में पहुंचे तब सामने से एक डंपर आता दिखाई दिया। जिस पर उसे रूकने का इशारा किया गया तो उसके चालक ने डंपर को भगाते हुए पुलिस की चेतक को जोरदार टक्कर मार कर क्षितठास्त कर दिया और जान से मारने की नीयत से टक्कर मारी।

- **पुलिस ने हत्या का प्रयास और राजकार्य में बाधा का केस दर्ज किया**

पुलिस ने बताया कि हैडकांस्टेबल लक्ष्मणराम ने डंपर के नंबर नोट किए है जिस आधार पर अब चालक का पता लगाया जा रहा है। फिलहाल उसका पता नहीं चला है। इस बारे में हत्या प्रयास एवं राजकार्य में बाधा डालने का केस दर्ज किया गया है।

चार युवकों ने नाबालिग से बलात्कार किया

घटना एक सप्ताह पुरानी बताई जा रही है, मुख्य आरोपी मजदूरी का काम करता है

कोलायत, (निसं)। एक नाबालिग लड़की के साथ सामूहिक बलात्कार का मामला थाने में दर्ज किया गया। घटना एक सप्ताह पुरानी है। मुख्य आरोपी मजदूरी का काम करता है। वह पीड़िता को बाजार से मोटरसाइकिल पर सामान रखकर लाने के बहाने से ले गया। रास्ते में दोस्तों को बुलाकर बलात्कार किया। पुलिस के अनुसार घटना 26 अप्रेल की दोपहर 12 से 3 बजे के बीच की है। पीड़ित नाबालिग और परिजनों ने कोलायत थाने पहुंचकर इसकी जानकारी दी तो तुरंत मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश के लिए पुलिस टीमें रवाना कर दी।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ग्रामीण डॉ. प्यारेलाल शिवरान ने बताया कि चार महीने से पीड़िता के घर पर निर्माण कार्य चल रहा है। गत 26 अप्रेल को घर पर कोई पुरुष सदस्य नहीं था। निर्माण कार्य में मजदूरी करने वाले अनिल कुमार ने नाबालिग से कहा कि बाजार से पत्थर लेकर आने हैं, इसके लिए मोटरसाइकिल पर उसके साथ चलना पड़ेगा। पीड़िता की बड़ी बहन ने साथ भेजने से मना किया तो आरोपी अनिल ने कहा कि वह बाइक चलाएगा।

नाबालिग को पत्थर पकड़वाकर पीछे बैठना है। इस तरह झांसे में लेकर नाबालिग को साथ बाइक पर ले गया। परिजनों ने बताया कि 26 अप्रेल को दोपहर तीन बजे वापस लौटी। इसके बाद गुमशुम रहने लगी और खाना भी नहीं खाया। मां ने साहस बंधाकर पूछा तो वह फूट पड़ी और रोते हुए पूरी घटना बताई। पुलिस ने अनिल व चार अन्य के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

पीड़िता ने पुलिस को बताया कि आरोपी अनिल उसे बाजार ले जाने की जगह सुनसान मार्ग पर ले गया। वहां जाकर अपने तीन दोस्तों को फोन कर बुला लिया। इसके बाद चारों ने बारी-बारी से नाबालिग के साथ बलात्कार किया। इसके बाद नाबालिग को आरोपियों ने किसी को घटना के बारे में नहीं बताने की धमकी दी। नाबालिग को डराया कि किसी को बताया तो परिवार की बदनामी होगी।

अनियंत्रित होकर पिकअप पलटी, बालिका की मौत, 11 जने घायल

परबतसर, (निसं)। अनियंत्रित होकर पिकअप के पलटी खाने से एक बालिका की मौत हो गई, जबकि 11 लोग घायल हो गए। पुलिस थाना परबतसर के ग्राम बिदियाद के समीप एक पिकअप वाहन अनियन्त्रित होकर अल सुबह पलट गई। इस दौरान पिकअप में सवार 11 जने घायल हो गए। जिन्हें परबतसर चिकित्सालय लाया गया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद तीन को अजमेर रेफर कर दिया गया। जहां उपचार के दौरान एक बालिका की मौत हो गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम बिदियाद के समीप एक बेकाबू पिकअप पलट गई। हादसों में रतना पुत्री प्रभूराम, योगिता पुत्री मंगाराम, राजू पुत्र प्रभुराम, पपूड़ी पत्नी श्रवन राम, सुनीता पत्नी मंगाराम, नानूराम पुत्र सुखाराम, अनुष्का पुत्री मूलचंद, सुलतान पुत्र श्रवनराम, पपुडी पत्नी सुलतानराम, चीकू पुत्री कैलाश, विकास पुत्र सोहनलाल सभी निवासीगण हबचर (डेगाना) घायल हो गए। इनमें से गंभीर घायल हुए योगिता, अनुष्का और रतना को प्राथमिक उपचार के बाद अजमेर के लिए रेफर कर दिया गया, जहां पर इलाज के दौरान 13 वर्षीय बालिका रतना की मौत हो गई। जानकारी मिली है कि दुर्घटनाग्रस्त पिकअप में सवार सभी लोग हबचर, डेगाना से किनसरिया आ रहे थे।

- **प्राथमिक उपचार के बाद तीन घायलों को अजमेर रेफर किया गया**
- **पिकअप में सवार सभी लोग हबचर, डेगाना से किनसरिया आ रहे थे**

नीट परीक्षा में डमी कैंडिडेट बैठाने के मामले में चार आरोपी गिरफ्तार

मुख्य अभ्यर्थी सूरज गुर्जर के स्थान पर परीक्षा देते हुये पाये जाने पर कार्रवाई की

भरतपुर में पुलिस ने नीट परीक्षा में डमी कैंडिडेट के मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया।

भरतपुर, (निसं)। भरतपुर में मथुरा गेट थाना पुलिस ने नीट परीक्षा में डमी कैंडिडेट के पहुंचने के मामले में पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। वहीं फिलहाल दो को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। इस मामले को लेकर एसपी मृदुल कच्छावा ने प्रेस वार्ता कर बताया कि पांच मई को नीट परीक्षा के दौरान मुख्य अभ्यर्थी सूरज गुर्जर के स्थान पर परीक्षा देते हुये पाये जाने पर आरोपी अभिषेक गुप्ता निवासी सपोटरा एवं इसके सहयोगी सूरज गुर्जर निवासी भण्डाना, राहुल गुर्जर पुत्र अमरसिंह निवासी भण्डाना व डॉ. रविकान्त पुत्र रामखिलाड़ी निवासी छारेड़ा को गिरफ्तार किया गया है।

उन्होंने बताया कि रविवार को मास्टर आदित्येन्द्र राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के दिनेश सिंह प्राचार्य ने इस आशय की शिकायत पेश की कि एनटीए द्वारा आयोजित नीट परीक्षा मे परीक्षा के दौरान एनटीए से परीक्षार्थी सूरज कुमार गुर्जर के सम्बन्ध बायोमेट्रिक उपस्थिति दर्ज करने वाली एजेंसी की कर्मचारी काजल का दूरभाष पर संदेश आया कि इस छात्र के स्थान पर कोई डमी कैंडिडेट परीक्षा में उपस्थित हुआ है। जिसके बाद परीक्षार्थी को जांच के लिए नियंत्रक कक्ष में लाया गया तथा एजेंसी के द्वारा वीडियो काल पर आधार बायोमैट्रिक सत्यापन कराने की प्रक्रिया पूर्ण करायी गयी, जिसमें अभ्यर्थी का बायोमैट्रिक मिसमैच मिला। जिससे नाम पता पूछा तो डमी कैंडिडेट ने अपना नाम अभिषेक गुप्ता निवासी सपोटरा मोड़ सपोटरा थाना सपोटरा जिला करौली बताया। जिसने सूरज गुर्जर निवासी भंडाना के स्थान पर परीक्षा देना बताया।

इस सम्बन्ध में थाना मथुरागेट पर मामला दर्ज कर अनुसंधान किया गया। अनुसंधान के दौरान फर्जी परीक्षार्थी अभिषेक को गिरफ्तार किया गया। जिससे गहनतापूर्वक पूछताछ की जा रही है। वहीं पूछताछ में पता चला कि अभिषेक गुप्ता वर्तमान में जवाहर लाल नेहरू मेडिकल कॉलेज अजमेर में तृतीय वर्ष एमबीबीएस का छात्र है। यह अपने बैचमेट डॉ. रविकान्त के कहने पर पैसे लेकर सूरज गुर्जर निवासी भण्डाना जिला दौसा के स्थान पर नीट परीक्षा में मास्टर आदित्येन्द्र स्कूल में डमी कैण्डिडेट बनकर बैठा। इसी प्रकार मुख्य परीक्षार्थी सूरज अपने भाई राहुल के कहने पर नीट में फार्म भरा एवं उस परीक्षा में अपने स्थान पर डॉक्टर अभिषेक को डमी कैण्डिडेट बनाकर बिठाया। परीक्षा के वक्त सूरज अपने साथियों के साथ परीक्षा केन्द्र के बाहर गाड़ी में बैठा था। इसी प्रकार राहुल गुर्जर ने अपने भाई सूरज को नीट परीक्षा मे पास करवाने के एवज में डाक्टर रविकान्त से कुल 10 लाख रूपये देने की बात की एवं एडवांस में 1 लाख रूपये टुकड़ों में पहले ही दे दिये।

इसी प्रकार डॉ. अमित जाट पुत्र रामनिवास निवासी जिन्त्रावालों की ढाणी आरयूएचएस कॉलेज जयपुर में एमबीबीएस तृतीय वर्ष का छात्र है तथा डॉक्टर रविकान्त का मित्र है एवं परीक्षा के दौरान पुलिस ने परीक्षा केन्द्र के बाहर से डिटेन किया है। पूछताछ एवं अनुसंधान जारी है।

डॉ. सुधीर भंडारी को आर.यू.एच.एस. कुलपति के पद से हटाने की तैयारी?

सूत्रों के अनुसार सोटो चेयरमैन डॉ. सुधीर भंडारी, एस.एम.एस. मेडिकल कॉलेज के प्रिंसीपल डॉ. राजीव बगरहट्टा व अस्पताल अधीक्षक डॉ. अचल शर्मा ने इस्तीफा दिया

- **हालांकि इस संबंध में चिकित्सा विभाग की ओर से अधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।**
- **अब राज्य सरकार राज्यपाल कलराज मिश्र को डॉ.भंडारी के संबंध में रिपोर्ट भेज सकती है। गौरतलब है कि वाइस चांसलर को पद से हटाने का अधिकार राज्यपाल के पास है।**

जयपुर। सवाई मानसिंह अस्पताल में ऑर्गन ट्रांसप्लांट के लिए फर्जी एनओसी जारी किए जाने के मामले में चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर के सख्त रुख के बाद सोमवार को एसएमएस मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. राजीव बगरहट्टा व अस्पताल अधीक्षक डॉ. अचल शर्मा और स्टेट ऑर्गन एंड टिश्यू ट्रांसप्लांट ऑर्गेनाइजेशन (सोटो) के चेयरमैन डॉ. सुधीर भंडारी ने इस्तीफा दे दिया है। वहीं राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. सुधीर भंडारी को पद से हटाने की तैयारी की जा रही है। तीन डॉक्टरों के इस्तीफे मंजूर हो गए। हालांकि इस संबंध में चिकित्सा विभाग की ओर से अधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

गौरतलब है कि वर्ष 2021 के बाद ऑर्गन ट्रांसप्लांट अप्रूवल कमेटी की बैठक नहीं किए जाने को चिकित्सा मंत्री ने गंभीरता से लिया था और पहले ही सख्ती के संकेत दिए थे। इसके बाद उन्होंने तीनों चिकित्सकों से इस्तीफा मांगा था जिसमें से दो ने इस्तीफा दे दिया है।

वहीं इस मामले में एमएमएस अस्पताल अधीक्षक डॉ. अचल शर्मा ने कहा कि उन्होंने एक मामले में व्यक्तिगत कारणों से दो माह पहले ही इस्तीफा दे दिया था। अभी कोई इस्तीफा नहीं दिया है लेकिन सरकार जिस बात के लिए कह रही है उसके लिए हमें भी मंजूर होना चाहिए। शर्मा ने कहा कि जैसा सरकार चाहेगी वैसा ही होगा। फिलहाल उनके पास इस्तीफा मंजूर करने के संबंध में कोई आदेश नहीं आया है।

सूत्रों की मानें तो आरयूएचएस के वीसी की ओर से इस्तीफा नहीं देने पर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा सकती है। स्टेट ऑर्गन एंड टिश्यू ट्रांसप्लांट ऑर्गेनाइजेशन (सोटो) के चेयरमैन पद से डॉ. भंडारी ने इस्तीफा दे दिया है। जिसे सरकार ने मंजूर कर लिया है। अब राज्य सरकार राज्यपाल कलराज मिश्र को इस संबंध में रिपोर्ट भेज सकती है, ताकि इसके आधार पर उन्हें आरयूएचएस के वाइस चांसलर के पद से हटाया जा सके। भंडारी की नियुक्ति तत्कालीन मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के शासनकाल में हुई थी। इससे पहले भंडारी एसएमएस मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल भी रह चुके हैं।

वहीं बताया जा रहा है कि एमएमएस मेडिकल कॉलेज प्राचार्य डॉ. राजीव बगरहट्टा ने भी सोमवार को इस्तीफा दे दिया है। इस्तीफे के बाद डॉ. बगरहट्टा ने प्राचार्य पद की सुविधाएं लेना बंद कर दिया है। वे आज सरकारी वाहन की बजाय निजी वाहन से अस्पताल आए। वहीं पूर्व निर्धारित प्रस्तावित बैठकों में भी शामिल नहीं हुए। हालांकि इस संबंध में चिकित्सा विभाग की ओर से देर रात तक कोई अधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

बता दें कि राज्य में फर्जी एनओसी से ऑर्गन ट्रांसप्लांट का यह मामला प्रदेशभर में छाया हुआ है। अप्रैल में एसीबी ने रिश्वत लेकर ऑर्गन ट्रांसप्लांट की एनओसी देने के मामले में एसएमएस हॉस्पिटल के सहायक प्रशासनिक अधिकारी के अलावा प्राइवेट हॉस्पिटल फोर्टिस और ईएचसीसी के एक-एक अधिकारी को पकड़ा था। इसके बाद एसएमएस अस्पताल प्रशासन ने सहायक प्रशासनिक अधिकारी गौरव सिंह को सस्पेंड कर दिया था। वहीं मेडिकल हेल्थ डिपार्टमेंट ने इस मामले में ईएचसीसी, फोर्टिस एस्कोर्ट और मणिपाल हॉस्पिटल के ऑर्गन ट्रांसप्लांट करने के लाइसेंस को रद्द कर दिया। इस मामले में पुलिस प्राथमिकी दर्ज हो चुकी है और पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

जी.आई.टी.बी. से प्रदेश में पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा : दिया कुमारी

उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने सोमवार को नोवोटेल कन्वेंशन सेंटर में ग्रेट इंडियन ट्रैवल बाजार में एग्जीबिशन का अवलोकन किया।

जयपुर। उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने आज नोवोटेल कन्वेंशन सेंटर में ग्रेट इंडियन ट्रैवल बाजार के 13वें संस्करण का दौरा किया। इस दौरान, उन्होंने एग्जीबिशन का अवलोकन किया और इनबाउंड टूर ऑपरेटर्स और पर्यटन व्यवसायियों के बीच चल रही बी2बी मीटिंग्स का अपडेट प्राप्त किया। उन्होंने इस मेगा इनबाउंड टूरिज्म मार्ट में निरंतर वृद्धि की सराहना करते हुए नए वित्तीय वर्ष के पहले प्रमुख पर्यटन कार्यक्रम के रूप में इसके महत्व पर प्रकाश डाला, जो पर्यटन क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए तैयार है। इसके अतिरिक्त, उन्होंने पर्यटकों की बढ़ती संख्या के अनुरूप बुनियादी ढांचे के विकास की आवश्यकता को रेखांकित किया और पर्यटन को मजबूत करने के लिए सरकार की भागीदारी और पर्यटन व्यवसायियों से सहयोग का आग्रह किया।

इस अवसर पर प्रमुख शासन सचिव, पर्यटन विभाग, गायत्री राठौड़, निदेशक, पर्यटन विभाग, रश्मि शर्मा, फिक्की टूरिज्म एंड कल्चरल कमेटी, चेयरमैन, दीपक देवा, फिक्की की पूर्व प्रेसिडेंट और ललित सूरी हॉस्पिटेलिटी ग्रुप की सीएमडी, डॉ. ज्योत्सना सूरी और एफएचटीआर व एचआरएआर, अध्यक्ष, कुलदीप सिंह चंदेला उपस्थित रहे। गौरतलब है कि इस अंतर्राष्ट्रीय मार्ट का आयोजन पर्यटन विभाग, राजस्थान सरकार, पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार और फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (फिक्की) द्वारा संयुक्त रूप से किया जा रहा है। इस आयोजन को होटल एंड रेस्टोरेंट एसोसिएशन ऑफ राजस्थान (एचआरएआर), इंडियन हेरिटेज होटल्स एसोसिएशन (आईएचएचए) और राजस्थान एसोसिएशन ऑफ टूर ऑपरेटर्स (राटो) का भी सहयोग प्राप्त है। मार्ट के दो दिनों में लगभग 10,000 पूर्व-निर्धारित, संरचित बी2बी बैठकें होंगी।

दिया कुमारी अब हिमाचल प्रदेश में करेंगी प्रचार

जयपुर। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी मंगलवार को हिमाचल प्रदेश के सिरमौर में भारतीय जनता पार्टी के लिए प्रचार करेंगी। दिया कुमारी का मंगलवार को जयपुर से शिमला लोकसभा क्षेत्र के नाहन पहुँच कर भाजपा उम्मीदवार सुरेश कुमार कश्यप के पक्ष में जनता से भारी मतदान की अपील करेंगी। इससे पहले उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने रविवार को पूर्वी दिल्ली लोकसभा क्षेत्र में भाजपा प्रत्याशी हर्ष मल्होत्रा के पक्ष में एक नारी सशक्तिकरण सम्मेलन को संबोधित किया।

उन्होंने भारी संख्या में मौजूद महिलाओं से आवाह्न करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए नारी शक्ति वंदन अधिनियम के माध्यम से 33 प्रतिशत आरक्षण सुनिश्चित किया है।

5100 दीपकों से ताड़केश्वरजी मंदिर में हुई महाआरती

सर्व ब्राह्मण महासभा महिला प्रकोष्ठ की ओर से मनाये जा रहे भगवान परशुराम जन्मोत्सव के अन्तर्गत सोमवार को चौड़ा रास्ता स्थित भगवान ताड़केश्वर मंदिर में 5100 दीपकों से महाआरती की गई।

जयपुर। सर्व ब्राह्मण महासभा महिला प्रकोश्ठ द्वारा मनाये जा रहे भगवान परशुराम जन्मोत्सव के अन्तर्गत आज चौड़ा रास्ता स्थित भगवान ताड़केश्वर मंदिर में 5100 दीपकों से महाआरती का आयोजन किया गया।

सर्व ब्राह्मण महासभा महिला प्रकोष्ठ की राष्ट्रीय महामंत्री सविता शर्मा ने बताया कि महासभा के पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में विप्र जनों ने महाआरती में भाग लेकर कार्यक्रम की शोभा को और अधिक बढा दिया। वहां उपस्थित सभी पदाधिकारी एवं विप्रजन ने भगवान परशुराम एवं ताड़केश्वर नाथ के जयकारे लगाकर महाआरती के महोत्सव को और अधिक मंगलमय बना दिया। मंदिर में शंख, घंटी, घड़ियाल बज रहे थे एवं पंडित सस्वर पाठ कर रहे थे।

इस अवसर पर नीलम मिश्रा ने कहा कि भगवान शिव और भगवान परशुराम का शास्त्रों में अलग-अलग चित्रण मिलता है जो कि प्रेरणास्पद है और भगवान परशुराम जन्मोत्सव में आयोजित सभी कार्यक्रमों का उद्देश्य समाज का हित एवं कल्याण स्वरूप कदम उठाना है। इस अवसर पर भगवान ताड़केश्वर जी का विशेष श्रृंगार भी किया गया और बाबा के जयकारे लगाये।

पेपर लीक मामले में हाईकोर्ट के एक जज ने किया सुनवाई से इनकार

- **एसआई भर्ती-2021 पेपर लीक मामले में 11 ट्रेनी एसआई सहित कुल 12 आरोपियों को रिहा करने से जुड़ा है मामला**

जयपुर, (का.सं.)। एसआई भर्ती-2021 पेपर लीक मामले में 11 ट्रेनी एसआई सहित कुल 12 आरोपियों को रिहा करने से जुड़े मामले में हाईकोर्ट में पेश राज्य सरकार की याचिका पर जस्टिस अनिल उपमन में सुनवाई से इनकार करते हुए खुद को इससे अलग कर लिया है। ऐसे में अब मामले में जस्टिस सुदेश बंसल मंगलवार को सुनवाई करेंगे।

पिछली सुनवाई पर अदालत ने ट्रायल कोर्ट से मामले का मूल रिकार्ड मंगाया था। इसके साथ ही मामले को अंतिम बहस के लिए रखा था। गत 12 मार्च को सीएमएम कोर्ट द्वितीय ने इन आरोपियों को अवैध रूप से हिरासत में रखना बताकर रिहा करने के आदेश दिए थे। इस आदेश के खिलाफ राज्य सरकार की ओर से पेश याचिका में सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने 15 मार्च को सीएमएम कोर्ट के आदेश पर रोक लगा दी थी। हाईकोर्ट के इस आदेश को आरोपियों की ओर से सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई, लेकिन वहां आरोपियों को राहत नहीं मिली और सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट को 7 मई तक सुनवाई पूरी करने को कहा था। गौरतलब है कि सीएमएम कोर्ट ने आरोपियों का प्रार्थना पत्र मंजूर करते हुए माना था कि एसओजी ने आरोपियों को पकडने के बाद 24 घंटे में उनकी पेशी नहीं की है और उनकी पुलिस हिरासत अवैध थी। इसके साथ ही अदालत ने गृह सचिव व डीजीपी को दोषी पुलिस अफसरों के खिलाफ कार्रवाई के लिए कहा था।

मुख्य सचिव ने ग्रामीण विकास कार्यों की जानकारी ली

जयपुर, (का.सं.)। मुख्य सचिव सुधांश पंत की अध्यक्षता में सोमवार को प्रदेश में ग्रामीण विकास कार्यों की प्रगति को लेकर समीक्षा बैठक का आयोजन हुआ। बैठक के दौरान प्रदेश में ग्रामीण विकास की राज्य सरकार द्वारा संचालित तथा केंद्र प्रवर्तित योजनाओं की क्रियान्विति की समीक्षा की गई।

पंत ने विभाग के अधिकारियों के साथ प्रधान मंत्री ग्रामीण सड़क योजना, पीएम जन मन, सामाजिक सुरक्षा पेंशन योज़ना, राजीविका, राजस्थान महिला निधि, मनरेगा और सामाजिक अंकेक्षण जैसी विभिन्न योजनाओं की विकास रिपोर्ट पर विस्तार से जानकारी ली। ग्रामीण विकास में प्रगति लाने तथा पारदर्शिता के लिए नरेगा सॉफ्ट में सिस्टम का प्रावधान लाने तथा पीएमएवाई-जी से संबन्धित ऐसे कार्य जो पूर्ण है।

सार-समाचार

जीकेप की प्रदेश स्तरीय बैठक सम्पन्न

जयपुर। विकास अध्ययन संस्थान, झालाना जयपुर में गुर्जर कर्मचारी अधिकारी कल्याण परिषद की प्रदेश स्तरीय बैठक समपन्न हुई। बैठक में संस्था की ई पत्रिका का विमोचन पी एस वर्मा, पूर्व अध्यक्ष माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने किया। साथ ही बैठक में सरकार द्वारा बी-2 बाईपास पर आवंटित 906.7 वर्ग मीटर भूमि पर जीकेप भवन बनाने को लेकर विस्तार से चर्चा भी हुई। गुर्जर कर्मचारी अधिकारी कल्याण परिषद की बैठक में करौली और दौसा जिले के प्रतिनिधियों ने दो-दो करोड रुपए सहयोग राशि देने की भी घोषणा की है। साथ ही सभी जिलों से आए हुए जिला अध्यक्ष और संभाग प्रभारी की ओर से 8 लाख की सहयोग राशि भी प्राप्त हुई है। बैठक में प्रत्येक जिले के सहयोग की समीक्षा करके लक्ष्य निर्धारित भी किया गया है। संस्था के मुख्य संरक्षक गौरव बजाड़, अध्यक्ष राज्य प्रशासनिक सेवा, आर के गुर्जर पूर्व अध्यक्ष जीकेप, ब्रह्म सिंह गुर्जर पूर्व अध्यक्ष आर पी एस सी, संस्थापक रामफूल गुर्जर, पूर्व प्रोफेसर पीएस वर्मा, राजेंद्र सिंह तंवर संस्था प्रदेशाध्यक्ष, सज्जन पोसवाल सदस्य कर्मचारी चयन आयोग, कुलदीप महुआ संयोजक शिक्षा ज्योति, उपाध्यक्ष मोहनलाल वर्मा, डॉ रूप सिंह भिवाड़ी, इतिहासकार शैतान सिंह, छीतरलाल कसाना संभाग प्रभारी कोटा, भंवर लाल गुर्जर संभाग चूरू, झालावाड़ जिला अध्यक्ष ललित गुर्जर मीडिया प्रभारी रामेश्वर प्रसाद गुर्जर सहित गुर्जर कर्मचारी अधिकारी कल्याण परिषद के कई अधिकारियों कर्मचारी मौजूद रहे।

आठ महिलाओं की चैन तोड़ी

जयपुर। सांगानेर इलाके में कुछ महिलाओं को भागवत कथा में जाना भारी पड़ गया। अज्ञात महिला चेन स्नेचरों ने प्रसाद वितरण की लाईन में लग कर आठ महिलाओं के गले से लगभग 114 ग्राम सोना लूट लिया और मौके से फरार हो गई। वारदात की जानकारी मिलने के बाद कथा स्थल पर हंगामा मच गया। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर लुटेरी महिलाओं के खिलाफ मामला दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है। पुलिस ने बताया कि सांगानेर पिंजरापोल गोशाला में स्थित सुरभि भवन में 1 मई से 7 मई तक श्रीमद भागवत कथा का आयोजन हो रहा है। जिसमें सैकड़ों की संख्या में महिला-पुरूष कथा सुनने के लिए आते है। 4 मई को करीब बजे के बीच महिलाएं कतार में खड़ी होकर प्रसाद ले रही थी, तभी भीड़ का फायदा उठाते हुए लुटेरी महिलाओं ने आठ महिलाओं के गले से सोने की चेन काट ली और फरार गई। श्री भगवत कथा रघुनाथपुरी निवासी अलका शर्मा की 20 ग्राम की चेन, सीताराम कॉलोनी निवासी चित्रा सिंह की 15 ग्राम की चेन, नामदेव कॉलोनी निवासी रामलज्जा की 10 ग्राम की चेन, मेघा खंडेलवाल शिव कॉलोनी किसान मार्ग टोंक फाटक निवासी की 12 ग्राम की चेन प्रताप नगर निवासी मैना देवी की 15 चेन अज्ञात लुटेरी महिला चेन तोड़कर फरार हो गई।

तीन ड्रग्स माफिया दबोचे

जयपुर। जयपुर कमिश्नरेट की स्पेशल टीम (सीएसटी) ने ऑपरेशन क्लीन स्वीप के तहत ड्रग्स माफियाओं के खिलाफ शिवदासपुरा एवं शिप्रापथ इलाके में कार्रवाई करते हुए अवैध मादक पदार्थ गांजा की तस्करी की करने वाले तीन तस्करों को धर-दबोचा है। उनके पास से भारी मात्रा में गांजा जब्त किया और साथ ही ब्रिकी की राशि के हजारों रूपये और दुपहिया वाहन भी बरामद किया है। फिलहाल आरोपियों से पूछताछ की जा रही है। जयपुर पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ ने बताया कि पुलिस कमिश्नरेट की ओर से चलाए जा रहे ऑपरेशन क्लीन स्वीप के तहत गांजा की तस्करी की करने वाले रितेश मुलोदिया (22) निवासी प्रागपुरा जयपुर ग्रामीण, नरेश कुमार मीणा (28) निवासी हिंडोली जिला बूंदी हाल मालपुरा गेट जयपुर और बाबूलाल सांसी (58) निवासी त्रिवेणी नगर गोपालपुरा बाईपास शिप्रापथ जयपुर को गिरफ्तार किया है। जिनके पास से पुलिस ने अवैध मादक पदार्थ गांजा 21 किलो 550 ग्राम, बिक्री की राशि 1 हजार 420 रुपये एवं परिवहन में प्रयुक्त दुपहिया वाहन बरामद किया है। पुलिस आरोपियों से अवैध मादक पदार्थ की खरीद-फरोख्त के बारे में पूछताछ करने में जुटी है।

16 कला विधाएं सीखेंगे जूनियर्स

जयपुर, (का.सं.)। हर वर्ष की भांति जवाहर कला केन्द्र की ओर से 16 मई से 20 जून तक जूनियर समर प्रोग्राम (कैम्प) का आयोजन किया जा रहा है। अलग-अलग आयु वर्ग के बच्चे इसमें हिस्सा लेकर अपनी रचनात्मकता को नया आयाम दे सकेंगे। कैम्प में विशेषज्ञों द्वारा विभिन्न कलात्मक विधाओं का प्रशिक्षण दिया जाएगा। कैंप के लिए आवेदन पूर्णतः ऑनलाइन कर दिए गए हैं। केन्द्र की वेबसाइट और सोशल मीडिया अकाउंट पर सभी विधाओं के गूगल फ़ॉर्म लिंक उपलब्ध हैं। कैंप में प्रवेश पहले आओ-पहले पाओ के आधार पर दिया जाएगा। 8 से 17 वर्ष तक के बच्चे गायन, गिटार, तबला, पियानो, वॉयलिन, लोक नृत्य, कथक, कंटेम्पररी डांस के लिए आवेदन कर सकते हैं। आवेदन शुल्क 1500 रुपए प्रति व्यक्ति रहेगा।

जयपुर बम ब्लास्ट मामले में नाबालिग आरोपी को फिलहाल जमानत नहीं

- **जज की नियुक्ति का हाईकोर्ट से आग्रह करेगी राज्य सरकार**

जयपुर, (का.सं.)। शहर में 13 मई, 2008 को हुए सिलसिलेवार बम धमाकों के दौरान चांदपोल हनुमान मंदिर के बाहर मिले जिंदा बम मामले में नाबालिग आरोपी को फिलहाल सुप्रीम कोर्ट से जमानत नहीं मिल पाई है। सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई एक सप्ताह टालते हुए इस बिन्दु पर बहस के लिए रखा है कि आरोपी को जमानत दी जाए या ट्रायल पूरी की जाए।

सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से अतिरिक्त महाधिवक्ता शिवमंगल शर्मा ने कहा कि आरोपी बमों को लगाने वाला मुख्य व्यक्ति था और वह भारतीय मुजाहिदीन नामक प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन का सक्रिय सदस्य रहा है।

आरोपी को छोड़ना ना केवल समाज के लिए गंभीर खतरा पैदा करेगा, जिससे आतंकवादी गतिविधियों में उसकी वापसी संभव हो सकती है और इससे समाज में भी गलत संदेश जाएगा। इसलिए मामले की गंभीरता को देखते हुए आरोपी को जमानत नहीं दी जा सकती। वहीं किशोर न्याय बोर्ड में जज की जल्द नियुक्ति के लिए राज्य सरकार, हाईकोर्ट प्रशासन से आग्रह करेगी। जिस पर अदालत ने आरोपी की जमानत अर्जी पर सुनवाई एक सप्ताह टाल दी। गौरतलब है कि गत 9 फरवरी को हुई सुनवाई पर अदालत ने राज्य सरकार को मामले की ट्रायल 15 मई तक पूरी करने का निर्देश दिया था।

घर में घुसकर सिलेंडर चोरी

जयपुर। राजधानी के महेश नगर इलाके में अज्ञात बदमाश महज एक मिनट में सीढ़ि यों के नीचे रखा सिलेंडर चोरी कर फरार हो गया। पीड़ित को मामले की जानकारी कुछ देर बाद चली। जिसके बाद पीड़ित ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर चोरी का मामला दर्ज कराया। पुलिस ने फुटेज के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के बताए अनुसार नरेंद्र नगर स्वेज फॉर्म निवासी रामकेश मीना 63 शुक्रवार को अपने काम पर गया हुआ था और परिवार के सभी सदस्य घर के अंदर थे। करीब पौने 11 बजे एक बदमाश घर में घुसा और सीढ़ि यों के नीचे रखा गैस सिलेंडर चोरी कर फरार हो गया।

केन्द्र सरकार और एसएससी पर 1.25 लाख का हर्जाना

- **11 साल से याचिका में जवाब पेश नहीं करने का मामला**

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने 11 साल से अधिक का समय बीतने के बाद भी कांस्टेबल भर्ती से जुड़े मामले में जवाब पेश नहीं करने पर केन्द्र सरकार और कर्मचारी चयन आयोग पर 1.25 लाख रुपए का हर्जाना लगाया है। अदालत ने हर्जाना राशि जमा होने की सूरत में इन्हें जवाब पेश करने के लिए दो सप्ताह का समय दिया है। जस्टिस गणेश राम मीणा की एकलपीठ ने यह आदेश वीरेन्द्र सिंह की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

अदालत ने कहा कि यह बड़े दुर्भाग्य की बात है कि इतना समय बीतने के बाद भी आज तक जवाब पेश नहीं किया गया है और आज भी जवाब देने के लिए समय मांगा जा रहा है। अदालत ने कहा कि एसएससी के इस सुस्त रवैए के लिए नरमी का रुख नहीं अपनाया जा सकता, लेकिन न्यायहित में हर्जाना जमा कराने की शर्त पर जवाब के लिए समय दिया जा रहा है। अदालत ने कहा कि एक बेरोजगार व्यक्ति जिसने लिखित परीक्षा और दक्षता परीक्षा पास कर ली, वह पिछले 12 साल से नियुक्ति का इंतजार सिर्फ इसलिए कर रहा है कि कोर्ट में लंबित मामले में जवाब पेश नहीं किया गया।

मामले के अनुसार वीरेन्द्र सिंह ने वर्ष 2011 में हाईकोर्ट में याचिका दायर कर कहा था कि उसने एसएससी की ओर से ओर से आयोजित कांस्टेबल जीडी की लिखित और दक्षता परीक्षा पास की है, लेकिन आयोग उसे मेडिकल के लिए नहीं बुला रहा है। मामले की प्रारंभिक सुनवाई करते हुए अदालत ने केन्द्र सरकार, एसएससी और बीएसएफ को नोटिस जारी कर नियुक्तियों को याचिका के अधीन रखा था। पूर्व में सुनवाई के दौरान बीएसएफ की ओर से जवाब पेश कर कहा गया कि उनकी ओर से दक्षता परीक्षा आयोजित कर एसएससी को रिपोर्ट भेज दी थी।

जेके लोन अस्पताल में प्लाज्मा चोरी प्रकरण में चार सदस्यीय जांच कमेटी गठित

- **कमेटी तीन दिन में जांच कर रिपोर्ट देगी**
- **ब्लड बैंक इंचार्ज सत्येंद्र सिंह को जेके लोन से हटाकर सवाई मानसिंह हॉस्पिटल स्थित ब्लड बैंक में लगाया गया है।**
- **मामले में चिकित्सा विभाग ने एफ.आई.आर. दर्ज करवाने के निर्देश दिए**

जयपुर। राजधानी के जेके लोन अस्पताल से प्लाज्मा चोरी के मामले में चिकित्सा विभाग ने कार्रवाई करते हुए चार सदस्यीय जांच कमेटी गठित की है। यह कमेटी अपनी रिपोर्ट तीन दिन में विभाग को सौंपेगी। अतिरिक्त मुख्य सचिव शुभ्रा सिंह के निर्देश पर कमेटी में अतिरिक्त अतिरिक्त निदेशक अस्पताल प्रशासन डॉ. सुशील परमार, उप वित्तीय सलाहाकार सुरेश चंद जैन, एड्स कंट्रोल सोसायटी के अतिरिक्त निदेशक डॉ. केसरी सिंह और औषधि नियंत्रक प्रथम अजय फाटक को शामिल किया है। वहीं मामले में ब्लड बैंक इंचार्ज सत्येंद्र सिंह को जेके लोन से हटाकर सवाई मानसिंह हॉस्पिटल स्थित ब्लड बैंक में लगाया गया है।

ये कमेटी जांच इस पूरे प्रकरण की जांच के लिए हॉस्पिटल के सीसीटीवी फुटेज देखेगी। इसके अलावा किस-किस स्टाफ की कब-कब ड्यूटी ब्लड बैंक में लगी है, इसको लेकर भी पूरा रिकॉर्ड देखकर उसकी जांच करेगी। साथ ही स्टाफ के बयान और पूछताछ के आधार पर अपनी रिपोर्ट पेश करेगी।

अतिरिक्त मुख्य सचिव ने कहा कि जेके लोन अस्पताल में सामने आए प्रकरण की गहन जांच-पड़ताल की जाएगी। जांच में दोषी पाए जाने वाले कार्मिकों पर सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। भविष्य में ब्लड बैंकों में अनियमितताएं नहीं हों इसके लिए एक मजबूत ब्लड ट्रांसफ्यूजन सिस्टम तैयार किया जा रहा है। इससे पारदर्शिता बढ़ने के साथ ही मरीजों को सुगमतापूर्वक रक्त एवं रक्त अवयव उपलब्ध हो सकेंगे।

सिंह ने बताया कि राज्य के समस्त ब्लड बैंकों के गुणवत्ता सुधार एवं निर्धारित मानकों के अनुरूप संचालन के लिए एक गाइडलाइन तैयार करने के निर्देश दिए गए थे। साथ ही, सभी ब्लड बैंकों को एक सॉफ्टवेयर से जोड़ने के भी निर्देश दिए थे ताकि इनका रियल टाइम ऑनलाइन असेसमेंट हो सके और आमजन को रक्त उपलब्धता की जानकारी पारदर्शिता के साथ ऑनलाइन ही मिल सके।

इधर, प्लाज्मा चोरी मामले में एक प्राइवेट हॉस्पिटल की संदिग्ध भूमिका भी सामने आ रही है। सूत्रों का कहना है कि प्लाज्मा चोरी करने वाला स्टाफ इसी हॉस्पिटल के किसी व्यक्ति को ये प्लाज्मा बेचता था। इस प्लाज्मा का उपयोग फार्मा कंपनियां प्रोटीन समेत अन्य सप्लीमेंट्स बनाने में उपयोग लेती है।

गौरतलब है कि जेके लोन हॉस्पिटल में ब्लड बैंक के कर्मचारियों ने शनिवार को लैब टेक्नीशियन कृष्णकांत कटारिया को प्लाज्मा चोरी के मामले में पकड़ा था। इस मामले का रविवार को जब खुलासा हुआ तो मेडिकल हेल्थ डिपार्टमेंट ने इस मामले में एफआईआर दर्ज करवाने के निर्देश दिए। इसके साथ ही इस मामले की जांच शुरू करवा दी। जांच प्रभावित न हो इसे देखते हुए डॉ. सत्येंद्र सिंह को जेके लोन हॉस्पिटल से हटाकर एसएमएस हॉस्पिटल के ब्लड बैंक में लगाया गया। वहीं इस मामले में प्रथम दृष्टया आरोपित लैब टेक्नीशियन कृष्ण कांत कटारिया को पद से निलंबित कर दिया है।

मालूम हो कि प्लाज्मा को फार्मा कंपनियां मेडिकल रिलीफ सोसायटी के माध्यम से ही खरीदती है। इस प्लाज्मा से दवाइयां, प्रोटीन समेत अन्य सप्लीमेंट्स बनाए जाते है। लैब टेक्नीशियन कृष्णकांत कटारिया इस प्लाज्मा को चोरी करने के बाद एक निजी हॉस्पिटल को देता था। जेएलएन मार्ग स्थित इस निजी हॉस्पिटल के कुछ लोग इस भूमिका में शामिल है।

तीन बदमाशों को अवैध हथियार सहित पकड़ा

जयपुर। ब्रह्मपुरी थाना पुलिस और जिला स्पेशल टीम जयपुर उत्तर (डीएसटी) ने ऑपरेशन एक्शन अगेंस्ट गन के तहत संयुक्त कार्रवाई करते हुए तीन बदमाशों को अवैध हथियार सहित पकड़ा है। पुलिस ने उनके पास से एक देशी पिस्टल मय मैगजीन और तीन जिंदा कारतूस भी जब्त किया है। फिलहाल आरोपी से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर उत्तर राशि डोगरा डूडी ने बताया कि पुलिस कमिश्नरेट की ओर से चलाए जा रहे ऑपरेशन एक्शन अगेंस्ट गन (आग) के तहत ब्रह्मपुरी थाना पुलिस और डीएसटी उत्तर ने कार्रवाई करते हुए सिराज अहमद उर्फ बन्दूक निवासी ब्रहमपुरी जयपुर, अयूब खान निवासी गलता गेट और अब्दुल सुफियान निवासी ब्रह्मपुरी को जलमहल की पाल से गिरफ्तार किया है। जिनके पास से एक देशी पिस्टल मय मैगजीन और तीन जिंदा कारतूस बरामद किया है। पुलिस आरोपियों से अवैध हथियार की खरीद-फरोख्त के बारे में पूछताछ की जा रही है।

महात्मा गांधी स्कूल में प्रवेश शुरू

जयपुर, (का.सं.)। महात्मा गांधी अंग्रेजी विद्यालय सेक्टर पांच प्रताप नगर स्कूल में ऑनलाइन प्रवेश की प्रक्रिया शुरू हो गयी है। यह जानकारी देते हुए स्कूल की प्रिंसीपल सीमा शुक्ला ने बताया कि कक्षा नर्सरी से दसवीं तक के ऑनलाइल आवेदन 7 से 13 मई मतक किये जा सकेंगे जिसकी लॉटरी 14 मई को निकाली जायेगी।

नारायण गुर्जर हत्याकांड मामले में हत्या के कारणों का खुलासा हुआ

मारपीट का वीडियो नारायण ने बना लिया था, जिसे नारायण व एक-दो युवकों ने इंस्टाग्राम पर वायरल कर दिया था

■ गिरफ्तार मुख्य आरोपी सहित दो युवकों ने पुलिस पूछताछ में हत्या के कारणों का खुलासा किया

मांडल थाना क्षेत्र में हुए नारायण गुर्जर हत्याकांड के मामले में गिरफ्तार दो युवक।

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के मांडल थाना क्षेत्र में हुए नारायण गुर्जर हत्याकांड के मामले में गिरफ्तार मुख्य आरोपी सहित दो युवकों ने पुलिस पूछताछ में हत्या के कारणों का खुलासा किया है। इस बीच, जिला पुलिस अधीक्षक राजन दुष्यंत के आदेश से गठित एसआईटी ने दोनों आरोपितों से करीब पांच घंटे की गहन पूछताछ की।

मांडल पुलिस के अनुसार कोलीखेड़ा निवासी नारायणलाल गुर्जर 22 अप्रैल की शाम चार बजे शादी में जाने के लिए निकला था। सुबह करीब पांच बजे कोलीखेड़ा फाटक के पास नारायण पड़ा मिला। सूचना पर नारायण का भाई श्यामलाल मौके पर पहुंचा। उसे नारायण ने बताया कि वह चौराहा से बाइक पर गांव आ रहा था, तभी कार वालों ने उसे टक्कर मार दी। वह खेत में गिर गया। कार से उतर कर देवरिया के मदन सिंह पुत्र तख्तसिंह राजपूत व राकेश सुथार निवासी मांडल और तीन-चार अन्य लोगों ने उसके साथ मारपीट की। रास्ते में मारपीट कर उसे फाटक के पास फेंक कर चले गये।

नारायण को एमजी अस्पताल में डॉक्टर्स ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने श्यामलाल गुर्जर की रिपोर्ट पर अपराध धारा 302, 201 के तहत केस दर्ज किया था। इस वारदात में लिप्त दो और आरोपितों देवरिया, मांडल के मदन सिंह (24) पुत्र तख्त सिंह उर्फ तेज सिंह और राकेश (22) पुत्र गणपत सुथार निवासी लखारा चौक के पास, माण्डल को मध्यप्रदेश में नीमच-मंदसौर हाइवे से हिरासत में लिया। दोनों को पूछताछ के बाद गिरफ्तार किया, जिन्हें न्यायाधीश के सामने पेश कर चार दिन के रिमांड पर लिया गया है।

पूछताछ में आरोपित मदन सिंह व राकेश ने हत्या के दो कारण कबूल किये हैं। पुलिस के अनुसार, दो साल पहले एससी के लड़कों ने आरोपितों को पीटा था। इसका वीडियो नारायण ने बना लिया था। इसके बाद यह वीडियो 23 तारीख को नारायण व एक-दो युवकों ने इंस्टाग्राम पर वायरल कर दिया था। इसके चलते आरोपितों ने माना कि उनका वर्चस्व डाउन हो गया है। इसे लेकर आरोपित पक्ष, नारायण से द्वेशता रखता था। इसके अलावा भी एक-डेढ़ साल पहले मदन के साथ मारपीट हुई थी, तब उसके सिर में 12 टांके लगे थे। इस घटना को लेकर भी मदन क्षुब्ध था और बदले की फिराक में था। इन दोनों कारणों के चलते आरोपितों ने षड्यंत्रपूर्वक बदले की भावना से नारायण की हत्या कर दी। पुलिस पूछताछ में सामने आया कि नारायण के कत्ल से पहले उसकी एक बाल अपचारी ने रैकी की। उसी ने अन्य आरोपितों को नारायण की लोकेशन दी थी।

इसके बाद ये आरोपित नारायण के पीछे लग गये और कोलीखेड़ा के पास मोड़ पर उसे कार की टक्कर लगाने के बाद बूरी तरह पीटा, जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस अधीक्षक राजन दुष्यंत के आदेश से गठित एसआईटी टीम के प्रभारी डीएसपी सदर श्यामसुंदर विश्नौई सहित अन्य अधिकारियों ने गिरफ्तार दोनों आरोपितों से पांच घंटे अलग-अलग पूछताछ की। यह पूछताछ सुभाषनगर थाने में चली। उधर, पुलिस अब इन दो आरोपितों से पूछताछ कर प्रकरण में मोबाइल सहित अन्य बरामदगियां करने का प्रयास कर रही है। इस हत्याकांड से जुड़े दो आरोपित पहले गिरफ्तार हो चुके हैं।

महिला की हत्या के दो आरोपियों को आजीवन कारावास की सजा

आरोपियों ने सब्जी बेचने वाली महिला की हत्या कर लाश कुए में फेंकी थी

अजमेर, (कासं)। जिला एवं सेशन न्यायाधीश संगीता शर्मा ने सोमवार को लूट व हत्या के मामले में दो आरोपियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाते हुए दोनों को 25-25 हजार रुपए के अर्थदण्ड से भी दंडित किया। मृतका सब्जी बेचने का काम करती थी। आरोपियों ने लूट के इरादे से उसकी हत्या कर लाश को प्लास्टिक के कट्टे में बांधकर कुए में डाल दिया था। मामला आदर्श नगर थाना क्षेत्र का करीब आठ साल पुराना है।

लोक अभियोजक विवेक पाराशर ने बताया कि घटना 20 दिसंबर 2017 की है। परिवादी चैना सिंह ने आदर्श नगर थाने को जेएलएन चिकित्सालय चीरघर में एक रिपोर्ट इस आशय की दी कि उसकी मां पांची देवी पत्नी धन्ना सिंह रीको एरिया पालरा में सब्जी बेचने गई थी, कई पता नहीं चला, जबकि रामदेव पुत्र माला ने उसकी मां उसी दी शाम को देखा था। उसके बाद किसी ने भी नहीं देखा। 21 दिसंबर 2017 को लगभग 12 बजे के छोटे भाई की बहू सूरमा देवी व भतीजे नरेन्द्र सिंह ने तलाश के दौरान बताया कि पालरा तालाब के पास बांडयाडी बडिया झुतरी के अधूरे सूखे कुएं मे प्लास्टिक के कट्टे में बंद लाश पड़ी मिली थी। पुलिस ने लाश को कब्जे में लेकर जांच की थी। पांची देवी की ओढ?ी से गला घोंटकर हत्या की गई थी। पांची देवी के पहने हुए गहने, कडी, आंवला, बाली, हाथ के कड़े, कंगन व सिर में पहना हुआ सोने का बोर व 5-6 हजार रुपये नकद नहीं मिले, जो संभव है आरोपितों ने लूट लिए और उसकी मां की लाश को कट्टे में बांधकर उक्त सूखे कुंए में डाल दी।

पाराशर ने बताया कि प्रकरण में अभियोजन पक्ष की ओर से 27 साक्षी को परीक्षित करवाया गया और कुल 17 दस्तावेज न्यायालय में पेश किए तथा अनुसंधान अधिकारी ने पुलिस अभिरक्षा के दौरान अभियुक्तों से बरामद तथ्यों तथा अभियुक्तों के गांव दारापुर में छुपा रखे गहने सहित अन्य सामान और प्रकरण में मोबाइल फोरेंसिक यूनिट अजमेर द्वारा तैयार क्राइम सीन रिपोर्ट व फोटोग्राफ पत्रावली सहित सबूतों दस्तावेज व साक्षी के आधार पर आरोपियों को दोषी मानते हुए धारा 302 आईपीसी के तहत आजीवन कारावास व 25-25 हजार रुपये अर्थदण्ड से दण्डित करने की सजा सुनाई।

लेंस प्रत्यारोपण शिविर का आयोजन

ब्यावर, (निसं)। उदयपुर रोड स्थित श्री पार्श्वनाथ जैन चिकित्सालय एवं शोध संस्थान चिकित्सालय परिसर में रविवार को वरिष्ठ नेत्र रोग विशेषज्ञ डा. मनीष कुमार प्रजापत एमएस फेको सर्जन द्वारा कुल 80 व्यक्तियों की आँखों की जांच कर निःशुल्क चिकित्सा परामर्श दिया गया।शहर के जाने माने समाजसेवी और भामाशाह महेंद्र कुमार रांका , पियूष कुमार रांका (एडवोकेट), ऋषभ कुमार , संतोष देवी एवम अपूर्वा रांका के सौजन्य भगवती मल्ली बहू मंडल की प्रेरणा से प्रायोजित हुआ।

बाबा श्याम का दरबार 20 को

उदयपुर, (कासं)। आगामी 20 मई को सायंकाल 7 बजे से बस स्टैंड पलोदडा में खाटूश्याम बाबा का विशाल दरबार सजेगा और बाबा श्याम का भव्य संकीर्तन का आयोजन रखा जा रहा है। प्रमुख आयोजक दिलीप चौधरी ने बताया कि पलोदडा में 20 मई को बाबा श्याम की कृपा और बालाजी महाराज के आशीर्वाद से बाबा श्याम का विशाल कीर्तन होने जा रहा है। जिसमें राजस्थान एवं मध्यप्रदेश ग्वालियर के भितरवार से श्याम के परिवार के द्वारा बाबा श्याम को सुंदर सुंदर भजनों से रिझाया जाएगा तो वहीं बाबा श्याम की दरबार सेवा श्याम परिवार सलुम्बर के द्वारा बाबा श्याम का श्रृंगार किया जाएगा। कीर्तन के प्रमुख आकर्षण. बाबा को रिझाने के लिए ऋषिकेश से शुभम खुराना, मंदसौर से अजयपाटीदार, कोटा उदयपुर से शूरवीर जी,बाबा की लाडली अंजली आचार्य उदयपुर, भितरवार से उमेश लक्ष्यकार ए सतेंद्र यादव सहित श्याम परिवार के सदस्य शामिल रहेंगे और भजनों से बाबा का गुणगान करेंगे। श्याम मंडल के दीपक साहू ने बताया कि पलोदडा में पहली बार ऐसा अद्भुत आकर्षक बाबा श्याम संकीर्तन का आयोजन हो रहा है।

'बाल विवाह की रोकथाम के लिए जन-सहभागिता व चेतना जागृत करें'

भीलवाड़ा, (निसं)। जिला कलक्टर नमित मेहता ने अक्षय तृतीया (आखातीज) 10 मई व पीपल पूर्णिमा 23 मई पर्व एवं अन्य अवसरों पर होने वाले जिले में बाल विवाह की प्रभावी रोकथाम की कार्यवाही के लिए जिले के समस्त उपखण्ड मजिस्ट्रेट को दिशा निर्देश जारी किये गए है। जिला मजिस्ट्रेट एवं कलक्टर नमित मेहता ने बाल विवाह को रोकने के लिए समाज की मानसिकता एवं सोच में सकारात्मक परिवर्तन लाने व बाल विवाह रोकथाम हेतु जन-सहभागिता व चेतना जागृत करने के लिए कार्य योजना बनाकर कार्य करने के निर्देश अधिकारियों व कार्मिकों को दिये।

जिला मजिस्ट्रेट नमित मेहता ने जिले में अक्षय तृतीया (आखातीज) 10 मई व पीपल पूर्णिमा 23 मई पर्व एवं अन्य अवसरों पर बाल विवाह की रोकथाम के लिए ग्राम व तहसील स्तर के विभिन्न विभागों के अधिकारियों, कर्मचारियों, वृताधिकारी, थानाधिकारी, बीट कास्टेबल, पटवारियों, भू अभिलेख निरीक्षकों, ग्राम पंचायत सचिवों, ग्राम सेवको, कृषि पर्यवेक्षकों, महिला विकास अभिकरणों एवं महिला बाल विकास विभाग के परियोजना अधिकारियों, पर्यवेक्षकों, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, अध्यापक, नगर परिषद एवं नगर पालिका के कर्मचारियों, जिला परिषद/पंचायत समिति सदस्यों, सरपंचों तथा वार्ड पंचों को पांबद करते हुए उनके माध्यम से बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम के प्रावधानों का व्यापक प्रचार प्रसार करने एवं आमजन को जानकारी देते हुए जन जागृति उत्पन्न करने एवं बाल विवाह रोके जाने के लिए प्रभावी कार्यवाही करने के निर्देश दिये।

उन्होंने बाल विवाह रोकने के लिए ब्लॉक, ग्राम पंचायत स्तर के जनप्रतिनिधियों, प्रधान, जिला परिषद सदस्य, पंचायत समिति सदस्य, सरपंच, वार्डपंच आदि के सहयोग लेने के भी निर्देश दियें है। साथ ही बाल विवाह होने पर संबंधित क्षेत्र के पटवारी, ग्राम विकास अधिकारी, अध्यापक आदि के द्वारा अपने निकट के पुलिस स्टेशन में सूचना दी

समर्थन मूल्य खरीद केंद्र का किया निरीक्षण

भीलवाड़ा, (निसं)। जिला कलक्टर नमित मेहता, उपखंड अधिकारी ए एन सोमनाथ एवं उप रजिस्ट्रार अरविन्द ओझा ने सोमवार को भीलवाड़ा क्रय-विक्रय सहकारी समिति लि. भीलवाड़ा के समर्थन मूल्य खरीद केंद्र (मिर्ची मंडी) का औचक निरीक्षण किया।

दौरान जिला कलक्टर ने मॉश्चर मापी यंत्र से एक किसान की सरसों की नमी (मॉश्चर) की स्वयं जांच की।जाँच में सरसों की नमी मापदण्डों के अनुरूप 8 से कम पाई गई। जिला कलक्टर ने मुख्य व्यवस्थापक सुरेन्द्र सिंह खंगारोत से समर्थन मूल्य खरीद के अंतर्गत किसानों के पंजीयन, टोकन जारी करने, किसानों की कृषि जिंसो की एफ.ए.क्यू., तुलवाई एवं भुगतान संबंधित जानकारी ली।

सेंट्रल जेल में बंद बंदी ने तोड़ी एसटीडी कियोस्क बूथ की स्क्रीन

■ गैंगस्टर राजू ठेहट की हत्या के मामले में विचाराधीन है आरोपी बंदी

अजमेर, (कासं)। अजमेर हाईसिक्योरिटी जेल में बंद गैंगस्टर राजू ठेहट की हत्या के विचाराधीन बंदी ने सोमवार को सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने का मामला सामने आया है। आरोपी ने जेल में बने एसटीडी कियोस्क पर बात करने के दौरान आवेश में आकर पीआईसीएस (एसटीडी) कियोस्क की स्क्रीन को मुक्का मारकर तोड़ दिया। जेल प्रहरी ने मामले की सूचना जेल अधीक्षक पारस जांगिड़ को दी। अधीक्षक के निर्देश पर जेल प्रहरी ने सिविल लाइन थाने में आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सिविल लाइन थाना पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार जेल प्रहरी जिला सीकर निवासी विष्णु कुमार मीणा ने जेल अधीक्षक के दिशा निर्देशों पर थाने लिखित शिकायत देते हुए जेल में बंद विचाराधीन बंदी के खिलाफ सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने का मामला दर्ज कराया है। जेल प्रहरी मीणा ने बताया कि जेल में निरुद्ध बंदियों को उनके परिजनों से वार्ता करवाने के लिए प्रत्येक वार्ड में प्रिजन्स इनमेट कॉलिंग सिस्टम (एसटीडी) कियोस्क लगे हुए हैं।

हाई सिक्योरिटी जेल के वार्ड नंबर एक में निरुद्ध विचाराधीन बंदी जिला बीकानेर निवासी गणेश ओझा पुत्र महावीर प्रसाद ने एसटीडी पर वार्ता के दौरान अचानक गुस्से में आकर पीआईसीएस एसटीडी कियोस्क की स्क्रीन को मुक्का मारकर तोड़ दिया। इसके बाद जेल प्रहरी हनुमानराम द्वारा सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचने की सूचना जेल अधीक्षक पारस जांगिड़ सहित अन्य अधिकारियों को दी गई। जेल अधीक्षक की निर्देश पर सिविल लाइन थाने में मुकदमा दर्ज कराया। सिविल लाइन थाना पुलिस ने सार्वजनिक संपत्ति नुकसान निवारण अधिनियम 1984 के तहत आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। मामले की जांच हेड कॉन्स्टेबल हरिराम के द्वारा की जा रही है।

फोन नेटवर्क नहीं आने पर आया था गुस्सा:- जानकारी के अनुसार आरोपी बंदी गणेश ओझा गैंगस्टर राजू ठेहठ की हत्या के मामले में अजमेर जेल में बंद है। जेल प्रशासन द्वारा निरुद्ध बंदियों को उनके परिजन से प्रतिदिन 5 मिनट के लिए बात करवाई जाती है। गणेश ओझा को भी उसके परिजनों से बात करवाई गई थी। बातचीत के दौरान फोन का नेटवर्क गायब होने से कॉल कट गया था, जिसके चलते गुस्से में आकर आरोपी ने सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचा। हालांकि इस पूरे मामले की जांच सिविल लाइन थाना पुलिस द्वारा की जा रही है।

सम्पूर्ण ब्राह्मण समाज को जोड़ने की पहल परशुराम जन्मोत्सव: अजय शर्मा

ब्राह्मण समाज ने परशुराम जयंती को हर्षोल्लास के साथ मनाया।

ब्यावर, (निसं)। भगवान परशुराम जन्मोत्सव समिति के संयोजक अजय शर्मा ने बताया कि भगवान परशुराम ब्राह्मण समाज के नहीं पूरे भारतीय संस्कृति के प्रणेता और भगवान विष्णु के छठे अवतार के रूप में हमारी विरासत है। भगवान परशुराम का जीवन लोक कल्याण के लिए न्यौछावर रहा। उनकी जयंती के मौके पर ब्यावर का सम्पूर्ण ब्राह्मण समाज एकजुट होकर उनकी जयंती को हर्षोल्लस के साथ महोत्सव के रूप में मनाने जा रहा है। भगवान परशुराम जन्मोत्सव को लेकर ब्राह्मण समाज का हर घर सहयोग कर भागीदार बन रहा है। भगवान परशुराम की जयंती के दिन अपने घर व प्रतिष्ठानों पर भगवान परशुराम का ध्वज फहराकर सांय अपने घरों में दीप प्रज्जवलित कर उनके सिद्धांतों को आने वाली पीढ़ी तक पहुंचाने का प्रयास करेगा। इसके अलावा समाज की ओर से भगवान परशुराम के जीवन वृतांतों को युवा पीढ़ी को जोड़ने के उद्देश्य से आने वाले समय में कई प्रयास होगें। उनमें से प्रमुख प्रयास है भगवान परशुराम जी का भव्य मंदिर निर्माण। जिसमें ब्राह्मण समाज का प्रत्येक घर सहभागी होगा।

इसके अलावा परशुराम जयंती के अवसर पर यह भी निर्णय लिया जा रहा है कि ब्राह्मण समाज के युवक-युवतियों के विवाह के लिए समय-समय पर परिचय सम्मेलन का आयोजन भी हो। इसके लिए सम्पूर्ण ब्राह्मण समाज को एकरूपता में बांधने के लिए ब्यावर के समस्त ब्राह्मण परिवारों का सहयोग लेकर वृहद स्तर पर आयोजन किया जायेगा। इस आयोजन में समाज के वरिष्ठजनों, प्रतिभावान विद्यार्थियों व खिलाड़ियों को भी सम्मानित किया जायेगा साथ ही ब्राह्मण समाज के प्रत्येक व्यक्ति को सुरक्षा मिले इस दृष्टि से प्रयास किए जायंगे। भगवान परशुराम जन्मोत्सव की पावन बेला पर ब्राह्मण समाज ब्यावर का पाँच दिवसीय महोत्सव आज महिलाओं व बच्चों के कार्यक्रमों से प्रारंभ होगा।

भगवान परशुराम जन्मोत्सव समिति संयोजक अजय शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि ब्राह्मण समाज की विरासत और संस्कृति को आगे बढ़ाने के लिए आगामी दिनों में समाज द्वारा कई कार्यक्रमों का आगाज होगा। 1. ब्यावर शहर में आराध्य भगवान परशुराम जी का भव्य मंदिर बनेगा जिसमें ब्राह्मण समाज के प्रत्येक परिवार की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। ब्राह्मण समाज के युवक युवतियों को योग्य जीवनसाथी मिले इसके लिए समस्त ब्राह्मण समाज का सामूहिक परिचय सम्मेलन आयोजित किया जायेगा। ब्राह्मण समाज ब्यावर का सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा जिसमें समाज के वरिष्ठ जनों, प्रतिभावान छात्र छात्राओं, राष्ट्रीय एवं राज्य स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को सम्मानित किया जाए ताकि समाज की आने वाली पीढ़ियों को प्रेरणा मिल सके। ब्राह्मण समाज की हेल्पलाइन का गठन किया।

'नियमित जलापूर्ति करें, हीट वेव से बचाव के करें इंतजाम'

अजमेर, (कासं)। जिला कलक्टर डॉ. भारती दीक्षित ने जलदाय विभाग को निर्देश दिए हैं कि गर्मी के मद्देनजर शहरी व ठाामीण क्षेत्रों में नियमित व पर्याप्त जलापूर्ति के इंतजाम रखें। गर्मी में हीट वेव को देखते हुए चिकित्सा विभाग एवं जिला परिषद प्रशासन अलर्ट रहे। आनासागर से जलकुम्भी निकालने के लिए भी नियमित कार्यवाही हो।

जिला कलक्टर डॉ. भारती दीक्षित ने सोमवार को विभिन्न विभागों की समन्वय बैठक ली। उन्होंने गर्मी को देखते हुए पेयजल आपूर्ति को नियमित तथा पर्याप्त रखने को सर्वोच्च प्राथमिकता से लेने के निर्देश दिए। जलदाय विभाग शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में पर्याप्त जलापूर्ति रखें। जलापूर्ति नियमित अंतराल से की जाए। विभाग अवैध कनेक्शनों के खिलाफ भी सख्त कार्यवाही करे। इसके लिए प्रशासन को साथ लेकर कार्यवाही की जाए। कंटीजेंसी प्लान के तहत टैकरों से जलापूर्ति करवाई जाए। जल संसाधन एवं जलदाय विभाग ईआरसीपी योजना के तहत भी अपनी योजना तैयार रखे। अजमेर शहर में फॉयसागर से जलापूर्ति के कामकाज को भी तेज किया जाए। जिला कलक्टर ने विद्युत विभाग को निर्देश दिए कि गर्मी और बारिश में झूलते तारों के कारण दुर्घटनाएं ज्यादा होती हैं। जिला परिषद के साथ मिलकर शहरी-ग्रामीण क्षेत्रों में से हाई रिस्क पॉइंट चिंहित किए जाएं।

भगवान परशुराम महोत्सव का शुभारंभ

ब्राह्मण समाज ब्यावर द्वारा पांच दिवसीय महोत्सव का शुभारम्भ किया।

ब्यावर, (निसं)। भगवान परशुराम जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में ब्राह्मण समाज ब्यावर द्वारा पांच दिवसीय महोत्सव का शानदार शुभारम्भ सेन्दडा रोड स्थित श्री हारित वाटिका में हुआ। बच्चों ने भगवान परशुराम जी के जीवन परिचय पर विचार रखे और इसके पश्चात् महिलाओं, बालिकाओं एवँ बालकों के लिये विभिन्न कार्यक्रम और प्रतियोगिताएँ आयोजित की गई। जिसमें विचित्र वेशभूषा में 3 से 5 वर्ष की प्रतियोगिता में प्रज्ञा शर्मा ने प्रथम व साक्षी शर्मा ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया वहीं 6 से 8 वर्ष के बच्चों की प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर तन्जिल शर्मा रहीं व द्वितीय स्थान पर प्रभांशी शर्मा रही। इसी तरह बच्चों के कॉइन गेम्स में प्रथम स्थान पर प्रियांशी शर्मा तो द्वितीय स्थान पर तनिष्का शर्मा रही। इनआऊट गेम्स में प्रथम स्थान पर नव्या शर्मा द्वितीय स्थान पर भूमिका शर्मा और बैलून गेम्स में प्रथम स्थान पर सार्थक शर्मा व द्वितीय स्थान पर प्रत्युक्षा शर्मा एण्ड ठुप रहा। आज ब्राह्मण समाज की महिलाओं और बच्चों ने बडी संख्या में उपस्थिति दर्ज कराई और सभी ने बच्चों का उत्साहवर्धन किया। मंगलवार को महिलाओं की मेहँदी प्रतियोगिता, थाली सज्जा प्रतियोगिता, अनुपयोगी वस्तुओं से उपयोगी वस्तुएँ बनाने की प्रतियोगिता और माण्डणा प्रतियोगिता होंगी।

आज बच्चों की प्रतियोगिताओं के लिए निर्णायक निधि जोशी व अंजलि भार्गव रहीं। कार्यक्रम में हेमलता दूत, प्रीति शर्मा, ममता गील, ज्योति दूत, निशा पाराशर, अनीता गील, अनु डंडायत, ममता शर्मा सहित बडी संख्या में महिलाओं व बच्चों ने भाग लिया और इस अवसर पर भगवान परशुराम जन्मोत्सव समिति संयोजक अजय शर्मा, हरीशचंद्र शर्मा, रमेश बंदावला, मनोज शर्मा, रामकिशोर बलेसरा, राजेश बाबा, योगेश पंचौली, दीपक गील, संजय पाराशर, वृतंजय आर्य, संजय भार्गव, भुवनेश शर्मा, मनोज व्यास, त्रिभुवन शर्मा, मोहनलाल भोपलावत, जुगल भेडोल्या, महेश गील, प्रशांत गील, विजय डंडायत, सहित ब्राह्मण समाज के गणमान्य उपस्थित रहे।

समारोह 17 अक्टूबर से अजमेर में

अजमेर, (कासं)। परोपकारिणी सभा अजमेर की ओर से महर्षि दयानंद सरस्वती का द्विजन्म शताब्दी समारोह का चार दिवसीय आयोजन 17 से 20 अक्टूबर को आयोजित होगा। समारोह के कार्यक्रम को लेकर तैयारी बैठक सोमवार को स्वामी प्रणवानंद की अध्यक्षता में परोपकारिणी सभा कार्यालय में आयोजित हुई। बैठक में समारोह की व्यवस्था के लिए अलग-अलग समितियां बनाने पर चर्चा हुई। महर्षि की निर्वाण स्थली पर होने वाले इस समारोह में देश भर से बड़ी तादाद में आर्यजन के आने की संभावना है।

परोपकारिणी सभा के मंत्री कन्हैयालाल आर्य ने बताया कि महर्षि दयानंद सरस्वती का द्वि जन्म शताब्दी समारोह 17 से 20 अक्टूबर को महर्षि दयानंद सरस्वती की निर्वाण स्थली पर समारोह पूर्वक मनाया जाएगा। महर्षि की निर्वाण स्थली पर हो रहे इस समारोह में देश भर से बड़ी तादाद में श्रद्धालुओं के आने की संभावना है। महर्षि दयानंद निर्वाण परोपकारिणी सभा के प्रधान ओम मुनि ने बताया कि महर्षि दयानंद सरस्वती का निर्वाण 1883 में अजमेर में हुआ था। इसलिए आर्य समाज के इतिहास में अजमेर का विशेष महत्व है।

एलपीजी वितरकों की बैठक का आयोजन, रामेश्वर लाल सोलंकी बने निर्विरोध अध्यक्ष

बैठक मे भीलवाड़ा और शाहपुरा जिले के तीनो कंपनियों (एचपीसीएल, एचपीसीएल,आई ओ सी एल के वितरकों ने भाग लिया ।

शाहपुरा, (निसं)। भीलवाड़ा व शाहपुरा जिले के सभी एलपीजी वितरकों की बैठक का आयोजन शाहपुरा में किया गया। बैठक मे भीलवाड़ा और शाहपुरा जिले के तीनो कंपनियों (एचपीसीएल, एचपीसीएल, आई ओ सी एल के वितरकों ने भाग लिया।

इस मौके पर सभी वितरकों ने सर्व सहमति से कार्यकारणी का गठन किया जिसमें अध्यक्ष रामेश्वर लाल खटीक शाहपुरा भारत गैस को बनाया गया। उपाध्यक्ष सीताराम खटीकभाग्यलक्ष्मी भारत गैस, उपाध्यक्ष मनसुख गुर्जर आसींद गैस एजेन्सी, महासचिव घिसा लाल यादव राजेश गैस सर्विस, कोषाध्यक्ष सुनील अर्पित इंडेन, सह कोषाध्यक्ष मुकेश एचपी गैस सर्विस पिपलुंद, सचिव हरित सिसोदिया चामुण्डा भारत गैस, सहसचिव सुरेश चौधरी कमल गैस सर्विस, मीडिया प्रभारी आबिद हुसैन रंगरेज डिलक्स इंडेन आसींद, मीडिया प्रभारी जीवन टांक महक भारत गैस, और प्रवक्ता राजेश सोलंकी को निर्विरोध चुना गया।

इस मौके पर भीलवाड़ा और शाहपुरा जिले के समस्त एलपीजी उपभोक्ताओं के लिए एलपीजी का सुरक्षित उपयोग और उपभोक्ताओ की एलपीजी से सुरक्षा के लिए कम्पनियों द्वारा चलाए जा रहे अभियान की जानकारी साझा की गई और साथ ही भारत सरकार के उपक्रम पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय द्वारा जारी आदेश के तहत सभी एलपीजी उपभोक्ताओं की ई केवाईसी के लिए आवश्यक कदम उठाने हेतु विषय रखे गए।

इस मौके पर अध्यक्ष रामेश्वर लाल खटीक ने बताया की सरकार के आदेशानुसार सभी एलपीजी उपभोक्ताओं को ई केवाईसी करवाना अति आवश्यक है जिस उपभोक्ता द्वारा एलपीजी की केवाईसी नही करवाई जाएंगी तो भविष्य में उन उपभोक्तो को रिफिल आपूर्ति वितरक द्वारा नही की जाएंगी साथ ही एलपीजी के सुरक्षित उपयोग हेतु सभी उपभोक्ताओ की सुरक्षा होज को बदलवाने व उपभोक्ता में एलपीजी की सुरक्षा जागरूकता को बढ़ाने के सार्थक प्रयास की पहल की गई। इस आयोजन में दोनों जिले के सभी वितरकों ने भाग लिया और अपने अपने विचार व्यक्त किए।

विराट कोहली भारत के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में से हैं और अगले महीने होने वाले टी20 विश्व कप में उनके बल्ले पर अंकुश लगाने के लिये रणनीति जरूर बनाई जायेगी। - बाबर आजम

पाकिस्तानी गेंदबाज, भारतीय क्रिकेटर विराट कोहली को सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज बताते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी ऋषभ पंत

आईपीएल प्लेऑफ की दौड़ में बने रहने के लिये दिल्ली कैपिटल्स को मंगलवार को हर हालत में राजस्थान रॉयल्स जैसी जबर्दस्त फॉर्म में चल रही टीम को हराना होगा और नजरें कप्तान ऋषभ पंत तथा जैक फ्रेसर मैकगुर्क के बल्ले पर लगी होंगी। दिल्ली ने अभी तक 11 में से पांच मैच जीते और छह हारे हैं। बाकी तीन मैच दिल्ली को हर हालत में जीतने होंगे। ऐसे में दिल्ली शायद सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के बाद भी क्वालीफाई नहीं कर सके लेकिन पंत का भरोसा महेंद्र सिंह धोनी की उस नीति पर है कि जिस पर नियंत्रण किया जा सकता है, उसी पर किया जाये।

क्या आप जानते हैं ?... इंग्लैंड के वाल्ट हैंड पहले क्रिकेटर थे जिन्होंने 100 कैच पकड़े, उन्होंने 1939 में वेस्टइंडीज के जॉर्ज हैडली का कैच पकड़कर यह उपलब्धि हासिल की।

टी-20 वर्ल्ड कप के लिए टीम इंडिया की जर्सी आई सामने

नई दिल्ली, 6 मई। इन दिनों फैंस पर आईपीएल का खुमार है वहीं 26 मई को आईपीएल की समाप्ती हो जाएगी। लेकिन उससे पहले ही फैंस में टी20 वर्ल्ड कप को लेकर

उत्साह बढ़ता दिख रहा है। 2 जून से शुरू होने वाले टी20 वर्ल्ड कप के लिए भारतीय स्क्वॉड का ऐलान तो पहले ही हो चुका है। वहीं अब काफी इंतजार के बाद टीम इंडिया की जर्सी भी सामने आई है। दरअसल, एडिडास ने आगामी टी20 वर्ल्ड कप के लिए भारत की जर्सी लॉन्च कर दी है। नई जर्सी में वी-शेप की नेक है जिस पर तिरंगे रंग की धारियां हैं। साथ ही बाजू पर केसरिया रंग पर एडिडास की तीन धारियां दिख रही हैं। जर्सी लॉन्च होने से पहले ही इसका फोटो सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। साथ ही एडिडास ने भी जर्सी लॉन्च कर दी है, धर्मशाला के मैदान के ऊपर हेलीकॉप्टर से जर्सी लॉन्च हुई है। इस दौरान कप्तान रोहित शर्मा, कुलदीप यादव, रविंद्र जडेजा भी दिख रहे हैं।

रोहित के लिए एक शब्द और धोनी को कैसे लाएं पंजाब किंग्स में

नई दिल्ली, 6 मई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2024 में पंजाब किंग्स के प्रदर्शन के बारे में प्रीति जिंटा क्या सोचती हैं और रोहित शर्मा के लिए एक शब्द क्या कहना चाहती हैं। जिंटा ने ऐसे ही फैन्स के सवालों के जवाब दिए। इंडियन प्रीमियर लीग 2024 में पंजाब किंग्स ने जैसी शुरुआत की और जिस तरह के करीबी मैच गंवाए, उसको लेकर टीम की को-ओनर प्रीति जिंटा कुछ ज्यादा खुश नहीं हैं। प्रीति जिंटा हर साल की तरह इस साल भी आईपीएल के दौरान पंजाब किंग्स को सपोर्ट करने के लिए कुछ मैचों में स्टेडियम में नजर आई थीं। प्रीति जिंटा ने ट्विटर (अब) पर अपने फैन्स के सवालों के जवाब दिए। इस दौरान उनसे काफी सारी सवाल क्रिकेट को लेकर भी किए गए, आईपीएल जारी है और ऐसे में प्रीति जिंटा से क्रिकेट को लेकर सवाल किए जाना लाजमी ही थीं। प्रीति जिंटा से एक फैन ने सवाल किया कि वह पंजाब किंग्स के प्रदर्शन के बारे में क्या कहेंगी, जिस पर जिंटा ने जवाब में लिखा, जाहिर है कि बहुत खुश नहीं हूं। हमने चार मैच आखिरी गेंद पर गंवाए, हमारा कप्तान चोटिल होकर बाहर गया, कुछ मैच शानदार रहे और कुछ हमारे लिए बेकार, हम फ्यूचर में तभी अच्छा करेंगे, जब हम अपने होम मैच जीतेंगे, फैन्स को हमारी जीत और हार में सपोर्ट करने के लिए थैंक यू।

इंडिया ताइक्वांडो चैम्पियन ऑफ चैम्पियंस टूर्नामेंट का सिरसा में आयोजन

सिरसा, 6 मई। हरियाणा के सिरसा शहर के शारदा इंडोर हॉल में इंडिया ताइक्वांडो के तत्वावधान में चल रही तीन दिवसीय सब जूनियर, कैडेट, जूनियर व सीनियर चैम्पियन ऑफ चैम्पियंस 2024 क्यूरुगी एंड पूमसे स्टॉप संपन्न हुई। प्रतियोगिता में महिला व पुरुषों सहित 250 खिलाड़ियों ने भाग लिया। वर्ल्ड ताइक्वांडो व एशियन ताइक्वांडो यूनियन से मान्यता प्राप्त इंडिया ताइक्वांडो द्वारा आयोजित इस टूर्नामेंट में पूरे भारतवर्ष के विभिन्न राज्यों से आए खिलाड़ियों के साथ-साथ स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया, एसएसबी, असम राइफल्स व मध्यप्रदेश व लखनऊ साई स्पोर्ट्स एकेडमी की टीमों ने भाग लिया। प्रतियोगिता का शुभारंभ जहां संजीव बेरी, अनीता बराला, एईओ सिरसा अनिल कुमार द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। प्रतियोगिता के समापन अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि भाजपा नेता डा. अशोक तंवर ने शिरकत की। जबकि उनके साथ जगदीश चोपड़ा, नीतीश महेंद्रू ने शिरकत की। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर हरियाणा, दूसरे स्थान पर एसएसबी आर्मी बॉयज व तीसरे स्थान पर लखनऊ साई ताइक्वांडो स्पोर्ट्स एकेडमी की टीम रही। प्रतियोगिता में सीनियर वर्ग 63-68 किलोग्राम भार वर्ग में कबीन्द्र सिंह असम राइफल सिल्वर व अफजल अली मध्यप्रदेश गोल्ड प्राप्त किया। 80-87 किलो भार वर्ग में दीक्षांत असम राइफल गोल्ड, रोबिन बराला हरियाणा ने सिल्वर प्राप्त किया। इसी प्रकार जूनियर वर्ग में 45 किलो से कम भार वर्ग में अमनदीप हरियाणा ने गोल्ड व मनीष कुमार दीवार एसएसबीबी आर्मी बॉयज सिल्वर प्राप्त किया।

धर्मशाला में भारत की पहली 'हाईब्रिड पिच' का अनावरण किया गया

नई दिल्ली, 6 मई। भारत की पहली 'हाईब्रिड पिच' का सोमवार को यहां हिमाचल प्रदेश क्रिकेट संघ स्टेडियम में भव्य समारोह में अनावरण किया गया। इस समारोह में आईपीएल चेयरमैन अरूण धूमल और इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर तथा एसआईएस के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट निदेशक पॉल टेलर जैसे क्रिकेट से जुड़े गणमान्य व्यक्तियों ने हिस्सा लिया। धूमल ने कहा, "इंग्लैंड में लार्ड्स और द ओवल जैसे प्रतिष्ठित स्थलों में सफलता के बाद हाईब्रिड पिचों के इस्तेमाल से भारत में क्रिकेट में क्रांति आएगी।" प्राकृतिक टर्फ और कृत्रिम फाइबर से बनने वाली हाईब्रिड पिच अधिक टिकाऊ होती है। इससे मैदानकर्मियों पर पिच को तैयार करने में कम दबाव होता है और साथ ही खेलने की परिस्थितियों के स्तर को बरकरार करने में भी अधिक समस्या नहीं होती।

सूर्या के शतक से मुंबई ने जीता चौथा मैच

हैदराबाद को 7 विकेट से हराया, हार्दिक-चावला को 3-3 विकेट

नई दिल्ली, 6 मई। मुंबई इंडियन प्रीमियर लीग में लगातार 4 हार के बाद पांच बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस को विजय मिली। टीम ने सनराइजर्स हैदराबाद को 7 विकेट से हराया, यह मुंबई की 12 मैचों में चौथी जीत रही। मुंबई से सूर्यकुमार यादव ने सेंचुरी लगाई, यह उनके करियर का दूसरा शतक रहा, उन्होंने 51 बॉल पर 102 रन बनाए।

टीम से पीयूष चावला और हार्दिक पंड्या ने 3-3 विकेट लिए। वानखेड़े स्टेडियम में मुंबई इंडियंस ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। हैदराबाद ने 20 ओवर में 8 विकेट के नुकसान पर 173 रन बनाए। मुंबई ने 17.2 ओवर में 3 विकेट खोकर ही टारगेट हासिल कर लिया। मुंबई के सूर्यकुमार यादव ने 18वें ओवर की दूसरी बॉल पर छक्का लगाया। इसी के साथ उन्होंने अपनी सेंचुरी पूरी की और टीम को जीत भी दिला दी।

सूर्या 52 बॉल में 102 रन बनाकर नॉटआउट रहे। उन्होंने तिलक वर्मा के साथ 143 रन की पार्टनरशिप भी की। तिलक ने 32 बॉल पर 37 रन बनाए। सूर्यकुमार यादव ने शाहबाज अहमद के खिलाफ लॉन्ग लेग की दिशा में चौका लगाया। इसी के साथ उन्होंने तिलक वर्मा के साथ सेंचुरी पार्टनरशिप भी पूरी कर ली। टीम ने 31 रन के स्कोर पर 3 विकेट गंवा दिए थे। सूर्यकुमार यादव और तिलक वर्मा ने मुंबई को शुरुआती झटकों से उबारा। दोनों ने फिफ्टी पार्टनरशिप की और टीम का स्कोर 100 रन तक पहुंचाया। मुंबई ने 31 रन के स्कोर पर ही 3 विकेट गंवा दिए थे।

यूरोप दौरे पर भारतीय जूनियर महिला टीम की कप्तान होगी ज्योति

नई दिल्ली, 6 मई। डिफेंडर ज्योति सिंह को 21 से 29 मई तक होने वाले यूरोप दौरे के लिये भारत की 22 सदस्यीय जूनियर महिला हॉकी टीम का कप्तान चुना गया जबकि मिडफील्डर साक्षी राणा उपकप्तान होंगी। भारतीय टीम बेल्जियम, जर्मनी और नीदरलैंड के दो क्लबों ब्रेडेस हॉकी वेरेनिजिंग पुश और आरेंजी रूड से छह मैच खेलेगी। ज्योति ने हॉकी इंडिया की एक विज्ञप्ति में कहा, "टीम में अच्छा तालमेल है। हम सभी एक दूसरे को बखूबी जानते हैं। सभी हुनरमंद और प्रतिभाशाली हैं। विदेश में शीर्ष टीमों के खिलाफ खेलना सीखने के लिये बहुत अच्छा होगा।"

भारतीय टीम 21 मई को ब्रेडस हॉकी वेरेनिजिंग पुश से पहला मैच खेलेगी और 22 मई को ब्रेडा में ही बेल्जियम से खेलेगी। इसके बाद 24 मई को बेल्जियम में मेजबान से खेलना है। इसके बाद जर्मनी से 26 मई को ब्रेडा और 27 मई को जर्मनी में खेलना है। इसके बाद 29 मई को ब्रेडा में आरेंजी रूड से आखिरी मैच खेलना है। इन दिनों फैंस पर आईपीएल का खुमार है वहीं 26 मई को आईपीएल की समाप्ती हो जाएगी। लेकिन उससे पहले ही फैंस में टी20 वर्ल्ड कप को लेकर उत्साह बढ़ता दिख रहा है। 2 जून से शुरू होने वाले टी20 वर्ल्ड कप के लिए भारतीय स्क्वॉड का ऐलान तो पहले ही हो चुका है। वहीं अब काफी इंतजार के बाद टीम इंडिया की जर्सी भी सामने आई है।

दरअसल, एडिडास ने आगामी टी20 वर्ल्ड कप के लिए, भारत की जर्सी लॉन्च कर दी है। नई जर्सी में वी-शेप की नेक है जिस पर तिरंगे रंग की धारियां हैं। साथ ही बाजू पर केसरिया रंग पर एडिडास की तीन धारियां दिख रही हैं। जर्सी लॉन्च होने से पहले ही इसका फोटो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। साथ ही एडिडास ने भी जर्सी लॉन्च कर दी है, धर्मशाला के मैदान के ऊपर हेलीकॉप्टर से जर्सी लॉन्च हुई है। इस दौरान कप्तान रोहित शर्मा, कुलदीप यादव, रविंद्र जडेजा भी दिख रहे हैं।

ट्वंटी-20 वर्ल्ड कप पर आतंकी खतरा

विंडीज में हमले की धमकियों के पीछे पाक का हाथ

नई दिल्ली, 6 मई। यूएसए और वेस्टइंडीज की सह मेजबानी में अगले महीने से होने जा रहे आगामी टी20 वर्ल्ड कप 2024 पर आतंकी साया मंडरा रहा है। मेजबान कैरेबियाई देश को आतंकवादी हमले की धमकियां मिलने लगी है और इसके सीधे तार पाकिस्तान से जुड़े हुए हैं। यहां तक कि, इसको लेकर वीडियो मैसेज भी प्रसारित किए जा रहे हैं, जिसके बाद सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट हो गई हैं।कैरेबियाई मीडिया ने जानकारी दी है कि प्रो इस्लामिक स्टेट यानी मीडिया सोर्स टूर्नामेंट के आयोजकों के खिलाफ हिंसा भड़काने में लगे हुए हैं। रिपोर्ट में हिंसा भड़काने के लिए चलाए जा रहे अभियान का खुलासा किया गया है। आईएस की अफगानिस्तान-पाकिस्तान शाखा आईएस खुरासन के वीडियो संदेश भी मिले हैं, जिसमें कई देशों पर हमलों और खून-खराबे का जिक्र किया गया है और आतंकी समूह के समर्थकों से इसमें शामिल होने की अपील भी की गई है। कैरेबियाई देशों को आतंकी संदेश मिलने के बाद टी20 वर्ल्ड कप के सह मेजबान क्रिकेट वेस्टइंडीज के लिए सुरक्षा संबंधी चिंताएं बढ़ गई हैं। हालांकि बोर्ड के सीईओ जॉनी ग्रेव्स ने सुरक्षा को लेकर ढांढस बंधाया है। जॉनी ग्रेव्स ने क्रिकबज से बातचीत में कहा है कि, हम मेजबान देशों और शहरों में अधिकारियों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं और हमारे आयोजन के लिए पहचाने गए किसी भी जोखिम को कम करने के लिए उचित योजनाएं सुनिश्चित करने के लिए वैश्विक परिदृश्य की लगातार निगरानी और मूल्यांकन किया जा रहा है।

अजमल की संघर्षपूर्ण जीत, हिंदुस्तान औ नेशनल का मैच रहा ड्रॉ

नई दिल्ली, 6 मई। डीएसए सीनियर डिवीजन लीग के एक रोमांचक मुकाबले में अजमल एफसी ने दिल्ली टाइगर्स को 4-2 से हरा कर सुपर सिक्स में पहुंचने की संभावना को बनाए रखा है। विनोद नगर स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स में खेले गए दिन के पहले मैच में नेशनल यूनाइटेड और हिंदुस्तान एफसी के बीच मैच 2-2 से ड्रा रहा और दोनों टीमों के बीच अंक बांट गए।

अजमल के लिए अभय सिंह, हैरी, पंकज नेगी और शोर्यबल्या ने गोल दागे। टाइगर्स ने जमकर संघर्ष किया और विलबुय एवम अक्षय हुरिया के गोलों से मैच में वापसी की लेकिन कुछ प्रमुख खिलाड़ियों की अनुपस्थिति के चलते मैच गंवाना पड़ा। हिंदुस्तान और नेशनल खेले गये मुकाबले मे हिंदुस्तान ने तालिब नजीर और रॉबिनसन के गोलों से दो गोलों की बढ़त लेने के बाद प्रतिद्वंद्वी को आसानी से लिया और दो हास्यास्पद गोल खा कर अंक बांट लिए। नेशनल के लिए लालबोइलें और विलबर्ट ने तोहफे में मिले गोल। नेशनल और हिन्दुस्तान ने 15-15 मैच खेलने के बाद क्रमशः 15 और 14 अंक हैं।

चैम्पियंस ट्रॉफी 2025 के लिए पाकिस्तान का दौरा करेगी टीम इंडिया

बीसीसीआई ने दिया बड़ा अपडेट

नई दिल्ली, 6 मई। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 को लेकर एक बड़ा अपडेट सामने आया है। दरअसल, अगले साल होने वाले चैंपियंस ट्रॉफी में भारत और पाकिस्तान के बीच तनावपूर्ण राजनीतिक संबंधों के कारण भारतीय टीम के पाकिस्तान जाने पर अनिश्चितताओं के बादल मंडरा रहा है। जिस पर अब बीसीसीआई के उपाध्यक्ष अध्यक्ष राजीव शुक्ला का बयान सामने आया है।

बता दें कि, 2025 में फरवरी-मार्च में होने वाले चैंपियंस ट्रॉफी 1996 वनडे वर्ल्ड कप के बाद पाकिस्तान किसी बड़े आईसीसी टूर्नामेंट की मेजबानी करेगा। बीसीसीआई के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने टीम इंडिया के चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए पाकिस्तान जाने पर बयान देते हुए कहा है कि टीम की भागीदारी सरकार पर निर्भर करती है। उपाध्यक्ष ने अगले साल पाकिस्तान में खेले जाने वाले चैंपियंस ट्रॉफी को लेकर को बयान दिया है। जहां उन्होंने कहा कि, चैंपियंस ट्रॉफी के मामले में भारत सरकार हमें जैसे कहेगी, वैसे ही किया जाएगा। जब भारत सरकार अनुमति देती है तभी हम अपनी टीम भेजते हैं। उस मामले में हम भारत सरकार के निर्णय के हिसाब से जाएंगे।

बता दें कि, मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा था कि भारत 2025 आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान जा सकता है और टीम के सभी मैच संभावित रूप से लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में आयोजित किए जाएंगे। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने श्रीलंका में जुलाई में होने वाली बोर्ड बैठक में चर्चा के लिए एक मसौदा प्रस्तुत किया है। आईसीसी की सुरक्षा दल ने व्यवस्थाओं का आंकलन करने के लिए पाकिस्तान का दौरा किया है।

भारतीय पुरुष और महिला 4 गुणा 400 मीटर रिले टीमों को ओलंपिक कोटा

नासाउ, 6 मई। भारतीय पुरुष और महिला टीमों ने विश्व एथलेटिक्स रिले प्रतियोगिता की 4 गुणा 400 मीटर रिले स्पर्धा में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए पेरिस ओलंपिक 2024 का कोटा हासिल कर लिया है। थॉमस ए रॉबिन्सन स्टेडियम में शनिवार को क्वालीफाई करने में असफल रहने वाली सभी टीमों ने रविवार को एक अतिरिक्त क्वालीफाइंग राउंड में प्रतिस्पर्धा की। भारतीय पुरुष और महिला टीमों ने दूसरे दौर की हीट में 4 गुणा 400 मीटर स्पर्धा में दूसरे स्थान पर रहकर पेरिस ओलंपिक 2024 का कोटा हासिल किया। मोहम्मद अनस याहिया, मोहम्मद अजमल, अरोकिया राजीव और अमोज जैकब की भारतीय पुरुष 4 गुणा 400 मीटर रिले टीम ने सत्र का सर्वश्रेष्ठ समय 3:03.23 का समय के साथ हीट 2 में अमेरिका से पीछे रहकर पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाइ किया।

टी-20 वर्ल्ड कप से पहले फंसा पेंच, आयरलैंड सीरीज के लिए वीजा ना मिलने से बाहर हो सकते हैं मोहम्मद आमिर

नई दिल्ली, 6 मई। टी 20 वर्ल्ड कप से पहले पाकिस्तान क्रिकेट टीम के लिए एक बुरी खबर है। दरअसल, पाकिस्तान टीम आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप से पहले आयरलैंड और इंग्लैंड के दौरे के लिए रवाना होने के लिए तैयार है, लेकिन टीम के प्रमुख तेज गेंदबाज मोहम्मद आमिर अपनी टीम के साथ उड़ान नहीं बहार पाएंगे। पाकिस्तान की टीम को 10 मई से आयरलैंड के खिलाफ तीन टी20 मैचों की सीरीज खेलनी है।

उससे पहले टीम के तेज गेंदबाज मोहम्मद आमिर को वीजा मिलने में देरी के कारण वह टीम के साथ उड़ान नहीं भरेंगे। हालांकि, पाकिस्तानी क्रिकेट बोर्ड को विश्वास है कि जल्द ही मोहम्मद आमिर के वीजा मामले को सुलझा लिया जाएगा। गौरतलब है कि, मोहम्मद आमिर के लिए ये कोई नई बात

नहीं है। इससे पहले वह स्पॉट फिक्सिंग मामले में ब्रिटेन में जेल भी जा चुके हैं। लेकिन उनके ऐसे अतीत के कारण उन्हें अमेरिका में होने वाले टी20 वर्ल्ड कप के लिए वीजा मिलने में परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। दरअसल, अमरेकि का वीजा मिलने में ऐसे लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। जो अपने अतीत में किसी क्राइम में जुड़े रहे हो। अगर ऐसा होता है तो पाकिस्तान के लिए बड़ा झटका साबित हो सकता है।

भारतीय शतरंज इकोसिस्टम को विकसित करने के लिए 65 करोड़ रुपये का बजट

नयी दिल्ली, 6 मई। अखिल भारतीय शतरंज महासंघ के नवनिर्वाचित अध्यक्ष नितिन नारंग ने भारतीय शतरंज को अभूतपूर्व ऊंचाइयों तक पहुंचाने और देश में शतरंज इकोसिस्टम को विकसित करने के लिए 65 करोड़ रुपये का बजट तैयार किया है।

एआईसीएफ की आम सभा में इस पर चर्चा की गयी जिनका उद्देश्य पेशेवर और जमीनी स्तर के खिलाड़ियों के लिए वित्तीय और संस्थागत सहायता प्रदान करके भारतीय शतरंज इकोसिस्टम को मजबूत करना है। राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों के लिए एआईसीएफ प्रो और एआईसीएफ पॉपुलर जैसे कार्यक्रमों का शुभारंभ, हर घर शतरंज के दृष्टिकोण को घरों में वास्तविकता प्रदान करेगा। कई प्रस्ताव जैसे शतरंज विकास निधि, सभी स्तरों पर खिलाड़ी अनुबंध और कोचिंग के साथ मजबूत वित्तीय सहायता की शुरुआत, जिला और राज्य संघों को आर्थिक रूप से समर्थन देना, विशिष्ट स्तर के प्रशिक्षण के लिए एक अत्याधुनिक राष्ट्रीय शतरंज अखाड़ा (एनसीए) की स्थापना, विशेष रूप से भारत के लिए एआईसीएफ रेटिंग प्रणाली, अभूतपूर्व पहल के रूप में काम करेंगी और आने वाले वर्षों में भारतीय शतरंज इकोसिस्टम के विकास को गति देंगी।

नारंग ने कहा खिलाड़ी शतरंज के केंद्र में हैं और कई लोगों को धन, संस्थागत समर्थन और अवसरों की कमी के कारण अपने जुनून से समझौता करना पड़ता है। मैं 65 करोड़ रुपये के बजट में शुरू की गई पहलों के माध्यम से प्रत्येक खिलाड़ी के सपने को साकार करने के लिए प्रतिबद्ध हूं।

भारतीय महिला टीम ने डीएलएस पद्धति से बांग्लादेश को 56 रनों से हराया

सिलहट, 6 मई। कप्तान हरमनप्रीत कौर (39) रन और उसके बाद गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत भारतीय महिला टीम ने सोमवार को वर्षा बाधित चौथे टी-20 मुकाबले में डकवर्थ लुईस नियम (डीएलएस पद्धित) से बांग्लादेश को 56 रनों से हरा दिया है। इस जीत के साथ भारतीय टीम पांच मैचों की श्रृंखला में 4-0 बढ़त बना ली है। वर्षा के कारण बांग्लादेश को 14 ओवर में जीत लिये 125 रनों के लक्ष्य मिला था। बांग्लादेश की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने चौथे ओवर में मुर्शीदा खातून (1) का विकेट गवां दिया। इसके बाद आठवें ओवर में दिलारा अख्तर (21) रन बनाकर पवेलियन लौट गयी। रुबिया हैदर (13), कप्तान निगार सुल्ताना (1), शोरना अख्तर (5), ऋतु मोनी (1) राबेया खान (8) रन बनाकर आउट हुई। शोरिफा खातून 11 और नाहिदा अख्तर दो रन बनाकर नाबाद रही। भारतीय गेंदबाजों के आगे बांग्लादेश का कोई भी बल्लेबाज टिक नहीं खेल सका। बांग्लादेश की टीम 14 ओवर में सात विकेट पर 68 रन ही बना सकी और मुकाबला 56 रनों से हरा गयी। भारत की ओर से दीप्ति शर्मा और शोभना आशा ने दो-दो विकेट लिये। पूजा वस्त्रकर और राधा यादव को एक-एक विकेट मिला। इससे पहले आज यहां सिलहट अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में बांग्लादेश की महिला टीम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने दूसरे ही ओवर में शेफाली वर्मा (2) रन का विकेट गवां दिया।

माही भाई भी मदद नहीं कर सकते, हार्दिक पांड्या को क्यों सताने लगी धोनी की याद

नई दिल्ली, 6 मई। मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पांड्या ने महेंद्र सिंह धोनी का खासतौर पर जिक्र किया है। उन्होंने कहा कि हम गलतियां करके बहुतकुछ सीखते हैं। इसे कोई और नहीं सिखा सकता।

मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पांड्या ने महेंद्र सिंह धोनी का खासतौर पर जिक्र किया है। उन्होंने कहा कि हम गलतियां करके बहुतकुछ सीखते हैं। इससे होने वाले अनुभव से जो हम सीखते हैं, वह हमें कोई नहीं सिखा सकता। यहां तक कि माही भाई भी नहीं। मुंबई इंडियंस और सनराइजर्स हैदराबाद मैच से पहले हार्दिक ने यह बात कही। गुजरात टाइटंस को एक के बाद एक फाइनल में पहुंचाने वाले हार्दिक मुंबई इंडियंस में बतौर कप्तान लौटे हैं। हालांकि अभी तक का एमआई का

सफर कुछ खास नहीं रहा है। मुंबई की टीम प्लेऑफ की दौड़ से बाहर होकर अब आत्मसम्मान की लड़ाई लड़ रही है। इस बीच हार्दिक के ऊपर टी20 वर्ल्डकप में उपकप्तानी की जिम्मेदारी भी आ गई है।

हार्दिक ने कहा कि गलतियों से सीखना एक अलग तरह का अनुभव है। यहां पर आप जो कुछ सीखते हैं, वैसा तो आपका कोई करीबी भी नहीं सिखा सकता है। आपके आदर्श भी इस बारे में आपको कुछ नहीं बता सकते। स्टार स्पोर्ट्स पर बातचीत के दौरान हार्दिक ने इसी को लेकर धोनी का खासतौर पर जिक्र किया। पांड्या ने कहा कि कुछ हद तक माही भाई भी इस मामले में आपकी कोई मदद नहीं सकते। हार्दिक पांड्या ने कहा कि मैं हमेशा से वह शख्स रहा हूं, जो जिम्मेदारी उठाना चाहता है। मेरा मानना है कि जब आप जिम्मेदारी लेते हैं तो आप वह चीज आपकी हो जाती है। गलतियों के साथ भी मेरे लिए कुछ ऐसा ही है। मैं हमेशा गलतियों से सीखना चाहता हूं।

राष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी सुमनदीप ने भाखड़ा नहर में कूदकर जान दी

पटियाला, 6 मई। राष्ट्रीय स्तर की हॉकी खिलाड़ी सुमनदीप कौर ने कथित तौर पर अपने भाई और भाभी से झगड़े के बाद पंजाब के भाखड़ा नहर में कूदकर अपनी ईहलीला समाप्त कर ली। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पिता की शिकायत पर भाई और भाभी के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। सुमनदीप के पिता जसपाल सिंह ने पुलिस को बताया कि उनकी बेटी पंजाब यूनिवर्सिटी में एमए की पढ़ाई कर रही थी। वह अपने बेटे विक्रमजीत सिंह और उसकी पत्नी पिंकी की ओर से सुमनदीप के साथ दुर्व्यवहार से व्यथित थे। पुलिस ने कहा कि सुमनदीप के भाई को गिरफ्तार कर लिया गया है जबकि पिंकी की तलाश की जा रही है। पुलिस ने सुमनदीप का शव बरामद कर लिया है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को राजस्थान से भारतीय प्रशासनिक सेवा के लिए चयनित युवाओं से मुलाकात की और उन्हें उनकी कामयाबी के लिए बधाई दी। मुख्यमंत्री ने चयनित युवाओं का साफा पहनाकर, शॉल ओढ़ाकर व स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया। उन्होंने कहा कि, इतनी बड़ी संख्या में राजस्थान से छात्र प्रशासनिक सेवा में चयनित हुये हैं, यह पूरे प्रदेश के लिए बेहद गर्व का विषय है।

मु.मंत्री भजनलाल यू.पी.एस.सी. में चयनित युवाओं से मिले

मु.मंत्री भजनलाल ने युवाओं का साफा पहनाकर व शॉल ओढ़ाकर अभिनंदन किया

- **मुख्यमंत्री ने कहा, सिविल सेवा में चयनित युवा देश के कर्णधार और प्रहरी हैं, उन्हें समाज को सही दिशा देकर देश व प्रदेश को आगे बढ़ाना है।**
- **इस अवसर पर मुख्य सचिव सुधांश पंत, पुलिस महानिदेशक यू.आर. साहू सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।**

जयपुर, 6 मई (का.सं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर संघ लोक सेवा आयोग परीक्षा-2023 में राजस्थान से चयनित युवाओं से मिले तथा उन्हें हार्दिक बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। मुख्यमंत्री ने युवाओं को साफा पहनाकर, शॉल ओढ़ाकर तथा स्मृति चिन्ह भेंट कर शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा, यह बहुत गौरव का विषय है कि, देश की सबसे प्रतिष्ठित सिविल सेवा परीक्षा में राजस्थान से इतनी बड़ी संख्या में युवा चयनित हुए हैं। आपके माता-पिता के आशीर्वाद तथा कड़ी मेहनत एवं लगन से यह संभव हो पाया है। उन्होंने कहा, स्वामी विवेकानंद ने कहा था कि, 21वीं सदी भारत की है। वर्तमान में हम प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में इस सपने को साकार होता देख रहे हैं तथा युवाओं के योगदान से दुनिया में भारत का दबदबा बढ़ा है।

शर्मा ने कहा कि, "सिविल सेवा परीक्षा में चयनित युवा देश के कर्णधार तथा प्रहरी हैं, उन्हें समाज को सही दिशा देते हुए देश और प्रदेश को आगे बढ़ाने का काम करना है। अभाव में आए प्रत्येक व्यक्ति की बात संवेदनशीलता से सुनकर उनके काम को पूरा करना है।" उन्होंने चयनित युवाओं से कहा कि, किसी भी जगह नियुक्ति हो वो पूरी ऊर्जा, ईमानदारी एवं समर्पण भाव से काम करें क्योंकि, आने वाला समय युवाओं का है।

आपको अपने श्रेष्ठ विचारों तथा अनुभवों से मोदी के, 2047 तक भारत को विकसित देश बनाने के विज़न को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभानी है।

उन्होंने युवाओं से कहा कि, इस परीक्षा में जिन युवाओं का उम्मीद अनुसार परिणाम नहीं आया है, उन्हें निराश ना होकर पूरे समर्पण भाव से पुनः कोशिश करनी चाहिए।

कार्यक्रम में, चयनित युवाओं ने शिक्षा प्रणाली में सुधार, महिला सशक्तिकरण, राज्य में पर्यटन को बढ़ावा, स्वच्छता सर्वेक्षण में राज्य की स्थिति सुधारने सहित विभिन्न विषयों पर अपने विचार भी साझा किए। कार्यक्रम के अंत में मुख्यमंत्री के साथ चयनित युवाओं का सामूहिक फोटो सेशन भी हुआ। इस अवसर पर मुख्य सचिव सुधांश पंत, पुलिस महानिदेशक यू.आर. साहू सहित मुख्ममंत्री कार्यालय के वरिष्ठ अधिकारी एवं यू.पी.एस.सी.-2023 में राजस्थान से चयनित युवा मौजूद थे।

महाराष्ट्र में तूफानी प्रचार में जुटे शरद पवार की तबीयत खराब हुई

डॉक्टरों की सख्त सलाह के बाद शरद पवार को अपने सभी प्रचार कार्यक्रम कैंसिल करने पड़े

- **बारामती, बीड, सतारा समेत महाराष्ट्र की तमाम सीटों पर शरद पवार दिन-रात प्रचार कर रहे थे, लेकिन इस बीच उनकी सेहत खराब हो गई है।**
- **अब प्रचार की पूरी कमान खुद सुप्रिया सुले और उनके पोते रोहित पवार के हाथों में आ गई है।**

मुंबई, 6 मई। महाराष्ट्र की राजनीति के भीष्म पितामह कहे जाने वाले शरद पवार चुनाव में काफी मेहनत कर रहे हैं। बारामती, बीड, सतारा समेत महाराष्ट्र की तमाम सीटों पर वह दिन-रात प्रचार कर रहे हैं, लेकिन इस बीच उनकी सेहत खराब हो गई है। इसके चलते डॉक्टरों ने सीनियर पवार को आराम करने की सलाह दी है। इसकी वजह से सोमवार के उनके सभी तय कार्यक्रमों को रद्द कर दिया गया है। डॉक्टरों से सलाह के बाद पवार और उनके परिवार ने यह फैसला लिया है। अब प्रचार की पूरी कमान खुद सुप्रिया सुले और रोहित पवार के हाथों में है। यही नहीं अब उनकी पार्टी एन.सी.पी.-शरद चंद्र पवार के नेता भी अपील कर रहे हैं कि वह आराम करें। बीड लोकसभा सीट से एनसीपी-शरद पवार के कैंडिडेट बजरंग सोनवाने ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया है कि शरद पवार को आराम करना चाहिए। उन्होंने लिखा, साहेब, आप अपनी सेहत का ध्यान रखें। विधायक और शरद पवार के पोते रोहित पवार ने कहा कि सीनियर पवार बीते 20 दिनों से 4 ही घंटे सो रहे हैं। चुनाव में खूब मेहनत करने के चलते थकान हुई है और स्वास्थ्य थोड़ा खराब है।

शरद पवार ने कल बारामती में भी एक रैली को संबोधित किया था। इस दौरान उन्होंने लोगों से अपील की थी कि वे इस बार ऐतिहासिक जनादेश दें। अब शरद पवार की सेहत को लेकर बीड के उम्मीदवार बजरंग सोनवाने ने लिखा, सर, कृपया अपनी सेहत का ख्याल रखें। जीत आपके चरणों में है। बस आप अपनी सेहत का ध्यान रखिए। आपको तो बारिश भी नहीं रोक सकी थी। सोनवाने ने लिखा कि आपकी सेहत खराब है। आपने तो बीते 60 सालों में कई चुनाव देखे हैं। कई चुनाव तो आपके ही नाम पर बीते दशकों में हुए हैं। आपके नेतृत्व में महाराष्ट्र के लोगों ने दिल्ली की चुनौती को हराया है। लेकिन आप ध्यान दें कि इस लड़ाई को हमारे ऊपर छोड़िए। आप सिर्फ सेहत का ख्याल रखें।

डी.के. शिवकुमार ने कार्यकर्ता को जड़ा थप्पड़

बैंगलुरु, 6 मई। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इसमें वह एक शख्स को थप्पड़ मारते नजर आ रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, शनिवार को हावेरी में चुनावी रैली के दौरान का यह वाकया है। शिवकुमार ने जिस व्यक्ति को थप्पड़ मारा, वह कांग्रेस कार्यकर्ता बताया जा रहा है। यह वीडियो क्लिप बीजेपी के कई सोशल मीडिया हैंडल्स से शेयर किया गया है। साथ ही, अपने कार्यकर्ताओं के साथ इस तरह के व्यवहार के लिए कांग्रेस पर सवाल उठाए हैं। दरअसल, डीके शिवकुमार हावेरी में धारवाड़ से कांग्रेस के लोकसभा उम्मीदवार विनोदा असूती के लिए प्रचार करने पहुंचे थे। यहां पर उन्होंने चुनावी रैली का नेतृत्व किया।

वायरल वीडियो क्लिप में देखा जा सकता है कि डीके शिवकुमार कार से बाहर निकलते हैं। इस दौरान लोगों की भीड़ और कांग्रेस कार्यकर्ता उन्हें घेर लेते हैं। साथ वे जोर-जोर से नारे लगाने लगते हैं।

'राज्यपाल घबरा क्यों रहे हैं जो उन्हें स्पेशल पावर्स को ढाल बनाना पड़ रहा है'

- **प. बंगाल के राज्यपाल पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाने वाली पीड़िता ने कहा कि, राज्यपाल अपनी स्पेशल पावर्स का खुल्लम-खुल्ला इस्तेमाल कर जांच में बाधा डाल रहे हैं**
- **गौरतलब है कि, राज्यपाल ने रविवार को संवैधानिक सुरक्षा का हवाला देते हुए राजभवन के कर्मचारियों को निर्देश जारी किए हैं कि, वे डायरेक्ट या फिर फोन पर किसी तरह का जवाब ना दें। इसके अलावा पुलिस से भी बात करने से बचें।**

कोलकाता, 6 मई। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल पर राजभवन में ही काम करने वाली कर्मचारी ने यौन उत्पीड़न के आरोप लगाए हैं। वहीं पश्चिम बंगाल पुलिस ने मामले की जांच के लिए टीम भी गठित कर दी है। रविवार को संवैधानिक सुरक्षा का हवाला देते हुए राज्यपाल ने राजभवन के कर्मचारियों को निर्देश जारी किए हैं कि वे डायरेक्ट या फिर फोन पर किसी तरह का जवाब ना दें।

इसके अलावा पुलिस से भी बात करने से बचें। राज्यपाल के इस आदेश के बाद पीड़िता ने सवाल किया है कि आखिर राज्यपाल इतना डरे क्यों हैं कि उन्हें संवैधानिक ताकत की ढाल की जरूरत पड़ रही है। पीड़िता ने कहा कि राज्यपाल को जांच में बाधा नहीं डालनी चाहिए।

बता दें कि रविवार क सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए राज्यपाल ने कहा था, इस मामले में किसी तरह का ऑनलाइन या ऑफ लाइन बयान देने से बचें। उन्होंने यह भी कहा था कि पुलिस को भी नजरअंदाज करें। तीन दिन पहले ही गुरुवार को एक महिला कर्मचारी ने पुलिस के पास राज्यपाल के खिलाफ शिकायत दर्ज करवाई थी।

पीड़िता ने कहा कि वह राज्यपाल साथ लाइ डिटेक्टर टेस्ट में भी बैठने को तैयार है। उन्होंने कहा, अगर राज्यपाल निर्दोष हैं तो वह भाग क्यों रहे हैं। उन्होंने दो बार मेरा उत्पीड़न किया। सच, सच ही रहेगा। मुझे फर्क नहीं पड़ता कि लोग मेरे बारे में क्या सोचते हैं। बड़ी बात है कि सर के अंदर दूसरी महिलाओं से छेड़छाड़ करने की हिम्मत है और वह साधारण महिलाओं के साथ ऐसा करते हैं।

पीड़िता ने कहा कि उसका परिवार इतना सक्षम नहीं है कि लंबी कानूनी लड़ाई लड़ सके। इसके अलावा उसकी नौकरी भी चली गई है। परिवार की सामाजिक छवि को भी धक्का लगा है। लोग उससे ही सवाल पूछ रहे हैं। उन्होंने कहा, मुझे पता है कि मैं एक हारी हुई जंग लड़ रही हूं।

पूर्व मु.मंत्रियों को रायबरेली ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अभी भी उनका विशेष स्थान है।

सूत्रों का कहना है, दिल्ली में यह खबरें पहुँच गई हैं कि, पुत्र वैभव गहलोत के चुनाव के लिए अशोक गहलोत का सौ करोड़ का बजट था और चुनाव में उन्होंने हाथ खोलकर पैसा खर्च किया। हालांकि, अधिकतर लोग वैभव की जीत की संभावना बहुत कम बता रहे हैं।

विभिन्न क्षेत्रों में जनता का समर्थन मिलने के बावजूद कांग्रेस भारी आर्थिक तंगी से गुज़र रही है, जिससे चुनाव लड़ना मुश्किल हो रहा है और यही कारण है कि, संकट में घिरी पार्टी की मदद करने के लिए दोनों पूर्व मुख्यमंत्रियों को एक बार फिर नियुक्त किया गया है।

सवाल है कि वी.आई.पी. सीटों के लिए पैसे का जुगाड़ क्यों किया गया है और साधारण सीटों को उम्मीदवारों के भाग्य पर क्यों छोड़ दिया गया है। जबकि, पार्टी के बाकी प्रत्याशियों को चुनाव का खर्च वहन करने में भारी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है।

उदाहरण के लिए पुरी (उड़ीसा) में कांग्रेस प्रत्याशी सुचरिता मोहन्ती ने मल्लिकार्जुन खड़गे को पत्र लिखा कि, वो अपनी उम्मीदवारी वापस ले रही हैं क्योंकि, ए.आई.सी.सी. प्रभारी अजय कुमार ने उनसे कहा कि, फण्ड का इंतजाम उन्हें स्वयं करना होगा और ए.आई.सी.सी. उनकी कोई मदद नहीं कर सकती।

सुचरिता ने अंततः अपनी उम्मीदवारी वापस ले ली क्योंकि उनके पति व वे स्वयं पत्रकार हैं और भाजपा तथा बी.जे.डी. के धुरंधरों के खिलाफ चुनाव लड़ने का खर्च वहन करना उनके बस की बात नहीं है।

केजरीवाल पर खालिस्तान से 134 करोड़ रु. लेने का आरोप

दिल्ली के उपराज्यपाल ने खालिस्तानी आतंकी को छोड़ने की एवज में पैसे लेने के इन आरोपों की जांच के लिए एन.आई.ए. से सिफारिश की

- **उप राज्यपाल को केजरीवाल के खिलाफ शिकायत प्राप्त हुई है, उसी के आधार पर उप राज्यपाल ने जांच कराने का फैसला किया है।**
- **केजरीवाल पर आरोप है कि, उन्होंने जेल में बंद आतंकी देवेंद्र पाल भुल्लर की रिहाई की एवज में खालिस्तानी संगठन, सिख फॉर जस्टिस से पैसे लिये हैं।**

नई दिल्ली, 6 मई। दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। कथित शराब घोटाले में लगे आरोपों की वजह से जेल में बंद अरविंद केजरीवाल के खिलाफ उप राज्यपाल वी.के. सक्सेना ने नैशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एन.आई.ए.) से भी जांच की सिफारिश कर दी गई है। बताया जा रहा है कि, राजभवन को शिकायत मिली थी जिसमें केजरीवाल पर खालिस्तानी आतंकी संगठन से पैसा लेने का आरोप है। दावा किया गया है कि केजरीवाल ने प्रतिबंधित आतंकी संगठन सिख फॉर जस्टिस (एस.एफ.जे.) से पैसा लिया था।

केंद्रीय गृह सचिव को लिखे लेटर में उपराज्यपाल सचिवालय ने कहा कि सक्सेना को शिकायत मिली थी कि केजरीवाल की अगुआई वाली पार्टी ने देवेंद्र पाल भुल्लर की रिहाई के लिए चरमपंथी खालिस्तानी समूहों से 1.6 करोड़ डॉलर की फंडिंग ली थी। राजभवन की ओर से कहा गया कि शिकायतकर्ता की ओर से दिए गए इलेक्ट्रॉनिक सबूतों की फॉरेंसिक जांच और पूरे मामले की पड़ताल की आवश्यकता है। केजरीवाल को कथित शराब घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस में 21 मार्च को गिरफ्तार किया गया था। वह तब से ही जेल में बंद हैं।

हाल ही में खालिस्तानी आतंकी पन्नू ने भी एक वीडियो जारी करके दिल्ली के मुख्यमंत्री पर गंभीर आरोप लगाए थे। पन्नू ने दावा किया था कि उसके संगठन ने 2014 से 2022 के बीच आम आदमी पार्टी को 16 मिलियन डॉलर (करीब 134 करोड़ रुपए) दिए।

दो आतंकियों का स्कैज जारी

श्रीनगर, 6 मई। जम्मू-कश्मीर के पुंछ में पिछले हफ्ते भारतीय वायु सेना के काफिले पर आतंकी हमला हुआ। सुरक्षा बलों ने इसे अंजाम देने वाले 2 पाकिस्तानी आतंकवादियों के स्केच जारी किए हैं। साथ ही उनकी गिरफ्तारी को लेकर सूचना देने वाले को 20 लाख रुपये का इनाम देने की घोषणा हुई है। मालूम हो कि शनिवार शाम को पुंछ में शाहसितार के पास दहशतगर्दों ने वायुसेना के काफिले पर हमला कर दिया, जिसमें वायु सेना के जवान कॉर्पोरल विक्की पहाड़े शहीद हो गए। साथ ही, 4 अन्य सुरक्षाकर्मी घायल हो गए थे। इसके बाद से सशस्त्र बल शाहसितार इलाके में बड़ा तलाशी अभियान चला रहे हैं।

रायबरेली से...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के लिए अयोग्य हैं। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने सजा पर रोक लगा दी है, लेकिन उसने कोई निर्णय नहीं दिया है। सजा पर रोक में, चुनाव लड़ने की अनुमति शामिल नहीं है।"

पाण्डे ने यह भी कहा कि, 2006 में राहुल ने घोषित किया था कि, उनकी नागरिकता ब्रिटिश है। पाण्डे ने कहा, "ब्रिटिश नागरिक होने के कारण, संवैधानिक रूप से राहुल चुनाव नहीं लड़ सकते।" उन्होंने बताया कि, रिटर्निंग ऑफिसर ने उनकी शिकायत स्वीकार कर ली है।

कांग्रेस नेता अजयपाल सिंह ने एक वक्तव्य जारी किया कि, राहुल गाँधी का नामांकन पहले भी वैध माना गया था और अभी भी वैध है।

चंद्रबाबू नायडू ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सार्वजनिक रैली में इसके फायदों के बारे में स्पष्ट करना शुरू कर दिया है। इस पर जोर देते हुए कहा है कि यह एक्ट भूमि पर कब्जों को रोकेगा, मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी और उनके पार्टी नेता यह तक कह रहे हैं कि वर्ष 2014 से 2019 तक की अवधि में रहे टी.डी.पी. शासन के दौरान अमरावती में राजधानी बनाने के लिए जो भूमि कथित रूप से हड़पी गई थी, वह जाँच के दायरे में आ जाएगी, इसीलिए विपक्षी पार्टियाँ इस एक्ट का विरोध कर रही है।

लैण्ड टाइटलिंग एक्ट पर झूठा चुनाव प्रचार करने को लेकर नायडू और उसके पुत्र लोकेश के खिलाफ केस दर्ज किए गए हैं।

आरक्षण पर भ्रम फैलाने के मामले में राहुल गांधी के खिलाफ शिकायत

हैदराबाद/नई दिल्ली 6 मई (वार्ता) रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (अठावले) के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामदास आठवले ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा देश में आरक्षण हटाए जाने के भ्रामक प्रचार, बयानबाजी एवं तथ्यहीन आरोप के विरोध में चुनाव आयोग में लिखित शिकायत भेजकर विधिसम्मत कार्यवाही करने की मांग की। अठावले ने दावा किया कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी संविधान निर्माता बाबासाहेब डॉ भीमराव अंबेडकर जी के विचारों को आगे बढाने का काम कर रहे हैं और बाबासाहेब के सपनों का भारत निर्माण करने की दिशा में निरंतर प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि विगत दस वर्षों में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की सरकार ने एससी, एसटी, ओबीसी सहित समाज के वंचित, शोषित व अन्य वर्ग के लोगों के कल्याण व उत्थान के लिए ऐतिहासिक कार्य किए हैं।चुनाव आयोग को दर्ज करायी गयी शिकायत में आठवले ने कहा कि विगत पांच मई, 2024 को तेलंगाना के आदिलाबाद लोकसभा के निर्मल क्षेत्र में कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने एक जनसभा को संबोधित कर रहे थे।

'मैं आरक्षण के लिये सुप्रीम कोर्ट...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

की जरुरत है, हम उतना देंगे।"

लोकसभा चुनावों के लिए भारी चुनाव प्रचार के बीच राहुल ने ये टिप्पणियां की हैं। आरक्षण के मुद्दे पर एन.डी.ए. व इण्डिया गठबंधन के बीच भारी बहस छिड़ी हुई है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा ने आरोप लगाया है कि कांग्रेस मुस्लिमों को लाभान्वित करने के लिए पिछड़े वर्गों को मिले आरक्षण से छेड़छाड़ करना चाहती है। कांग्रेस ने इन आरोपों का खण्डन किया है।

गुजरात के बनासकांठा में आयोजित एक रैली में प्रधानमंत्री ने कहा कि "मैं कांग्रेस के शहज़ादे के साथ ही उनकी पार्टी और उनके समर्थकों को चुनौती देता हूँ कि वे यह घोषणा करके दिखाएं कि वे धर्म के नाम पर आरक्षण का दुरुपयोग नहीं करेंगे और ना ही संविधान के साथ छेड़छाड़ करेंगे अथवा धर्म के नाम पर आरक्षण नहीं देंगे।" गांधी ने कहा कि आदिवासियों पर होने वाले अत्याचारों की खबरें मीडिया की न्यूज़ में नहीं आती। उन्होंने कहा कि "आपके बच्चों से बलात्कार होते हैं, आपकी ज़मीन छीन ली जाती है, लेकिन मीडिया इसकी खबरें नहीं देता। उसका एक कारण है क्योंकि इन मीडिया कम्पनियों में कोई आदिवासी नहीं है।"

- **राहुल गांधी ने आगे यह कहा, 90 प्रतिशत अफसर सरकार चलाते हैं, उनमें एक आदिवासी है, तीन बैकवर्ड व तीन दलित हैं और वहीं कॉर्पोरेट वर्ल्ड में या मीडिया में इन जातियों का प्रतिनिधित्व नहीं है। हम (कांग्रेसी) यह सब बदलना चाहते हैं, इसीलिये जातिगत व आर्थिक सर्वे करवाना चाहते हैं।**

गांधी ने कहा कि "90 नौकरशाह देश की सरकार चलाते हैं। वे बजट आवंटित करते हैं।

इन 90 में से मात्र एक आदिवासी है, तीन पिछड़े वर्ग से हैं और तीन दलित समुदाय से है। आपके लोग ना तो मीडिया में हैं और ना ही कॉरपोरेट वर्ल्ड में। हम इसे बदलना चाहते हैं। इसीलिए हमने जातिगत जनगणना और इकोनॉमिक सर्वे करवाने का निर्णय लिया है।" गांधी ने किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य और कर्ज़ माफी के रुप में राहत प्रदान करने का भी आश्वासन दिया। उन्होंने जनसमूह से कहा कि ये हमारी गारन्टियां हैं। ये आपका जीवन बदल देंगी।"

रतलाम में लोकसभा चुनाव के चौथे चरण में 13 मई को वोटिंग है। कांग्रेस ने यहां से पूर्व सांसद एवं पूर्व केन्द्रीय मंत्री कांतिलाल भूरिया को चुनाव मैदान में उतारा है, जबकि अनीता नागर सिंह चौहान भाजपा प्रत्याशी हैं। भाजपा ने वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में भी रतलाम सीट पर विजय प्राप्त की थी।

जे.पी. नड्डा व मीडिया ....

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

गया है। बल्कि मुसलमानों को राक्षस बताने की कोशिश की गई है।

कांग्रेस के सुझाव का पलटवार करते हुए कि भाजपा संविधान में बदलाव करने के लिए 400 लोकसभा सीटें चाहती है, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कांग्रेस पर षडयंत्र करने का आरोप लगाया और कहा कि एस.सी., एस.टी. तथा ओ.बी.सी. के लिए बनाई गई कल्याणकारी योजनाओं को धोखे से अल्पसंख्यक मुसलमानों को देना चाहती है। कर्नाटक में भाजपा के वीडियो से प्रतीत होता है कि यह प्रधान मंत्री के कथन पर बनाया गया है।

कांग्रेस ने भी चुनाव आयोग यह आरोप लगाते हुए शिकायत दर्ज कराई है कि, कांग्रेस को एक धर्म विशेष का पक्षधर और एस.सी., एस.टी. और ओ.बी.सी. को वंचित करने वाली पार्टी के रूप चित्रित करने वाले वीडियो से आदर्श चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन हुआ है। कांग्रेस की शिकायत में प्रधानमंत्री के पूर्व के उस अनुचित दावे का भी जिक्र किया गया है, जिसमें उन्होंने कहा था कि कांग्रेस सरकार ने कर्नाटक में अवैधानिक साधनों के माध्यम से मुस्लिमों को आरक्षण दिया। कांग्रेस की शिकायत में कहा गया है कि "वर्ष 1962 में कांग्रेस ने मुस्लिम समुदाय की कुछ निश्चित जातियों को ओ.बी.सी. सूची में शामिल किया था। उन्हें धार्मिक आधार पर शामिल नहीं बल्कि आर्थिक और पिछड़ेपन के आधार पर ओ.बी.सी. सूची में शामिल किया गया था। वह जे.डी. (एस) सरकार ही थी, जो कि अब भाजपा की सहयोगी है, जिसने वर्ष 1994 में इस कोटा को सभी मुस्लिम समुदायों के लिए विस्तृत कर दिया था।" तथापि, कर्नाटक उन 14 राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों में शामिल है जहां मुस्लिम समुदाय ओ.बी.सी. लिस्ट में शामिल है। इन राज्यों में प्रधानमंत्री का गृह राज्य गुजरात भी शामिल है।

'नीट पेपर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सिर्फ बातें कर रही है, पर युवा वर्ग व उनके परिजनों के जीवन स्तर में कोई बदलाव नहीं कर पाई है। राहुल ने कहा कि कांग्रेस वादा करती है कि अगर सरकार आई तो युवा वर्ग को राहत देने के खिलाफ पेपर लीक के खिलाफ सख्त कानून लाएगी। हमारी गारंटी है कि युवा वर्ग को स्वस्थ व पारदर्शी माहौल प्रदान किया जाए।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा मैसर्स अरावली प्रिन्टर्स, राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर (राजस्थान) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 65015/96, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34 फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908